Gandhi Memorial College Of Education Bantalab Jammu

کرشن لیلا

الحاج
فضل
کاشمیری

CC-0 Agamnigam Digital Preservation Foundation,Chandigarh.Funding by IKS-MoE-2025-Grant

Gandhi Memorial College Of Education Bantalab Jammu

C-0 Agamnigam Digital Preservation Foundation,Chandigarh.Funding by IKS-MoE-2025-Gra

Gandhi Memorial College Of Education Bantalab Jammu

G.M College of Education
Raipur, Bantalab
Jammu.
Acc. No 112
Dated 6.10.03

— D

CC-0 Agamnigam Digital Preservation Foundation,Chandigarh.Funding by IKS-MoE-2025-Grant

Gandhi Memorial College Of Education Bantalab Jammu

C-0 Agamnigam Digital Preservation Foundation,Chandigarh.Funding by IKS-MoE-2025-Gra

Gandhi Memorial College Of Education Bantalab Jammu

کرشن لیلا

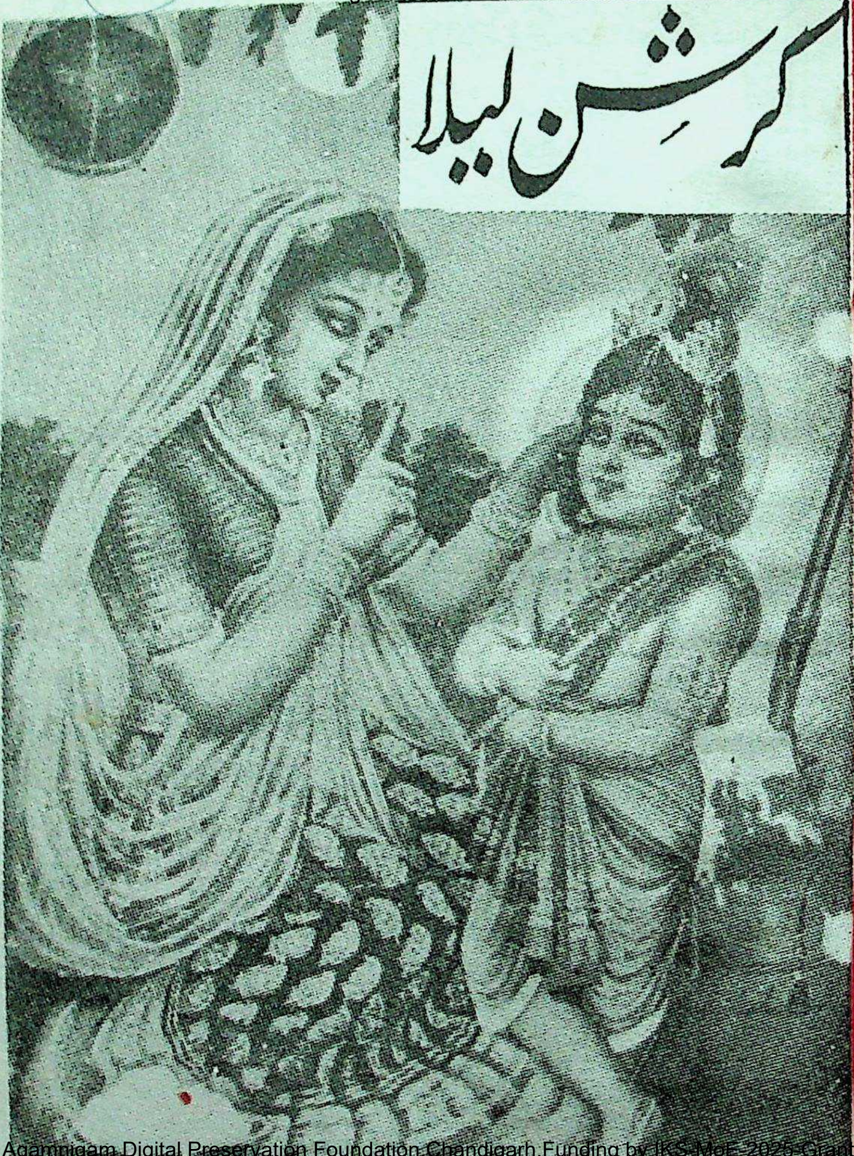

CC-0 Agamnigam Digital Preservation Foundation Chandigarh.Funding by IKS-MoE-2025-Grant

Gandhi Memorial College Of Education Bantalab Jammu

جُملہ حقوق بحقِ مُصنّف محفوظ

۱۔ ٹائیٹل	کِرشن لیلا
۲۔ صفحہ	۱۹۲
۳۔ عکس	جنوری سنہ ۱۹۸۴ء
۴۔ کاتب	مُصنّف
۵۔ آرٹ تہ حاشیہ	(”)
۷۔ مول	(شیٹھ روپیہ) Rs.60/-
۸۔ چھاپ خانہ :۔	

कृष्णा-लीला

پرنٹر اینڈ پبلشر :۔

فاضل کاشمیری

ساکنہ گُلشن نگر۔ چھانپورہ۔ سرینگر

کشمیر ۱۹۰۱۵

CC-0 Agamnigam Digital Preservation Foundation,Chandigarh.Funding by IKS-MoE-2025-Gra

Gandhi Memorial College Of Education Bantalab Jammu

17/6 (92)

سورگیہ شریمتی مایاونتی بترا
کی سمرتی میں سمرپت۔
(مُصنّف)

स्वर्गीया
श्रीमती मायावंती बतरा
की
पुराय स्मृति में
समर्पित

फाजिल कश्मीरी

CC-0 Agamnigam Digital Preservation Foundation Chandigarh Funding by IKS-MoE-2025-Grant

Gandhi Memorial College Of Education Bantalab Jammu

بنُوُم پان ہوٗرلی سوزٕ بوٗرمَس
میٚترٕ لوٚیہ اوسُس تہٕ اَنگ اَنگ ساز کوٗرمَس
ووٚزُس یَس نِش چھیٚلتھٕ ژھنٕمَس کدوٗرَت
تُلتھٕ زَنگارِ نوٗرُک آیہ پوٗرمَس

شریمد گیتا جی کِس قسم کے فوق اُلبشر انسان (Superman سپرمین) پیدا کرنا چاہتی ہے

CC-0 Agamnigam Digital Preservation Foundation,Chandigarh.Funding by IKS-MoE-2025-Grant

Gandhi Memorial College Of Education Bantalab Jammu

नूरुक आयि

वनोवुम पान मोरली सोज़ बोरमस

मेच्युव ओसुस त अंग अग साज कोरमस

वोजुस यस निश छलिथ छ'न्यमस कदूरथ

तुलिथ जंगार' नूरुक आयि पोरमस

नोट : नूरुक आयि :— (सूरऐ नूरुक आयि, सूरऐ नूर छु कुरानिमजोदुक अख सूरऐ शरीफ)

CC-0 Agamnigam Digital Preservation Foundation,Chandigarh.Funding by IKS-MoE-2025-Grant

खमक्षयमश्नुते ॥२१॥ दुःखेष्वनुद्विग्नमनाः सुखेषु विगतस्पृहः

वीतरागभयक्रोधः स्थितधीर्मुनिरुच्यते ॥५६॥ यः सर्वत्रानभिस्नेहस्तत्तत्प्राप्य शुभाशुभम्

Gandhi Memorial College Of Education Bantalab Jammu

حرفِ اوّل

قومی بھائی چارہ کی لگن برقرار رکھنے کے سلسلہ میں یہ کتاب "کرشن لیلا" میری تیسری ادبی کوشش ہے۔ اسے تخلیق کرنے اور شایانِ شان تعمیر کرنے میں مجھے ایشور/اللہ کی ہمہ گیر بخشش شاملِ حال رہی، جو میرے نصیب کے کارن ہے۔ مجھے اس کتاب کی تزئین (Decoration) اور کتابت خود کرنے میں دلی مسرّت حاصل ہے۔

زیرِ نظر کتاب "کرشن لیلا" کی تکمیل میں مجھے محترمہ ڈاکٹر جگت موہنی صاحبہ، پروفیسر چمن لال جی سپرو اور پنڈت سائل کاشمیری صاحب نے تعاون دیا، اور گنیش مندر پربندھک سمتی سرینگر اور سناتن دھرم پرتاپ سبھا سرینگر نے مالی امداد دی۔ میں نے رسالہ کلیان اور اسکان بکس کلیفورنیا سے کافی فائدہ اٹھایا ہے ان کا دل کی گہرائیوں سے مشکور ہوں۔

اس کتاب میں جتنے بھی اندراجات ہیں، مجھے اُن کی چند خامیوں

CC-0 Agamnigam Digital Preservation Foundation,Chandigarh Funding by IKS-MoE-2025-Grant

Gandhi Memorial College Of Education Bantalab Jammu

* दो शब्द *

कौमी भाईचारे की लगन बरकरार रखने के सिलसिले में यह किताब "कृष्ण लीला" मेरी तीसरी अदबी कोशिश है। इसे तखलीक करने और शायानि-शान तामीर करने में मुझें ईश्वर - अल्लाह की हमागीर बख्शिश शामिल-इ-हाल रही जो मेरे नसीब के कारण है — मुझे इस किताब की तजईन (Decoration) और किताबत खुद करने में दिल्ली मस्सरत हासिल है ।

जेर-इ नजर किताब की तकमील के दौरान मुझे जिन कृष्ण-भक्तों ने अपना ताऊन दिया उनके अस्माएगरामी इस तरह से हैं — श्री धर्मवीर बतरा डा० जगत मोहिनी साहिबा, प्रोफेसर चमनलाल सप्रू साहित्र और पण्डित पृथ्वी नाथ कोल "साइल–कश्मीरी" और जिन रसाईल से मैंने इस्तिफादा किया उनमें "कल्याण" गोरखपुर का नायाब खसूसी "भागतङ्क", और Iscon Books, California, काबिलि जिक्र हैं।

इस किताब में जितने भी इन्दराजात हैं, मुझे उनकी चन्द खामियों की तरफ इशारा

CC-0 Agamnigam Digital Preservation Foundation,Chandigarh.Funding by IKS-MoE-2025-Grant

Gandhi Memorial College Of Education Bantalab Jammu

کی طرف اشارہ کرنے میں کوئی جھجک محسوس نہیں ہوتی۔ میں نے بنیادی
طور پر ایک مسلمان گھرانے میں جنم لیا ہے اور اپنی تعلیم و تربیت کے دس اولیں
سال اسلامیہ سکولوں میں گزارے ہیں اور اردو، عربی اور فارسی
کے ماہرین اساتذہ علماء وقت سے زبان و خیالات کی چاشنی
کا نقشہ اُتارا ہے۔ اس لئے میری کرشن لیلاؤں میں مذکورہ علوم کے ذخایر
کی جھلکیاں اُبھرتی ہیں۔ یہ کہنا بے جا نہ ہو گا کہ رگھوپتی سہائے
فراق گورکھپوری کے کلام میں جابجا ہندوستانی تہذیب کے پہلو بہ پہلو
ہندی بھاشا کی کرنیں جھلملاتی ہیں جو ایک فطری امر کا آئینہ دار ہے۔
دوسری بات اس حقیقت کی نشاندہی ہے کہ نعت کہنا میری سرشت
میں شامل ہے۔ اس لئے اس رنگ اور کیف و گداز سے بھی الگ
نہیں رہ سکتا۔

ممکن ہے کہ قارئین حضرات میری کرشن لیلا پڑھ کر یا سُن کر
یہ بھی اندازہ کریں گے کہ لیلا کار فاضل کی شاعری اور خیالات و بیانات کا

CC-0 Agamnigam Digital Preservation Foundation Chandigarh Funding by IKS-MoE-2025-Grant

Gandhi Memorial College Of Education Bantalab Jammu

करने में कोई झिझक महसूस नहीं होती – मैंने बुनियादी तौर पर एक मुसलमान घराने में जन्म लिया और अपनी तालीम-वतरबियत के दस अवायली साल इस्लामिया स्कूलों में गुजारे हैं और उर्दू, फारसी और अरबी के माहिरीन असातिजा उलमाए वक्त से जबान-व-खयालात की चाशनी का नकशा उतारा है — इसलिए मेरी कृष्ण लीलाओं में मजकूरा अलूम के जखाइर की झलकियां उभरती हैं । यह कहना बेजा न होगा कि रघुपति सहाय फिराक गोरख-पुरी के कलाम में जा बजा हिन्दुस्तानी तहजीब के पहलू-ब-पहलू हिन्दीभाषा की किरणें झिलमिलाती हैं; जो एक फितरी अम्र का आईनादार है । दूसरी बात इस हकीकत की निशानदिही है कि "नात" कहना मेरी सिरिश्त में शामिल है — इस लिए रंग और कैफ-व-गुदाज से भी अलग नहीं रह सकता —

मुमकिन है कारीन हजरात मेरी "कृष्ण-लीला" पढकर या सुनकर यह भी अन्दाजा करेंगे कि लीला-कार फाजिल की शायरी और खयालात और बयानात का Convas बहुत वसीह है या वह तख-

CC-0 Agamnigam Digital Preservation Foundation,Chandigarh.Funding by IKS-MoE 2025-Grant

Gandhi Memorial College Of Education Bantalab Jammu

کنواس بہت وسیع ہے۔ یا وہ تخیّل کے ایک حلقہ سے نکل کر دوسرے حلقہ میں پڑنے میں کچھ تامل نہیں کرتا۔ یا یہ کہ وہ عاشقِ رسولؐ ہونے کے دوش بدوش کرشن بھگت اور گور بھگت بھی ہے۔ کیونکہ فاضل نے ستگورو سری بابا گورو نانک دیو جی پر بھی اپنی کئی تخلیقات بھینٹ چڑھائی ہیں۔ یا یہ کہ وہ مسلمان ہونے کے ساتھ ہندو بھی ہے اور سکھ بھی۔ میرا جواب کیا ہوگا؟.... کچھ بھی نہیں... ہاں! اتنا کہونگا کہ لوگ مجھے "شاعر" کہتے ہیں۔

یہاں چند عامیوں[1] کے سوال کا جواب دینے میں مجھے تامل[2] نہیں کہ میں نے اپنی عمر کے گرانقدر اور مصروف ترین ۲ سال "کرشن لیلا" تصنیف اور مرتب کرنے میں اس لئے صرف کئے کہ سری گیتا جی کے مندرجہ پیغامات اور خاص طور پر اس مقدس[3] سلوک کا

نوٹ:-
۱۔ عامی := ناخواندہ ۲۔ تامل = اندیشہ ۳۔ مقدس = پاک

CC-0 Agamnigam Digital Preservation Foundation,Chandigarh.Funding by IKS-MoE 2025-Grant

Gandhi Memorial College Of Education Bantalab Jammu

यूल के एक हलके से निकलकर दूसरे हलके में कुछ तअमुल नहीं करता—या यह कि वह आशकि रसूल होने के दोश-बदोश कृष्ण-भगत और गुरु भगत भी है — क्योंकि फाजिल ने सतगुर सिरी बाबा गुरु नानक देव जी पर भी अपनी कई तखलीकात भेंट चढाई हैं या यद कि वह मुसलमान होने के साथ साथ हिन्दु भी है और सिख भी — मेरा जवाब क्या होगा? .... कुछ भी नहीं......... हां। इतना कहूंगा कि लोग मुझे "शायिर" कहते हैं—

यहां चंद आमियों के सवाल का जवाब देने में मुझे तअमुल नहीं कि मैंने अपनी उम्र के गरां कदर और मसरूफ तरीं मह-व-साल कृष्ण लीला तसनीफ और मुरतब करने में इसलिए सरफ कियें कि श्री गीता जी के मुन्दरजा पैगामात और खास तौर पर इस मुकद्दस श्लोक का मैं कायिल हूं।

CC-0 Agamnigam Digital Preservation Foundation,Chandigarh.Funding by IKS-MoE-2025-Grant

Gandhi Memorial College Of Education Bantalab Jammu

कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन ।
मा कर्मफलहेतुर्भूर्मा ते सङ्गोऽस्त्वकर्मणि।।

میں قایل ہوں —

ترجمہ :-

your right is to work only, but never to the fruit thereof. Let not the fruit of action be your object, nor let your attachment be to inaction.

تجھے کام کرنا ہے اور مردِ کار
نہیں اُس کے پھل پہ تجھے اِختیار
کیے جا عمل اور نہ ڈھونڈ اس کا پھل
عمل کر عمل کر نہ ہو بے عمل

آشا ہے کہ وسیع النظری سے
نوازے گئے قارئین اور سامعین میری "کرشن لیلاً" سے کافی حد تک متاثر ہونگے جس سے
اُن کے دلوں میں بھائی چارہ کے جذبات اُبھر آئیں گے۔

فاضل کاشمیری

گُلشن نگر سرینگر 15
/ /1984

CC-0 Agamnigam Digital Preservation Foundation,Chandigarh.Funding by IKS-MoE-2025-Grant

Gandhi Memorial College Of Education Bantalab Jammu

कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन ।
मा कर्मफलहेतुर्भूर्मा ते सङ्गोऽस्त्वकर्मणि ॥

तुझे काम करना है ओ मर्द ए कार
नहीं उसके फल पर तुझे इख्तियार ।
किये जा अमल और न ढूंढ–इसका फल
अमल कर, अमल कर, न हो बे अमल ॥

आशा है कि वसीह-उल-नजरी मे नवाजे गए कायरीन् और सामियीन मेरी " कृष्ण-लोला " से काफी हद तक मुतासिर होंगे — जिससे उनके दिलों में भाई चारा के जजबात उभर आयेंगें ॥

फाजिल कश्मीरी

गुलशन नगर
श्रीनगर–१९००१५
१-१-१९८४

CC-0 Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh. Funding by IKS-MoE 2025-Grant

Gandhi Memorial College Of Education Bantalab Jammu

कश्मीर के रसखान

फाज़िल कश्मीरी ने 'बालक अवस्था' और 'कृष्ण लीला' नामक कृष्ण-काव्यों की रचना करके सूरदास, रसखान, परमानंद. नरोत्तमदास, रत्नाकर सुब्रह्मण्य भारती की कृष्ण-भक्ति-परम्परा को सुरक्षित रखा। इसके साथ राष्ट्रीय एकता और हिन्दू-मुस्लिम सद्भाव को बढावा देने में हम उन्हें अमीर-खुसरो, नजीर अकबराबादी, सागर निजामी, बेकल उत्साही, नजीर बनारसी आदि की परम्परा में प्रतिष्ठित पाते हैं। सिखमत के प्रति भी उन्होंने अपना अनुराग दर्शाया है और कश्मीरी भाषा में गुरु-वाणी का भावानुवाद प्रस्तुत किया है, जिसकी अत्यधिक सराहना की गई।

फाजिल कश्मीरी ऐसे उदारचेता कवि हैं जो भावात्मक एकता के तारों को झंकृत कर राष्ट्रीय एकता और सौहार्दपूर्ण वातावरण की संरचना में कृतसंकल्प हैं। उनकी कविता में हिन्दू मुस्लिम एकता की भावना को ही प्रधानतया अभिमुखरित

CC-0. Jammu Digital Preservation Foundation, Chandigarh Funding by IKS-MoE-2025-Grant

Gandhi Memorial College Of Education Bantalab Jammu

किया गया है — कृष्ण की बांसुरी का मधुरिम स्वर एक हृदय—भावात्मक ऐक्य का संदेश देता है । वही 'जय–जय हरि' कहने लगता है । उसका हृदय पाक-पवित्र हो जाता है, फिर उसमें हिन्दू-मुसलमान का कोई भेद नहीं रहता । फाजिल साहब कृष्ण को गंगा का ऐसा पावन जल समझते हैं, जो हिन्दू और मुसलमान दोनों के दिलों के मल को धो डालता है —

कृष्ण गो पोशवुन गंगायि हुंद जल,
छलान हेंद्यन मुसलमानन दिलुक मल ।

फाजिल साहब कृष्ण की बांसुरी की मधुरता पर मोहित हैं । बाँसुरी का स्वर प्रेमात्मा है, जीवन - ऊर्जा है, 'साजे दिलबरी' है । बांसुरी में फूंक मारकर उन्होंने आत्मज्ञान का दार्शनिक रहस्य उद्घाटित किया है । ऐसी खुदी या अहमन्यता उद्भासित की है जिसपर हजारों बेखुदी कुर्बान की जासकती हैं । इसी बाँसुरी से यह आवाज निकल रही है कि अवतार और नबी दोनों अल्लाह के भेजे हुए हैं उनकी मुरली और लय दोनों एक ही हैं, 'रहमान' और 'भगवान' भी ती एक ही समान हैं । कृष्ण के रूप-रंग पर कवि अत्यधिक मोहित है । उसे ऐसा आभास होता है कि फूलों में रंगत कृष्ण की बदौलत है, उनके कारण यह संसार सुरम्य उपवन बना हुआ है । जिन व्यक्तियों

CC-0 Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh. Funding by IKS-MoE-2025-Grant

Gandhi Memorial College Of Education Bantalab Jammu

के हृदय में प्रेम-सत्य की चिंगारी सुलगती है उन्हीं को कृष्ण अमृत के प्याले पिलाते हैं। कृष्ण समदर्शी हैं। फाजिल साहब समझते हैं कि लोगों में जो भाईचारा, सद्भाव, सौहार्द है वह सब कुछ कृष्ण के दम से है। उनका 'कृष्ण लीला' (सचित्र) कृष्ण-काव्य में—भारतीय कृष्ण-काव्य में एक अभिवृद्धि है और वह राष्ट्रीय एकता के दीपक की लौ को सदा अकम्पित रखने वालों में अपना स्थान रखते हैं।

(निजामउद्दीन)

DR. NIZAM-UD-DIN
Prof. of Hindi
Islamia College, Srinagar
(Kashmir)

१२-१-१९८४

—·—

CC-0 Agamnigam Digital Preservation Foundation Chandigarh Funding by IKS MoE-2025-Grant

Gandhi Memorial College Of Education Bantalab Jammu

TEXT 38

एतदीशनमीशस्य प्रकृतिस्थोऽपि तद्गुणैः ।
न युज्यते सदात्मस्थैर्यथा बुद्धिस्तदाश्रया ॥३८॥

etad īśanam īśasya
prakṛti-stho 'pi tad-guṇaiḥ
na yujyate sadātma-sthair
yathā buddhis tad-āśrayā

TRANSLATION

CC-0 Agamnigam Digital Preservation Foundation,Chandigarh.Funding by IKS-MoE-2025-Grant

This is the divinity of the Personality of Godhead: He is not affected by the qualities of material nature, even though He is in contact with them. Similarly, the devotees who have taken shelter of the Lord do not become influenced by the material qualities.

Gandhi Memorial College Of Education Bantalab Jammu

ترتیب

شمار	مطلع	صفحہ
۱۔	قطعہ :۔ الف۔ اگر چھُپے ظوٗن سمَر	22.
	ب۔ ہیہ نش آو	〃
۲۔	کرشنا کرشنا	23.
۳۔	قطعہ :۔ پِتا ماتا کرشن	24.
۴۔	کرشن ئُپزی پاٹھی مخلوقن	25.
۵۔	قطعہ :۔ پیزر لوٗنی	26.
۶۔	کرشن ہوٚ درتان بجلتے ہیں..	27..
۷۔	خوٗبصوٗرت سانہِ آنگنِو	28.
۸۔	قطعہ :۔ شہکار قطعہ	30.
۹۔	〃 ژرِیہ یاہتھ کھوٗلتھ	33.
۱۰۔	〃 پریمیہ ہشرِ میرا	32
۱۱۔	〃 چانہِ پریمک زوٗنگ	34
۱۲۔	〃 ہیوٗن دِل اوس	35.
۱۳۔ ۱۳۔	قطعہ :۔ شبیہہ وُچھم	36
۱۴۔	〃 شری کرن پوٗزا	37.
۱۵۔	〃 ہیٚمیس پرشُس زنم	38
۱۶۔	〃 پہرُن گیتا تہ ...	39.
۱۷۔	〃 رسہ خانن گوٗزنکھ	40
۱۸۔	〃 کرشنہ مہراحمن دیا گر	41.
۱۹۔	〃 گپالن بلوٚمتگل گوٚر	42.
۲۰۔	〃 ہیمو لہرو ویزرک	43.
۲۱۔	〃 ہیو واجیٚنی	44.
۲۲۔	〃 چھ کرِ داُرک تھزر	45.
۲۳۔	〃 سوٚر داسس	46.
۲۴۔	کرکھہ اوٚد کرشنہ سودا	47.
۲۵۔	کرشنہ جوٗنے نقشہ ماچھُم	48.

CC-0 Agamnigam Digital Preservation Foundation,Chandigarh.Funding by IKS-MoE 2025 Grant

Gandhi Memorial College Of Education Bantalab Jammu

۲۶۔ قطعہ:۔ کرشنٔنی چرٕن 49
۲۷۔ ؍؍ رادھا چھ آمژر 50
۲۸۔ ؍؍ ڈالہٕ شوٗبیا ہیوٗن دِل 51
۲۹۔ ؍؍ گیٚنٛیہمس پالکس نش 52.
۳۰۔ ؍؍ شری کرشنا اہمنک وُیتر 53
۳۱۔ وَنہٕ وُن: شمی توٗہی 54.
۳۲۔ رُوپ ہیوٗن اوس 55.
۳۳۔ جے جے ہٕنس منٛز گرزان 58.
۳۴۔ نظم کرشن جی 60
۳۵۔ قطعہ: یام شہ دِیت 62
۳۶۔ کرشنٕنہ موٗرلی پیٚرٕ تھ زمانٕہ 63
۳۷۔ ؍؍ گپا لا چھو لیٚن گل 64
۳۸۔ منٛزلِ پاتھ۔ آلہٕ نابد 68.
۳۹۔ کرشنٔ۔۔ سالہٕ ہیوٗ! 72
۴۰۔ مبٲرک وچھ 74

صفہ
۴۱۔ گپالنٕی دری چھے 78.
۴۲۔ قطعہ: ٹھُنٛی ژوٗر ہیمیس گوٗر 80.
۴۳۔ ؍؍ اندرس بیٹھ۔۔۔ واصِل 81.
۴۴۔ ؍؍ گیو ٹھُنی تہٕ گرٕس۔۔ 82.
۴۵ ؍؍ پرکھ یود کرشنٕنہ لیلا 83.
۴۶۔ ؍؍ اکران پوٗزا کرشن جی 84.
۴۷۔ تصویرہ۔ کرشن پوٗزا 85.
۴۸۔ کرشن سُدامہ 86.
۴۹۔ قطعہ:۔ اکھ سُدامہ چھا 97
۵۰۔ کرشن گوٗدوٗن سُمت 98
۵۱۔ قطعہ: غریبن مُفلسن 99
۵۲۔ گلن ہند۔۔ کرشن جی 100.
۵۳۔ چھ برہمن دھرم گیان 109
۵۴۔ قطعہ: بانسری ہند ساز 110.
۵۵۔ مہربانی کرے کرشنٕن 111.

CC-0 Agamnigam Digital Preservation Foundation,Chandigarh.Funding by IKS-MoE-2025-Grant

Gandhi Memorial College Of Education Bantalab Jammu

صفحہ

۵۶۔ بالہٕ پانس لگی تمے اَز 112

۵۷۔ قطعہ:۔ یکدلی ہُنٛ شہ 116

۵۸۔ قطعہ:۔ کُنٛی ییس نظر 117

۵۹۔ بالہٕ پانس لا کھے جامے 118

۶۰۔ قطعہ:۔ وجُود ک سر 119

۶۱۔ رادھا وتان چھ ناتھس 122

۶۲۔ کُس نام وایان ! 124

۶۳۔ میہ چھا اِنکار ماتا ! 128

۶۴۔ قطعہ:۔ جہاسا گرکرشن 137

۶۵۔ ہے ! نے چھ گرٕشھان 138

۶۶۔ قطعہ: کرشنہٕ ہو رلی 144

۶۷۔ ہیٚنٛزِ و نے پہرانہٕ وقیچ " "

۶۸۔ گیت: کرشن بانسُری 146

۶۹۔ قطعہ: رٕمس رُمس کرشن اگر " ..... کرکھہ 155

صفحہ

۷۰۔ گُلمن ہند ترنُم 156

۷۱۔ بالہٕ کرشنن یام ڈرم آگہی 158

۷۲۔ قطعہ: بے خبر پاٹھی 160

۷۳۔ شعورس لاشعورس منز "

۷۴۔ دِلن گو دین و دھرک 162

۷۵۔ قطعہ:۔ صحیح وتھ رٹھ 163

۷۶۔ یا متھ یہ آدم دین 1·64

۷۷۔ کرشن جی اَر جنس 165

۷۸۔ قطعہ:۔ یام دھرتی ہیٛٹھ 166

۷۹۔ چھ بھگون ناسہ تراسن 168

۸۰۔ ستمگار و ستم کوٚر 169

۸۱۔ کرشن کہانی 170

۸۲۔ ہرے کرشنا ! 189

۸۳۔ قطعہ: کرشنہٕ چھو کتھ رنگ 92

۸۴۔ تقاریظ از:۔

۱۔ پروفیسر نظام الدین ۲۔ ڈاکٹر جگت موہنی ۳۔ علی محمد لنگر ۴۔ پروفیسر چمن لال سپرو

۵۔ [illegible] آچاریہ [illegible] ۶۔ لالہ [illegible] رام [illegible] باغ ۔

© Agamnigam Digital Preservation Foundation Chandigarh Funding by IKS MoE-2025 Grant

Gandhi Memorial College Of Education Bantalab Jammu

رادھایہ بری پیالہ ز گوپالہ منہ کن وچھ - از کالہ یزم سالہ دماہ - لالہ منہ کن وچھ

राधायि बरी प्याल' वे गूपाल' मे कुन वुछ
अज काल यिज्यम साल' वमाह लाल' मे कुन वुछ

वृन्दावन कलानाथौ हृदयानन्द दायिनौ,
सुखदौ राधिका कृष्णौ भजेऽहं कुंजगामिनौ ॥

CC-0 Agamnigam Digital Preservation Foundation Chandigarh Funding by IKS-MoE 2025-Grant

Gandhi Memorial College Of Education Bantalab Jammu

اگر چھُے ظوٗن سمر بھگوانہٕ سندی گوٗن
ژٕہ سپدی شوٗد پنُن دِل ہیرِ تَے لوٗت
چھُ تمیٚ سُند ناو سمرُن عینِ اکسیر
بنَاوان کیمیاگر چھُے کھوٗٹِس سوٗن

अगर छुय ज़्वन सुम्पर भगवानु संध गोन
च़य सपदी शोंद पनुन दिल हेरि तय बोन
छु तम्य सुंद नाव सुमरुन ऐनि इकसीर
बनावान कीमियागर छुय खोटिस स्वन

ہیہ نِش آو۔ بار ہا آو۔ بار ہا آو
کوٗرُن سیانِس وونَدس منز پوٗرہٕ ٹھہراو
تمِس کُن اکھ قدم تُل یآری لاگی
کَری اوٚرَے دَیا بھگوان ژٕ اَزماو

म्य निश आव बारहा आव बार हा आव ।
कोरुनु म्यानिस वोन्दस मंज़ पूर ठेहराव ॥
तमिस कुन अख कदम तुल यार्य लागी ।
करिय ओरय दया भगवान च़ अजमाव ॥

CC-0 Agamnigam Digital Preservation Foundation,Chandigarh. Funding by IKS-MoE-2025-Grant

Gandhi Memorial College Of Education Bantalab Jammu

Swami Prabhupada

کرشنا کرشنا

कृष्ण कृष्ण

Kṛṣṇa Kṛṣṇa

ਕ੍ਰਿਸ਼ਨਾ ਕ੍ਰਿਸ਼ਨਾ

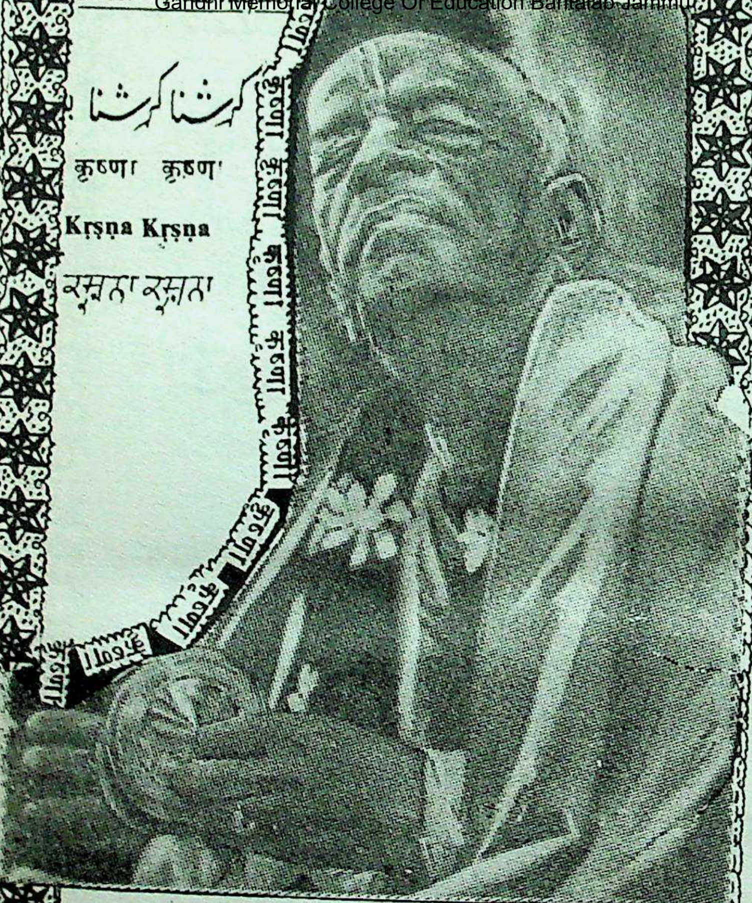

"God attracts everything. The word Kṛṣṇa *means 'all-attractive.' What, then, is wrong with addressing God as Kṛṣṇa?"*

CC-0 Agamnigam Digital Preservation Foundation Chandigarh.Funding by IKS-MoE-2025-Grant

Gandhi Memorial College Of Education Bantalab Jammu

پِتا ماتا : کرِشن ۔ ماتا پِتا سُے
گورُو سُے گیان سُے تہٕ آتما سُے
دِلس شرٛوپمُت ۔ اُچھن منٛز جاے تمی سنٛز
مُحبّت سُے خلوٗصچ پنٛز دیا سُے

पिता माता कृष्ण - माता पिता सुय
गुरू सुय ज्ञान सुय तय आत्मा सुय
दिलस श्रोपमुत अंछन मंज़ जाय तम्य संज़
महोबत सुय खुलूसुच पंज़ दया सुय ॥

कृष्ण पंज़य पांठ्य मखलूकन पनुन मोल ।
करान छिस पोंपुरिन्य गथ, तस वरानलोल ॥

CC-0 Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh. Funding by IKS-MoE-2025-Grant

KRISHNA

Gandhi Memorial College Of Education Bantalab Jammu

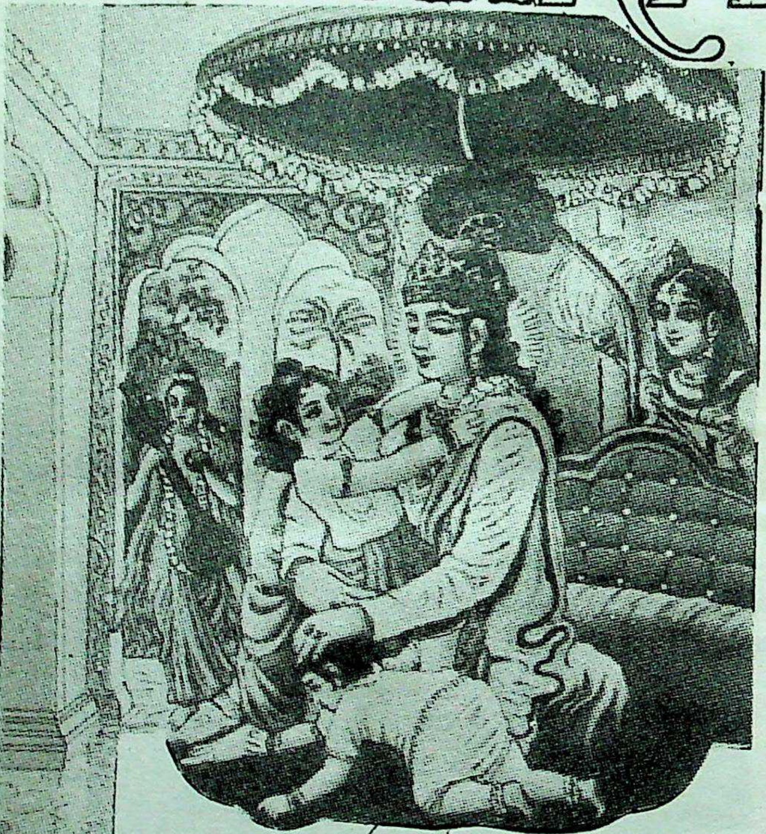

کرِشن پنزِ پاٹھی مخلوقن پنُن مول

کراں چھس پونیپرِذِ گتھ تم برن لول

This time, Nārada Muni saw that Lord Kṛṣṇa was engaged as an affectionate father petting His small children. (p. 245)

CC-0 Agamnigam Digital Preservation Foundation Chandigarh.Funding by IKS-MoE-2025-Grant

Gandhi Memorial College Of Education Bantalab Jammu

پرزلونی دست و پا چھم سریہ کرشنس
دلکی یم نقشہ ہاوم سریہ کرشنس
یمو کاتیاہ حسین پمپوشہ سر کری
یمو سیتی تخ سجاوم سریہ کرشنس

۱۔ دست = اتھ ۔ ۲۔ پا = کھور ۳۔ تخ = تخت

प्रज़लवुन्य दस्त पा छिम श्री कृष्णस
दिलुश्य इम नक्शि हाविम श्रीकृष्णस
यिमव 'कांत्याह् ह्सीन पंपोशि सर 'कंर्य
यिमव सूत्य तख सजाविम श्रीकृष्णस

CC-0 Agamnigam Digital Preservation Foundation Chandigarh Funding by IKS-MoE 2025-Grant

Gandhi Memorial College Of Education Bantalab Jammu

CC-0 Agamnigam Digital Preservation Foundation,Chandigarh Funding by IKS-MoE-2025-Grant

Gandhi Memorial College Of Education Bantalab Jammu

خوٗبصوٗرت

خوٗبصوٗرت سانہٕ آنٛگنٕی ژاو تےٚ
گوٗپین دِیٖ توٚ کرشن سون آو تےٚ
کرشنہٕ ڈیوٗ ھُم ژھایہٕ روٗس زن ماہتاب
شامہٕ ژھاین سریہٕ ہیوٚ نوٗن دراو تےٚ
ہیون دِل اوس دار روٗس، دروازٕ روٗس
اَتھۍ اندر پرژھنے کوٗرن ٹھہراو تےٚ
نورٕ ستیٖ اوٗنڈ پوٗکھ گرُک کوٗرنم نہال
مَن پرسن چھُم ۔ دِل برٚان چھُم چاو تےٚ
ذکرٕ بیٚپھ تےٚ فکرٕ بیٚپھ کرٕنم دِیا
مِیانہٕ غفلژ ہُند ہیوٚتُن ماناو تےٚ
کرشنہٕ! دِیتھم تیٚوٗت ژٕ ژٕ سیر گوٚس
توٚتہٕ دوٗ پھِم یِنھنہٕ روزٕی گراو تےٚ

CC-0 Agamnigam Digital Preservation Foundation Chandigarh Funding by IKS-MoE-2025-Grant

Gandhi Memorial College Of Education Bantalab Jammu

खूब सूरत सानि ग्रांग्'न्य चाव तय।
गूपियन द'प्य तव कृष्ण सोन ग्राव तय॥

कृष्ण ब्यूठुम छायि रो'स ज़न माहताब,
श्यामु छायन सिरिय ज़न नो'न द्राव तय॥

म्योन दिल ग्रोस दारि रो'स दरवाज़' रो'स।
ग्रंथ्य ग्रन्दर प्रछ़नय को'रुन ठहराव तय॥

नूर् सात्य ग्रो'न्द पोख गरुक कोंरनम निहाल,
मन प्रसन्न छुम दिल बराम छुम चाव तय॥

ज़िकिरि प्यठ तय फ़िकिरि प्यठ कंरनम दया।
म्यानि गफ़ल'च हुन्द ह्योतुन मा नाव तय॥

कृष्णु ह्युतथम त्यूत र'टय र'टय सेर गोस,
तोति दोंपथम "युथ नु रोज्यम ग्राव तय?"

CC-0 Agamnigam Digital Preservation Foundation Chandigarh Funding by IKS-MoE-2025-Grant

Gandhi Memorial College Of Education Bantalab Jammu

یوٗر ژھوٗرُم' اوٚر کرٛشنَن گوٚرنَس
بَس کُنی کَتھ : کرٛشنہٕ گارُن پَراوِ تے
کرٛشنہٕ سمرَن کرِتہٕ چشھمو ڈیشُہَن
یوٗد نہٕ باوَر چھُے ذَرا اَزماو تے
بانسُری کُن کَن تھوٗوُم منزِل سوٗرُم
فاصِلا اَسہِ اَنگُن مہہ گوٚ صحراو تے

— · —

شہکار

مہہ گوٚ بیدار بخ. اَز گوم بیدار ٢ بخت
وُچھُم دیدو کرِشن تَس سرِیہِ اَنہار
سُہ گوٚرمُت وہٕ ستہٕ کارَن پوٗز صنم ہیو
دِتُن زگتَس پَتُن اَکھ حُسنِ شہکار

— · —

CC-0 Agamnigam Digital Preservation Foundation,Chandigarh.Funding by IKS-MoE-2025-Grant

Gandhi Memorial College Of Education Bantalab Jammu

योर् छोरुम ओर् कृष्णन गोरनस ।
बस कुनी कथ—कृष्णु गारुन प्राव तय ॥

कृष्ण स्मरन करत् चश्मव डेशिहन ।
योद न् बावर छुय् ज़रा अज़माव तय ॥

बाँसुरी कुन कन थोवुम मंज़िल सुरुम ।
'फ़ाज़िला'! आंगुन म्य गव संहराव तय ॥

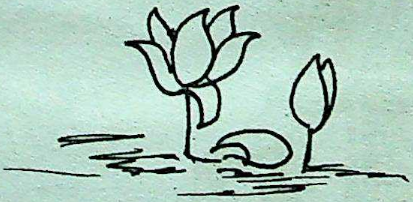

म्य गव बेदार बख्त अज़ गोम बेदार ।
वुछुम दीदव ; वुछुम तस सिरियि अनहार,
खुदा सुन्द कृष्ण गौर सोंच कंड्यि कंड्यि ।
दितुन ज़गतस पनुन अख हुसनि शाहकार ॥

CC-0 Agamnigam Digital Preservation Foundation,Chandigarh.Funding by IKS-MoE 2025-Grant

Gandhi Memorial College Of Education Bantalab Jammu

میرا یہ بیٹھ کرشنہٕ دیا

پرہمہ ہٕز میرا سو گیا نچ کنہٕ ہتال
جلوٕ ہا وتھ بختہٕ بڈ کرتھن نہال
بالہٕ کرشنا! تس یہ پرٕ زمہ ہنے دِتھ زٕ گوکھ
تِ دِتم چھے پننہٕ عظمژ ہند سوال

CC-0 Agamnigam Digital Preservation Foundation Chandigarh Funding by IKS-MoE-2025-Grant

Gandhi Memorial College Of Education Bantalab Jammu

ژٕ یامتھ کھوٗلِتھم ستھ درشنکی بر
کھوٗرن تَل وُچھ مئہ صحرا، کوٗہ تہٕ سنگر
مکانکی تے زمانکی حلقہ ژھوٚٹۍ گام
چھُہمنا کرشنہ گوپالا ژٕ یاور

चे यामत खूल्यथम सथ दर्शनकि बर।
खोरन तल वुछ म्य सहरा, कुह त संगर
मकानुक्य तय ज़मानुक्य हलक छोट्य गाम
छुहम ना कृष्ण गोपाला! च्य यावर॥

मीरायि प्यठ कृष्ण दया

प्रेमु हेच मीरा च्व ज्ञानुच कुन्य मिसाल,
जलवु हा'विथ आ'र'कें'च क'रथन निहाल।
वालु कृष्णा! तम यि प्रिलनय दिथ चु गोख
ती दितम च्य पनुनि अज़म'च हुन्द सवाल।

CC-0 Agamnigam Digital Preservation Foundation Chandigarh Funding by IKS-MoE-2025-Grant

Gandhi Memorial College Of Education Bantalab Jammu

भक्तिमती मीरापर कृपा

چانہٕ پریمُک زۄنگ یمِس لوگ سور گو
سِریہ ہَن پرٛوُن زژن ہند نور گو
لَن ترانی پرانہ سۄمیچ ریت آس
قودرتہ سنتی میرایہ انگ انگ نور گو

चानि प्रेयमुक ज़ोंग यैमिस-लोंग सूर गव,
सिर्यथि मन प्रोवुन ज़्चन हुन्द नूर गव ।
लन तरांनी प्रानि समयिच रीत ग्रांम,
कोर्व् सत्य 'मीरायि' ग्रंग ग्रंग नूर गव ॥

CC-0 Agamnigam Digital Preservation Foundation,Chandigarh.Funding by IKS-MoE-2025-Grant

Gandhi Memorial College Of Education Bantalab Jammu

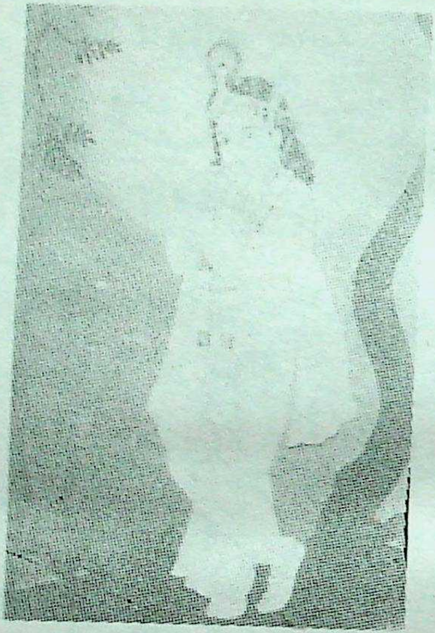

میون دِل اوس دارِ روٗس دروازٕ روٗس
اَتھ اندر پڑژھنے کوٗرن ٹھہراو تے

म्यान दिल ओस दारि रो'स दरवाज़' रो'स।
अंद्य अन्दर छुछनय को'रुन ठेहराव तय ॥

CC-0 Agamnigam Digital Preservation Foundation,Chandigarh.Funding by IKS-MoE-2025-Grant

Gandhi Memorial College Of Education Bantalab Jammu

कागा सब तन खाइयो चुन चुन खाइयो मांस दो नैना मत खाइयो, पिया मिलन की आस॥

ॐ मत मत॥

Love at first Sight

خانٛدر

شبیہہ کرشنٕنۍ وُچھِم دھرتی بنیل گو
اُچھِن تِہندِس شبیہَس ستی میل گو
وجودُک وِیژر تھوٗوُم بَس آیتن تَسی
کرشنَن پروٗوم ہمہ کیت خانٛدر مُرٛھیل گو

(میرا)

۱۔ شبیہہ = فوٹو
۲۔ دھرتی = زمین
۳۔ وِیژر = جایٔداد
۴۔ مُرٛھیل = شگفتی
۵۔ آیتن = حاضر
۶۔ پروُن = حاصِل کرُن

शबीह कृष्णुन वुछुम धरती बुन्युल गोव,
अछन तंहदिस शबीहस सत्य म्युल गव।
वजूदुक व्युच थोवुम बस आयितन तंस्य,
कृष्ण प्रोवुम म्य क्यत खांदर मछुयुल गव॥

CC-0 Agamnigam Digital Preservation Foundation,Chandigarh.Funding by IKS-MoE-2025-Grant

کاگا! سب تن کھائیو - چن چن کھائیو ماس - دو نیناں مت کھائیو - پیا ملن کی آس

Gandhi Memorial College Of Education Bantalab Jammu

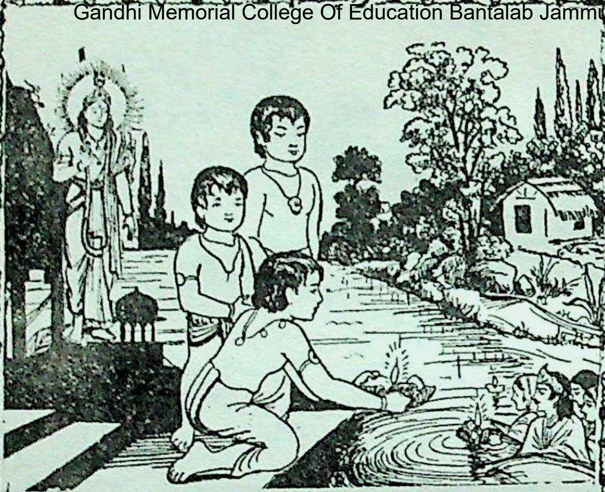

شُرِ کرَن پوٗزا پَزُیک اِظہار یٖ

کرٛشنہٕ بَھگتَن شُرلہِ مَنٛز تام کار یٖ

زاہدا! یِتھِنٕے کرٛشن دَرشُن دِوان

دِل کرُن موصُم۔ دِیٖ اُدھار یٖ

शुयं करन पूज़ा—पज़्युक इज़हार यी,
कृष्ण् भक्तन शुलि मंज़ ताम कार यी।
ज़ाहिदा ! यिथिन्य कृष्ण दर्शुन दिवान,
दिल करुण मोसूम दिंयी ओधार यी ॥

CC-0 Agamnigam Digital Preservation Foundation,Chandigarh Funding by IKS-MoE-2025-Grant

Gandhi Memorial College Of Education Bantalab Jammu

× انسان

ییمِس پُرشس زَنم ییو وچھرو تہ پانَس
رٕٹن لٔنی کرِشنہ وتھ ووت لکانَس
چُھے پرٲلب گنز آگرو سنز کل
ینی پیمیوتہ سر اَنگ اَنگ ترٕ پانَس

ع۔ بارگوان

قیمت

۲۔ تر چھیل

CC-0 Agamnigam Digital Preservation Foundation Chandigarh Funding by IKS-MoE-2025-Grant

Gandhi Memorial College Of Education Bantalab Jammu

پرُن گیتا تہٕ کرٛشنُن داس سپدکھ
سوٗرن گیتا تہٕ کرٛشنٕنۍ ماے پراوکھ
کرِی میُل کرٛشنہٕ لالس ستۍ سمرن
سمر گیتا۔ سمر کرٛشنا ہہ کڈ تھکھ

परुन गीता त कृष्णुन दास सपदख
सरन गीता त कृष्णन्य माय प्रावक
करी म्युल कृष्णलालस सूत्य स्मरण
स्मर "गीता" स्मर "कृष्णा" अकड थख

येंमिस पुरुषस ज़न्म प्यव फ़ूच़ दानस,
रंट्न कुन्य कृष्ण वथ वोत लामकानस।
छ्यय प्रालब्द गंनिर अक्रूर संज़ कल .
बंनिय पंपोशि सर अंग अंग चें पानस॥

नोट -

वल = गंड, मुशकिल

CC-0 Agamnigam Digital Preservation Foundation Chandigarh Funding by IKS-MoE-2025-Grant

Gandhi Memorial College Of Education Bantalab Jammu

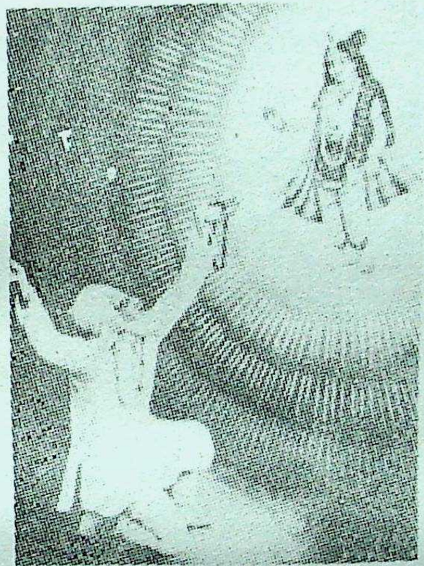

भक्त रसखानपर कृपा

رَسہٕ خانَن گورناتھ کَرِتھس دَیا
لولہٕ والِبن کَرِ دَیا کیٚنہہ کَم چھیا
نابہٕ کارٕ چھُس۔ مگر چوٚن داس چھُس
کَرتہٕ داسَس بیٛٹھ تہٕ از مہرٕ ج لَگ

ا مہربانی

CC-0 Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh. Funding by IKS-MoE-2025-Grant-

Gandhi Memorial College Of Education Bantalab Jammu

یمس پیٹھ کرشنہ مہاراجن دیا کر
بہ آسانی تمس ناو ساگرس تر
حیاتی تہنز پیٹھ جیون تہ حاران
سہ وانس زندہ رود پھاون عمر ژر

यमिस प्यठ कृष्ण महाराजन दया 'कर
ब आसानी तमिस नाव सागरस 'तर
हयाती तिहिंजि प्यठ जीवन ति ह'रान
सु वांसन ज़िंद रूद प्रवन उमर च़र

रसखानस टोठ्यव दया

रस खानन गोरनख क'रथस दया,
लोल्'वाल्यन किच् दया कैंह कम छया।
नाव्'कारा छुस, मगर चोन दास छुस,
करत् दासस प्यठति अज़ म्यहर्च निगाह ॥

CC-0 Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh Funding by IKS-MoE 2025-Grant

Gandhi Memorial College Of Education Bantalab Jammu

भक्त विल्वमंगलपर कृपा

● گُپالَن بلوٗمنگل کوٚر یہِ خوشحال
تِمِس اوس کرشنہٕ سمرن عالَ تہٕ قال
اوٚے کرنوو نَس منزل سواگت
چھُ کوتاہ رُت دیالوٗ کرشنہٕ گوپال!

CC-0 Agamnigam Digital Preservation Foundation Chandigarh Funding by IKS-MoE-2025-Grant

Gandhi Memorial College Of Education Bantalab Jammu

یمو لُہرو و پژرک قصرِ شاہی
تمو کُر پانہٕ سے آخر تباہی
کرشن مہراج ووتھ اُدھار کورناھ
چھُ کوتاہ جان بھگون یا الٰہی!

यिमव लुहरोव पज़रुक कसरि शांही,
तिमव कॅर पानॅसॖय आंखुर तबांही।
कृष्ण महाराज वोंथ उधार कोंरनख,
छु कोताह जान भगवन या इलांही!

गोपालन बिल व मंगल कुरुय खुशहाल,
तमिस ओस कृष्ण स्मरण हाल तय काल।
अवय करनांव्यनस मंज़िल स्वागत,
छु कोताह रुत, दयालु कृष्ण गोपाल !!

CC-0 Agamnigam Digital Preservation Foundation,Chandigarh.Funding by IKS-MoE 2025-Grant

Gandhi Memorial College Of Education Bantalab Jammu

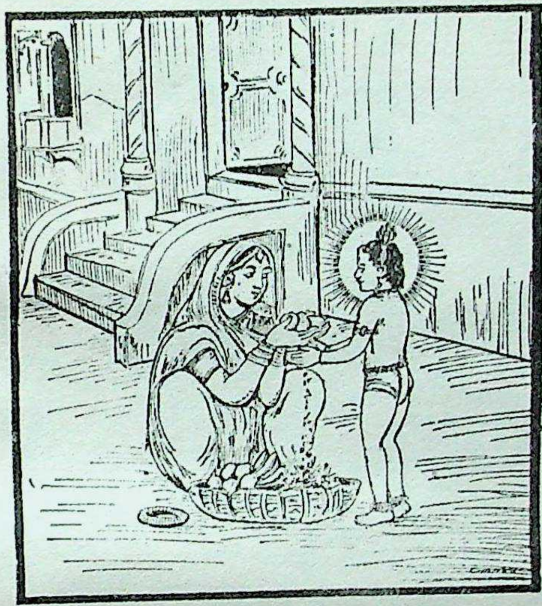

फलवालीपर कृपा

میوہ واجینی بختہ بڈ الکھ نازنین
کرشنہ سمرن اوس تس پوزاتہ دین
پرتھ میوس منز دریٹھو گو تس کرشنہ رنگ
ہوونس تمی موکھ پنن۔ کوتاہ حسین

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation Chandigarh. Funding by IKS-MoE-2025-Grant

Gandhi Memorial College Of Education Bantalab Jammu

چھُ کِرداٗرُک تھزَرٕ وِیوٚد کرٛشنہٕ بھگتَس
تِمِس گیانٕچ تٚپِش پانَس اَندَر مَس
چھِ اوگون تَس نِشے یٚژ دوٗر یٚژ دوٗر
تھوان بھگوَن پُرُش یِتھ سۆتی پانَس

छु किरदारुक थज़र व्योंद कृष्ण भख्तस,
तिमिस ज्ञानुच्य तंपिश पानस श्रन्दर मस।
छि श्रवगुण तस निशे यंच़ दूर यंच़ दूर,
थवान भगवन पुरुष युथ सूत्य पानस ॥

मेव वाज्यंन्य भख्त बंड़ श्रख नाज़नीन,
कृष्ण स्मरण श्रोस तस पूज़ा तु दीन।
प्रथ मेवस मंज़ द्रांठ्य गव तस कृष्ण रंग,
होवनस तंम्य मुख पनुन कोता हंसीन !!

CC-0 Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh. Funding by IKS-MoE 2025-Gran

Gandhi Memorial College Of Education Bantalab Jammu

سورداسس اکرشنہ ابخشتھ گیان دھیان
تشنہ ہردن گوشہ عرفان باگران ؟
کیاہ گژھی کمہ یوّد مبہ تے ساگر کرکھ
لکھ مبہ منزی بیتھ اسہن تارس ترانِ

CC-0 Agamnigam Digital Preservation Foundation Chandigarh Funding by IKS-MoE-2025-Grant

Gandhi Memorial College Of Education Bantalab Jammu

کرکھ یوٗد کرشنہ سودا، کن پنن دل
مگر سودا بنن دوٗن منز چھُ مشکل
کری ما اوِر بھگون بخت بیدار
ملے کر کرشنہ بھگتی بن ژ فاضل

करख योद कृष्णु सोदा 'कुन पनुन दिल,
मगर सोदा बनुन दुन मंज़ छु मुशकिल।
क़री मा ओरु भगवन भक्त बेदार,
मुलय कर कृष्ण भक्ती बन च़ फ़ाज़िल॥

सूरदासम आंनुथ गाश

सूरदासस कृष्णु बनुथ ज्ञान ध्यान,
तस्नु हृदयन गो मु इरफ़ान बागरान।
क्याह गछ़ी कम योद' म्यते मागर करखा।
लुख म्य मंज़ुय युथ प्रास'हन तारस तरान॥

CC-0 Agamnigam Digital Preservation Foundation,Chandigarh.Funding by IKS-MoE-2025-Grant

Gandhi Memorial College Of Education Bantalab Jammu

श्रीकृष्ण-चरण

کرشنہ اچونے نقشہ پا چھم شوژ من

چھس اوے کنی دین ودھیچ وتھ سوان

یئ گران لچھ منزلن ہنز وتھ گڈم

چھیکرس چھس پانہ از منزل بنن

CC-0 Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh. Funding by IKS-MoE-2025-Grant

Gandhi Memorial College Of Education Bantalab Jammu

شری کرشننی چرن سادھن کلس پیٹھ
مگر یارس چھلان پننیو اتھو کھور
یہ کرنس منز تمس حاصل پرسنتا
یہ گو پریمک خلوصک آخری حد

نوٹ:۔ ۱۔ یار: سدآما جیس کن اشارہ ۲۔ پرسنتا: خوشی، مسرت۔

श्रीकृष्णन्यचरण सादन, कलस प्यठ,
मगर यारस छलान पन्न्यव अथव खुर।
यि करनस मंज़ तमिस हासिल प्रसन्नता,
यि गव प्रेमुक, खुलूसुक आखरी हद॥

कृष्णु! चोनुय नक्श' पा छुम श्रूच मन,
छुस अवय किन्य दीन' धर्मुच वथ स्वरन।
यी करान लछ मंज़िलन हुंज़ वथ कडुम,
छेकरस छुस पानु अज़ मंज़िल बनन॥

CC-0 Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh. Funding by IKS-MoE 2025-Grant

Gandhi Memorial College Of Education Bantalab Jammu

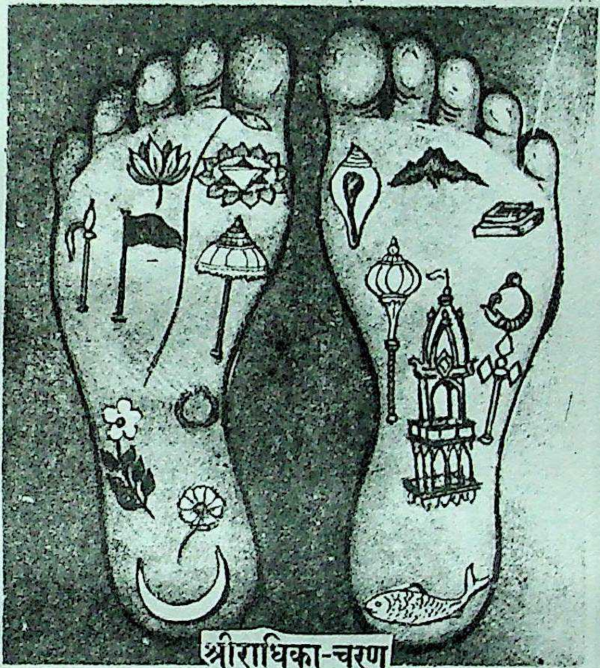

श्रीराधिका-चरण

رادھا چھ آمٕژ کرُشنہٕ وَتو ڈالِہ اَنِن زان
پرتھ منزلس ہیتھ زانہٕ وُنین باگہٕ دِتُن گیان
محرُوم پُہرشن بانہٕ دَین دِیت نہٕ بخش دِل
تِم گاشہٕ نِش یُتر دُور پیمتی اَنی تہٕ پریشان

CC-0 Agamnigam Digital Preservation Foundation Chandigarh Funding by IKS-MoE-2025-Grant

Gandhi Memorial College Of Education Bantalab Jammu

پمپوشہ پاد

ڈالہ شوٗبیا میون دِل مورلی دٚرس
بس یوٗہے پمپوش پھوٗل میانس سٚرس
دل چھُ دل ؛ پمپوشہ پادن ہُند عکس
ڈاۓلِ گذراوِتھ کھورن میوٗٹھ کرس

पंपोशि पाद

डालि शूब्या म्योन दिल मुरलीदरस,
बस योहय पम्पोश फोल म्यांनिस सरस।
दिल छु दिल पम्पोशि पादन हुन्द अक्स,
डांल्य गुज़रांविथ खोरन म्यूठा करस ॥

राधा छि आमुच् कृष्ण वतव, ड्याल अंनिन ज़ान
प्रथ मंज़िलस प्यठ ज़ानुवुन्य न बागि दितुन जान
महरूम पुरुषण बानु, दयन द्युतु नु बखशुन दिल,
तिम गाशिनिश येच् दूर प्यंमति अंन्य तु परेशान

CC-0 Agamnigam Digital Preservation Foundation,Chandigarh.Funding by IKS-MoE-2025-Gran

Gandhi Memorial College Of Education Bantalab Jammu

گیتشیمِس بالکس نش زؠون شریان

پئری چھا! خوٚد چھا! اوتارِ انسان

اُچھن وزٕمل، ڈکس ژندرم موکھس گہ

یہ وُچھتھے کاہہ دیوس ہوش راوان

CC-0 Agamnigam Digital Preservation Foundation,Chandigarh.Funding by IKS-MoE-2025-Grant

۱۶- جو باطل ہے موجود ہوتا نہیں ہے، جو حق ہے نابود ہوتا نہیں ہے

Gandhi Memorial College Of Education Bantalab Jammu

विनाशमव्ययस्यास्य न कश्चित्कर्तुमर्हति ।१७।

अन्तवन्त इमे देहा नित्यस्योक्ताः शरीरिणः । अनाशिनोऽप्रमेयस्य तस्माद्युध्यस्व भारत ।१८

سِری کرِشنا! مَنُک وُیُژ باوُفادِم
پِتا ماتا چھُہَم پرٗمیچ دیادِم
یمَن میانِن گُونَن پھِر امرِتُک سَگ
اَمی سۭتی زٕنمہ پھیُر کاسُم بَقادِم

श्री कृष्ण ! मनुक व्युच बावफा दिम
पिता माता छुह्म प्रमच्य दया दिम
यमन म्यान्यन गुणन फिर अमृतुक सग
अमी सूत्य जन्म फुयर कासुम बका दिम

ग्येशेमिस बालकस निश जून शरमान
परी छा ! हूर छा ! अवतार इन्सान ।
अछन वुजमल, डचकस चन्द्रम मुखस गाह
यि वुछथय कामदीवस होश रावान ॥

2/16

उभयोरपि दृष्टोऽन्तस्त्वनयोस्तत्त्वदर्शिभिः ।१६ अविनाशि तु तद्विद्धि येन सर्वमिदं ततम् ।

नासतो विद्यते भावो नाभावो विद्यते सतः ।

CC-0 Agamnigam Digital Preservation Foundation,Chandigarh.Funding by IKS-MoE-2025-Grant

Gandhi Memorial College Of Education Bantalab Jammu

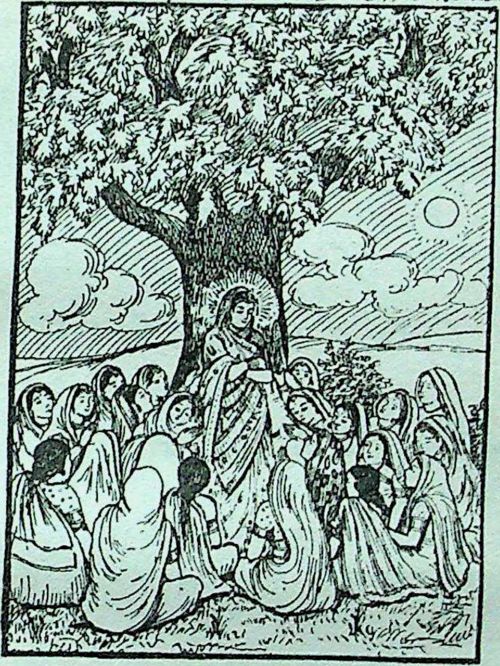

سُمی توِی گوہیوِ شاہِلمارِ ہے تِرو

بالہِ کرِشنَس کرُو پوشہِ پُوزای

پوشہ پُوزا کرِتھ لولہِ شبداہ پَرو ۔ بالہِ کرِشنَس کرُو پوشہِ پُوزای

بالہِ کرِشنَس کرُو پوشہِ پُوزای

———·———

CC-0 Agamnigam Digital Preservation Foundation,Chandigarh.Funding by IKS-MoE-2025-Grant

۱۹ کبھی خون کرتی نہیں آتما ، کبھی خود بھی مرتی نہیں آتما

Gandhi Memorial College Of Education Bantalab Jammu

अजो नित्यः शाश्वतोऽयं पुराणो न हन्यते हन्यमाने शरीरे ॥२०॥

न जायते म्रियते वा कदाचिन्नायं भूत्वा भविता वा न भूयः ।

رۄپ میون اوس مَن ہیٚمی سیتی نار زن

زمہریرکۍ پاٹھۍ شیٚہلوو سوچَنَن

تَن حرارت۔ مَن چھ گیانچ ژینہ وَنۍ

ژینہ وَنۍ گیانچ دِژِم موٗلِ دَرَن

रूप म्योन ओस मनहेमी सृत्य नार ज़न,
ज़महरीरुक्य पाठ्य शेहलोव सोचनन ।
तन हरारत- मन छु ज्ञानुच चेनुवन,
चेनुवन ज्ञानुच दिचुम मोरतीधरन ॥

(वनुवुन

सम्यतवी गूपियव शालुमार हय तरव,
बालकृष्णस करव पोशि पूज़ा १
पोशि पूज़ा करिथ लोलु शब्दाह परव
बालु कृष्णस करव पोशि पूज़ा ॥

1|19

उभौ तौ न विजानीतो नायं हन्ति न हन्यते ॥

य एनं वेत्ति हन्तारं यश्चैनं मन्यते हतम् ।

वेदाविनाशिनं नित्यं य एनमजमव्ययम् । कथं स पुरुषः पार्थ कं घातयति हन्ति कम् ॥

CC-0 Agamnigam Digital Preservation Foundation Chandigarh. Funding by IKS-MoE-2025-Grant

19/2

Gandhi Memorial College Of Education Bantalab Jammu

گوکلس ساری سے زتنہ زولہ کرو۔ جایہ جایہ ہے کرو شندر مس سال
پریمہ سریہہ بانسری لولہ تھاکن برو
بالہ کرشنس کرو پوشہ پوزای

اُلفیچ ہورتھ یتھ شریرس گرو۔ لولہ والبن ڈیو یتھ برن مارے
مایہ ہوت اکھ قدم تل ژوچھ بامرو
بالہ کرشنس کرو پوشہ پوزای

مالہ لوگ پربتس یتھ ہُن مازرو۔ سارنے دل تہ شل اژچھ پوشان
گبونہ لج آیہ جوی۔ نژنہ لگیم سرو
بالہ کرشنس کرو پوشہ پوزای

حسنہ آکاشہ کنی لعل و گوہر جرو۔ تارکن فاضلا شولہ برہاگاش
دلوین گوژھ وُنن پانہ اژ ترا و رو
بالہ کرشنس کرو پوشہ پوزای

CC-0 Agamnigam Digital Preservation Foundation,Chandigarh Funding by IKS-MoE-2025-Grant

Gandhi Memorial College Of Education Bantalab Jammu

गूकुलस सांयंसय ज़ितिनिज़ूलाह करव,
जायि जायि हय करव चंन्दरमस सान।
प्रेयम स्नेह बांसुरी लोलु थालन बरव।
बालु कृष्णस करव पोशि पूजा ॥

उल्फतुच मूरथा यथ शरीरस गरव,
लोलुवाल्यन दंपिव यथ बरिव माय।
मायि हेत अख कदम तुल चु वुछ मा मरव,
बालु कृष्णस करव पोशि पूजा ॥

मेलु लोंग परबतस पथ व्युहुन मा ज़रव,
सारिनय दिल तु शिल अज़ छि तोशन।
ग्यवनि लंज्य आबु जुय नचनि लंग्य यिम सरव,
बालु कृष्णस करव पोशि पूजा ॥

हुसनु आकाशि किन्य लालु गोहर जरव,
तारकन 'फाज़िला' शोलि प्रागाश।
दोवियन गोछ़ बनुन पानु अज़ आवि रव,
बालु कृष्णस करव पोशि पूजा ॥

वासांसि जीर्णानि यथा विहाय
नवानि गृह्णाति नरोऽपराणि।
तथा शरीराणि विहाय जीर्णा-
न्यन्यानि संयाति नवानि देही ॥२२॥
नैनं छिन्दन्ति शस्त्राणि नैनं दहति पावकः।
न चैनं क्लेदयन्त्यापो न शोषयति मारुतः ॥
अच्छेद्योऽयमदाह्योऽयमक्लेद्योऽशोष्य एव च।
नित्यः सर्वगतः स्थाणुरचलोऽयं सनातनः ॥

CC-0 Agamnigam Digital Preservation Foundation,Chandigarh.Funding by IKS-MoE-2025-Grant

Gandhi Memorial College Of Education Bantalab Jammu

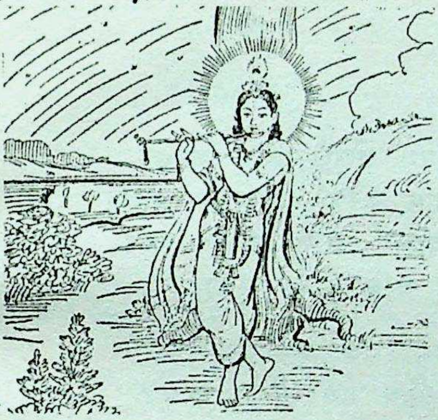

جے جے!

ہنس منز گرزان بانسری ہنز ہوٗد رے
یہ لے بالہ کرشنا چھ چانی ژٕ جے جے

پزیک آلوہ گو وتن منز پیا پے
یہ چانی چھ بڈ مہربانی ژٕ جے جے

دوٗد شرہیہ تہٕ امریت چھ کھاسین برن نے
چھ اتھ سلسبیلچ روانی ژٕ جے جے

ہو کھسن بیٹھ گلاب پانہٕ پریمی ژٕ چھے دے
نہ کنہہ چھے برابر نہ ثانی ژٕ جے جے

دیٔ کم گژھتھ پانہٕ منزل گژھان طے
یمے گوٗن گران پاسبانی ژٕ جے جے

CC-0 Agamnigam Digital Preservation Foundation Chandigarh Funding by IKS-MoE-2025-Grant

اسہ مہاراج کیسو یں اب کیا کہوں ، کہ آثار بدہیں برے ہیں شگون

Gandhi Memorial College Of Education Bantalab Jammu

जय जय

मनस मंज़ ग्रेज़ान बांसुरी हुंज़ मोंदुर लय,
यि लय बाल् कृष्णा छें चानी चे जय जय।

पज़्युक आल्वाह गव वनन मंज़ पयापय,
यि चानी छें ब'ड मेहरबानी चे जय जय॥

दो'दुक स्रेह त् अमृत छें खास्यन बरान नय,
छें अथ सलसबील् च' रवानी चे जय जय॥

मोखस प्यठ गोलाब पान् प्रेमी चे छुय दय,
न कांह छुय बराबर न सानी² चें जय जय॥

दुयी कम गंछ्रिथ पान् मंज़िल गछ़ान तय,
यिमय गुण³ करान पासबानी⁴ चें जय जय॥

नोठ : 1. सोरगुकसर 2. चे ह्यु॒व 3. सिफत
4. र'छ

1|31

निमित्तानि च पश्यामि विपरीतानि केशव ।
न च श्रेयोऽनुपश्यामि हत्वा स्वजनमाहवे ॥ न काङ्क्षे विजयं कृष्ण न च राज्यं सुखानि च
किं नो राज्येन गोविन्द किं भोगैर्जीवितेन वा ।
येषामर्थे काङ्क्षितं नो राज्यं भोगाः सुखानि च । त इमेऽवस्थिता युद्धे प्राणांस्त्यक्त्वा धनानि च

CC-0 Agamnigam Digital Preservation Foundation Chandigarh. Funding by IKS-MoE-2025-Grant

3/\

Gandhi Memorial College Of Education Bantalab Jammu

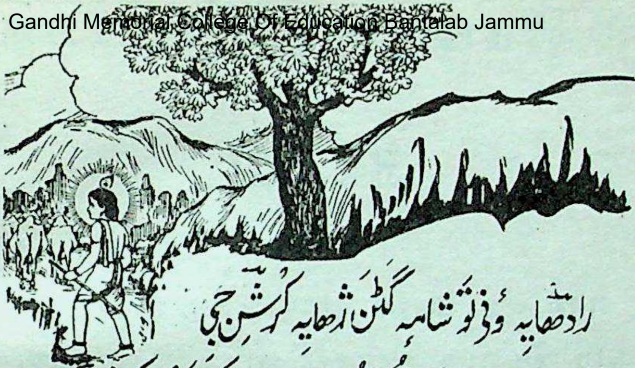

رادھایہ وُنی تو شامہ گٹن اُدھایہ کرشن جی

درشُن چھُہ ہاوان پانہ کمیو ترایہ کرشن جی

تھُنی نقشہ بنی بنی گاشہ ہتھس غازِ برہمن گو

لولس تہ ہردس سرِیہ چھُہ سرمایہ کرشن جی

یتھ جایہ لوکن مایہ لوٗرِت شرہیہ تہ سمت خوٗی

صُلح چھُہ وایان بانسری تتھ جایہ کرشن جی

یتھ کرایہ آتش نارِ تنزر ترِیشہ ہتن لوٗگ

تتھ کرایہ گنگا آبہ شُہل سایہ کرشن جی

فاضلؔ اچھُہ تس تس باگہ تھزر لانہ سبزر تس

یس پرِیمہ سانِے تیرِ نظر لایہ کرشن جی

۴۳ پدر بھی ہیں، دادے بھی استاد بھی، پیر بھی ہیں اور ان کی اولاد بھی

CC-0 Agamnigam Digital Preservation Foundation,Chandigarh.Funding by IKS-MoE-2025-Grant

Gandhi Memorial College Of Education Bantalab Jammu

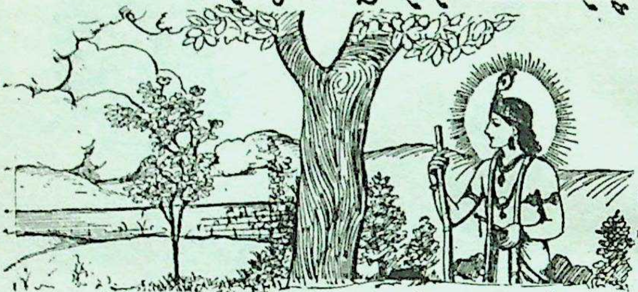

राधायि वनिव शामु गटन छायि कृष्ण जी,
दर्शुन छि दिवान पानु कम्यू वायि कृष्ण जी॥

थंन्य नक्शि बनिथ गाशि बुथिस गाज़ ब्रमन गव,
लोलस तु हृदयस सिरियि छु सरमायि कृष्ण जी॥

यथ जायि लूकन मायिबोरुत स्रोह तु समुत ख्योय
सुलहुच छु वायान बांसुरी तथ्य जायि कृष्ण जी॥

यथ क्रायि भ्रातश नार तचर त्रेशि हत्यन लोग,
तथ क्रायि गंगा अयि शुहुल सायि कृष्ण जी॥

"फाज़िल" छु बखतस बागि थजर लानि स्यजर तस,
यस प्रेमुसानुय तीरि नज़र लायि कृष्ण जी॥

नोट—
वायि=नहजि २ गाज़—पोड़र
३ व्युच—सरमायि

CC-0 Agamnigam Digital Preservation Foundation,Chandigarh.Funding by IKS-MoE-2025-Grant

आचार्याः पितरः पुत्रास्तथैव च पितामहाः। मातुलाः श्वशुराः पौत्राः श्यालाः संबन्धिनस्तथा॥ एतान्न हन्तुमिच्छामि घ्नतोऽपि मधुसूदन। अपि त्रैलोक्यराज्यस्य हेतोः किं नु महीकृते॥ निहत्य धार्तराष्ट्रान्नः का प्रीतिः स्याज्जनार्दन। पापमेवाश्रयेदस्मान्हत्वैतानाततायिनः॥३६॥

Gandhi Memorial College Of Education Bantalab Jammu

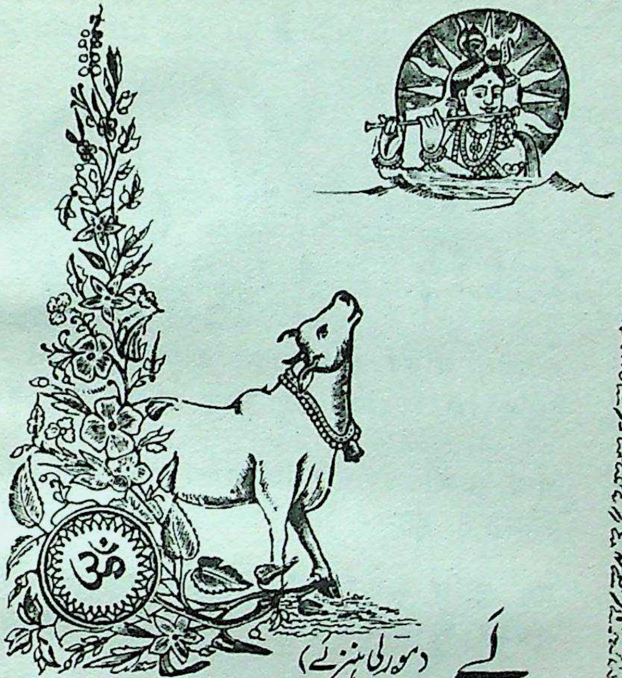

لَے (دمعورلی ہنزلے)

یام شہٕ دیُت کرشنہٕ اوتان نیٔ
جے ہری کوٗر زنگتہٕ سمسارن دیٔ
اَزتہٕ زانِتھ یا نہٕ زانِتھ گہ بیگھہ[1]
کُل دُنیی حےَ تھوٗنِتھ کَن تتھ لیٔ

---

[1] یُس کہنہ چیز زِند چھُ مثلن حیوانات، نباتات تہٕ جمادات بیتر۔

CC-0 Agamnigam Digital Preservation Foundation,Chandigarh,Funding by IKS-MoE 2025-Grant

۳۷- یہ دھرتی آسمان کے جو چیز زندہ ہیں یہ مادھو سب اپنے جلوہ بند ہیں

Gandhi Memorial College Of Education Bantalab Jammu

کرشنہ مُرلی پرتھ زمانس منز وزان

یم چھ بوزان تم چھ بارنی ہوی بنان

یا الٰہی یوت تاثیر چھا شہس

تفرِقک ول حل چھ اقوامن گژھان

कृष्ण मुरली प्रथ ज़मानस मंज़ वज़ान,
यिम छि बोज़ान तिम छि बार्न्य हिव्य बनान।
या इलाही ! यूत तासीर छा शहस !
तफ़रिकुक वल हल छु अकवामन गछान ॥

याम शह द्युत कृष्ण अवतारन नये
"जय हरी" को'र ज़गत संसारन दये ।
अज़ ति ज़ानिथ या न ज़ानिथ गहबेगह[1]
"कुल्लुशयुनहय"[2] थविथ कन तथ लये[3] ॥

नोठ । 1 गहबेगह— कुनि कुनि विज़ि
2 'कुल्लुशयुनय'— यि छाह ज़िन्दह छु
3 लये— आवाज़

कथं न ज्ञेयमस्माभिः पापादस्मान्निवर्तितुम् । कुलक्षयकृतं दोषं प्रपश्यद्भिर्जनार्दन ॥३९॥

तस्मान्नार्हा वयं हन्तुं धार्तराष्ट्रान्स्वबान्धवान् ।
स्वजनं हि कथं हत्वा सुखिनः स्याम माधव ॥ यद्यप्येते न पश्यन्ति लोभोपहतचेतसः ।

CC-0 Agamnigam Digital Preservation Foundation,Chandigarh.Funding by IKS-MoE-2025-Grant

Gandhi Memorial College Of Education Bantalab Jammu

ذرا بانسُری تُل!

گُپ لالا پھولن گُل ۔ ذرا بانسری تُل
ژ بہ پیارا چھ بُلبُل ۔ ذرا بانسرِ تُل!

ژ پیر یمک تہ لُوک مُجسّم مُجسّم
فِدا چھی ژ بہ کم کم ۔ ذرا بانسرِ تُل!

نبس پیٹھ سُلی کو تمنّا ستارو
قدم تھو قدم تھو ۔ ذرا بانسرِ تُل!

ژ بہ پرتو مبہ ترووتھ مگر ژھا آیہ ژھائے
گُجس چانہ مائے ۔ ذرا بانسرِ تُل!

---

۱. ذرا = ہنہ ۲. نب = آسمان ۳. تمنّا = شوق ۴ پرتو = جلو

CC-0 Agamnigam Digital Preservation Foundation,Chandigarh.Funding by IKS-MoE-2025-Grant

یم قبیلہ فنا گر کوئی ہو گیا قدیمی وہ دھرم اس کا سب کھو گیا

Gandhi Memorial College Of Education Bantalab Jammu

कुलक्षये प्रणश्यन्ति कुलधर्माः सनातनाः । धर्मे नष्टे कुलं कृत्स्नमधर्मोऽभिभवत्युत ॥४०॥ अधर्माभिभवात्कृष्ण प्रदुष्यन्ति कुलस्त्रियः । स्त्रीषु दुष्टासु वार्ष्णेय जायते वर्णसङ्करः ॥४१॥ सङ्करो नरकायैव कुलघ्नानां कुलस्य च । पतन्ति पितरो ह्येषां लुप्तपिण्डोदकक्रियाः ।

बाँसुरी तुल

गुपाल ! फ़ोलन गुल, ज़रा बांसुरी तुल,
चे़ प्रारान छ़ि बुलबुल, ज़रा बांसुरी तुल।

च़ प्रेयमुक तु लोलुक मुज्ज़सम मुज्ज़सम,
फ़िवां छी चे़ कम कम, ज़रा बांसुरी तुल।

नवस प्यठ सुली कोर तमन्ना[2] सितारो,
कदम थव कदम थव, ज़रा बांसुरी तुल।

चे़ परतव[3] म्य ओवुय मगर छ़ायि छ़ाये,
गंजिस चानि माये, ज़रा बांसुरी तुल॥

नोट :— 1. कोरबान 2. :— यछ़ा 3.— जलव

1140

CC-0 Agamnigam Digital Preservation Foundation,Chandigarh.Funding by IKS-MoE-2025-Grant

Gandhi Memorial College Of Education Bantalab Jammu

گٔلَن منٛز ہُرِ بہٕ گوٗ یتھ کاشرِ وٚلِ
اُچھن میلتو مُلی، ذَرا بانٛسرِ تُل!

یمَن گوپیَن منٛز ژٕ بہٕ موٗرلی دِتھ شُہ[1]
تِمو کوٗر دُیُ لہٕ[2]، ذَرا بانٛسرِ تُل!

ژٕ بالک اوٗ سنتھا، ژٕ بہٕ شوبھا چھُ عظمتھ
ژٕ گٔنٛج حقیقتھ، ذَرا بانٛسرِ تُل!

کُنِش ہِش کُنِش چھے ژٕ بہٕ اَتھ بالہِ پانٕس
ژٕ مرکز[3] جہانٕس، ذَرا بانٛسرِ تُل!

دِماہ سانہِ بہیتو امہٕ تھوٗو اَز لوٗتھ[4] وِل
چھُ فاضِل ژٕ بہٕ مایِل، ذَرا بانٛسرِ تُل!

۱۔ شُہ = پھوکھ ۲۔ لہٕ = لَہ = لَا = اِنکار ۳۔ مرکز = اوٗہوکھ ۴۔ لوٗتھ = لِوتھ دوٗتھ

CC-0 Agamnigam Digital Preservation Foundation,Chandigarh.Funding by IKS-MoE-2025-Grant

۴۔ہم قبیلوں کو غارت کریں جو بشر، ہوں وہ ان کے پاؤں سے زیر و زبر

Gandhi Memorial College Of Education Bantalab Jammu

गटन मंज हुरचर गव यितो गाशरो वॅल्य,
अॅछन मेलतो मॅल्य, ज़रा बांसुरी तुल।

यिमन गूपियन मंज़ चॆ मोरली वितुथ शह,
तिमव कोर दुयी लह[1], ज़रा बांसुरी तुल।

चॆ बालक अवस्था, चॆ शोबा छय अज़मथ[2]
चॆ जगतॖच हकीकत, ज़रा बांसुरी तुल।

कॅशिश हिश कॅशिश छय चॆ अथ बाल पानस,
चॆ मरकज़ जहानस, ज़रा बाँसुरी तुल।

दमाह सानि बेहतो, मे थोवमय लिविथ दिल,
छु 'फ़ाज़िल' चॆ मायिल, ज़रा बाँसुरी तुल॥

नोट :— 1. इनकार 2. बजर

1743

अहो बत महत्पापं कर्तुं व्यवसिता वयम्। यद्राज्यसुखलोभेन हन्तुं स्वजनमुद्यताः॥

दोषैरेतैः कुलघ्नानां वर्णसंकरकारकैः।

उत्साद्यन्ते जातिधर्माः कुलधर्माश्च शाश्वताः॥ उत्सन्नकुलधर्माणां मनुष्याणां जनार्दन।

CC-0 Agamnigam Digital Preservation Foundation,Chandigarh.Funding by IKS-MoE-2025-Grant

Gandhi Memorial College Of Education Bantalab Jammu

مَنزلی پاٹھ

آلہٖ - نابد - زیر - بادم چھیکیو
لولہٖ بَرِتھیو کرشنہٖ لالو اَز ولو
دَرشُنک وأنسَن مبہ رُودُم آرزو
لولہٖ برتھیو کرشنہٖ لالو اَز ولو

ہَی تہ یمبرزَل نہٖ جافری تہٕ گلاب
یاسمن، پمپوش، وِری کَیمی، آفتاب — گل آفتاب
یم دِین کری پادٕ تم گل لاگیو
لولہٖ برتھیو کرٕ لالو اَز ولو

دوسرا ادھیائے

سن جے نے کہا

۱-جو ارجن کا دیکھا یہ رنج و ملال، غم و سوز دل میں طبیعت نڈھال

CC-0 Agamnigam Digital Preservation Foundation Chandigarh Funding by IKS-MoE-2025-Grant

Gandhi Memorial College Of Education Bantalab Jammu

मॉल्, नाबद, चेर, बादाम, छिकयो
लोलु बर्यत्यो कृष्णु लालो ग्रज़ वुलो।
दर्शनुक वांसन में रुदुम आरिज़ो,
लोलु बर्यत्यो कृष्णु लालो ग्रज़ वुलो॥

ही तु यम्बरज़ल तु जाफ़ुर्य तय गुलाब,
योसमन, पम्पोश, विरिकैंम्य आफ़ताब,
यिम दयन कर्य पोद् गुल तिम लागयो,
लोलु बर्यत्यो कृष्णु लालो ग्रज़ वुलो॥

अथ द्वितीयोऽध्यायः

संजय उवाच

तं तथा कृपयाविष्टमश्रुपूर्णाकुलेक्षणम् ।
विषीदन्तमिदं वाक्यमुवाच मधुसूदनः ॥ १ ॥
कुतस्त्वा कश्मलमिदं विषमे समुपस्थितम्
अनार्यजुष्टमस्वर्ग्यमकीर्तिकरमर्जुन ॥ २ ॥
क्लैब्यं मा स्म गमः पार्थ नैतत्त्वय्युपपद्यते ।
क्षुद्रं हृदयदौर्बल्यं त्यक्त्वोत्तिष्ठ परंतप ॥

CC-0 Agamnigam Digital Preservation Foundation,Chandigarh Funding by IKS-MoE-2025-Grant

Gandhi Memorial College Of Education Bantalab Jammu

ہیانہ وآرن سپنہ کہن ہنجرن اندر
اکھ دپلج کوہُر چھ پھٹمژ زن کھنڈر
چانہ باپتھ چھم رلوتھ ٹھوژ ہیہ دو
لولہ ہُرتیو کرشنہ لالو اژ ولو

سِریہ ہوکھ تہ ندرم ڈیکس تاہ لکھ جبرتھ
ہرنہ چشمن زن ژیہ چھے امرِت بُرتھ
دِل چھو لیم گاہے ژیہ ہتم روبرو
لولہ ہُرتیو کرشنہ لالو اژ ولو

چانہ وہرے گوکلکی منزل ژھنڈم
دُنی دِم جمنایہ بھٹی بھٹی پے ٹھوم
در اصل چھم یس ہیہ چھونے جستجو
لولہ ہُرتیو کرشنہ لالو اژ ولو

ارجن کا جواب

CC-0 Agamnigam Digital Preservation Foundation,Chandigarh.Funding by IKS-MoE-2025-Grant

۲۔ وہ بولا کہ اے فاتح دشمناں مدھو بار! مجھ سے یہ ہو گا کہاں۔

Gandhi Memorial College Of Education Bantalab Jammu

न चैतद्विद्मः कतरन्नो गरीयो यद्वा जयेम यदि वा नो जयेयुः।

गुरूनहत्वा हि महानुभावान् श्रेयो भोक्तुं भैक्ष्यमपीह लोके।

म्यानि वारान सोनुस्यन पंजरन अन्दर,
अख दिलुच कुठरछि फुटमुच जन खण्डर।
चानि बापथ छम लिविथ थवमच मे-दो,
लोलु बर्यत्यो कृष्णु लालो अज वुलो॥

सिरियि मुख चन्दरम इचकस तारख जरिथ,
हरणु चशमन जन च्रे छुय अमृथ बरिथ।
दिल फ्रोल्यम गाहे चु बिहतम रोबरो,
लोलु बर्यत्यो कृष्णु लालो अज वुलो॥

चानि बेरे गूकलक्य मंज़िल छ्ंडिम
वन्य दितिम जमनायि बठ२ पय२ थविम
दर असल छुम बस मि च्योनुय जुस्तजो,
लोलु बर्यत्यो कृष्णु लालो अज वुलो॥

नोट— १ आबे हयात २ तलाश

कथं भीष्ममहं संख्ये द्रोणं च मधुसूदन।
इषुभिः प्रति योत्स्यामि पूजार्हावरिसूदन ॥४॥

यानेव हत्वा न जिजीविषाम-स्तेऽवस्थिताः प्रमुखे धार्तराष्ट्राः ॥६॥

CC-0 Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh. Funding by MoE-2025-Grant

Gandhi Memorial College Of Education Bantalab Jammu

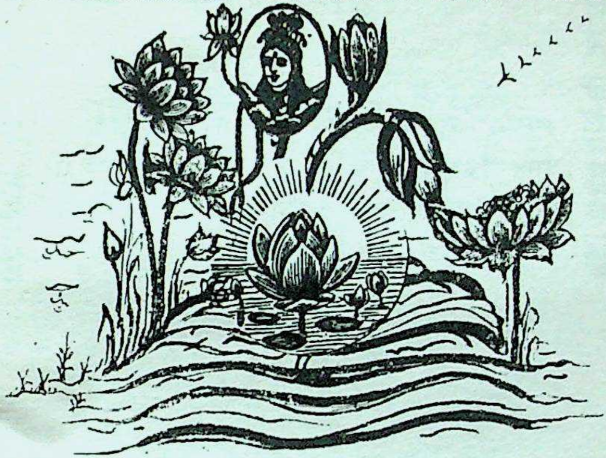

سالہِ ہیتو!

کرِشنہٕ گوپالہٕ! دَماہ سالہِ ہیتو　　سَرِیہ میشالہِ دَماہ سالہِ ہیتو

ہیانہِ امارِ! چھ مُشکل بے ژٕرتجِ　　وہتی کوٗوو ژالہِ دَماہ سالہِ ہیتو

انتظارٕ، بے قرارٕ پیر البس　　نہ کمس کھالہِ دَماہ سالہِ ہیتو

بانسرٕی تُل! ازن وَسن ہیتھ سلسبیل　　اَسی بَرِ ویالہِ دَماہ سالہِ ہیتو

فاضلَن تھوو مَن سجاوتھ بس ژٕ یہ کیت

از سُلی کالہِ دَماہ سالہِ ہیتو

CC-0 Agamnigam Digital Preservation Foundation,Chandigarh.Funding by IKS-MoE-2025 Grant

طبیعت ہے کمزور دل نرم ہے　یہ الجھن ہے اب کیا مرا دھرم ہے

Gandhi Memorial College Of Education Bantalab Jammu

साल् यितो

कृष्ण' गूपाल्'! दमा साल यितो,
सिर्य मीसाल् दमाह साल् यितो।

म्यानि अमार् ! छे मुशकिल बेरुखी,
वोन्य कवो चाल्,दमाह साल् यितो।

इन्तिज़ारी, बेकरारो प्रालबस,
राह कंमिस खाल्',दमाह साल् यितो।

बांसुरी तुल ज़न वसन हथ सलसंबील,
अस्य बरव प्याल् ,दमाह साल यितो।

"फ़ाजिलन" थौव मन सजांविथ बस चे क्युत
अज़ सुली काल्,दमाह साल यितो।

नोट : 1. नसाब, तकदीर, 2. बर्गुक सर

2/7

संजय उवाच

एवमुक्त्वा हृषीकेशं गुडाकेशः परंतप । न योत्स्य इति गोविन्दमुक्त्वा तूष्णीं बभूव ह ॥

कार्पण्यदोषोपहतस्वभावः पृच्छामि त्वां धर्मसंमूढचेताः ।
यच्छ्रेयः स्यान्निश्चितं ब्रूहि तन्मे शिष्यस्तेऽहं शाधि मां त्वां प्रपन्नम् ॥७॥

न हि प्रपश्यामि ममापनुद्याद् यच्छोकमुच्छोषणमिन्द्रियाणाम् ।
अवाप्य भूमावसपत्नमृद्धं राज्यं ॥८॥

CC-0 Agamnigam Digital Preservation Foundation Chandigarh Funding by IKS-MoE-2025-Grant

Gandhi Memorial College Of Education Bantalab Jammu

ہبہ کُن وچھ

رادھایہ بٔرِی پیالہِ ژٕہ گوپالہِ ہبہ کن وچھ!

اَز کالہِ یزٕہم سالہِ دٕماہ لالہِ ہبہ کُن وچھ!

ہورلی دِ کینٔے بُشہ[1] تہ گلَن پھیر پٔنٕ رَنگ

بُلبُل ژٕہ کرَن یوسمَن مالہِ ہبہ کُن وچھ!

تَن نٔھنی تہ بُتھس جلوٕ، اُچھن سیٚچھر ڈٕکس گہ[2]

زَن ہربہ ژٕہ موضوعہ گُرتھ[3] نالہِ ہبہ کُن وچھ!

۱- بھوکھ

۲- گاش

۳- دآیرہ۔ حلقہٕ

CC-0 Agamnigam Digital Preservation Foundation Chandigarh Funding by IKS-MoE-2025-Grant

Gandhi Memorial College Of Education Bantalab Jammu

न त्वेवाहं जातु नासं न त्वं नेमे जनाधिपाः । न चैव न भविष्यामः सर्वे वयमतः परम् ॥१२॥

सेनयोरुभयोर्मध्ये विषीदन्तमिदं वचः ॥१०॥ श्रीभगवानुवाच अशोच्यानन्वशोचस्त्वं प्रज्ञावादांश्च भाषसे ।

मे कुन वुछ

राधायि बरी ग्याल¹ चे गूपाल' मे कुन वुछ
अज काल यिच्यम साल' दमाह लाल' मे कुन वुछ

मोरली दि कुनुय शह त गुलन फेरि पनुन रंग
बुलबुल चे करन यासमनन माल' मे कुन वुछ

तन थन्य त बुथिस जलव', अछन सेहर, उपकस गाह
जन सिरियि चे मोसूम करिथ हाल' मे कुन वुछ

नोट : 1. गाश 2. थालव-थालव (थाल सूत्य)

CC-0 Agamnigam Digital Preservation Foundation,Chandigarh. Funding by IKS-MoE-2025-Grant

Gandhi Memorial College Of Education Bantalab Jammu

گوکُل بہٕ نِمتھ شامہٕ گٔژھن ژھایہٕ وَندے زوٗ

بادم تہٕ خفر، آلہٕ چھکے نفالہٕ مہٕ کُن وچھ!

اَزچانہٕ کلے ڈھانہٕ وٗذھے ملہٕ بُرتھ چھمم

دامہٕ ژٕ اگر چھکھ تہٕ بہٕ سنبھالہٕ مہٕ کُن وُچھ!

دٕروازٕ تھاوِے وُتھی تہٕ ژٕ بہٕ یپرتھ جایہٕ کرے زوٗل[۲]

لوٗ خونہٕ جگر ہارہٕ، شمع زالہٕ مہٕ کُن وُچھ!

یوٗ دلاگہٕ بُکرِی دوٗر[۳] تہٕ سمے گیلہٕ مہٕ وُچھی وچھ

کنہٕ وایہٕ کرُن چھمنہٕ رٔٹتھ نالہٕ مہٕ کُن وُچھ!

چھِے وکنہٕ گُنڈتھ دٕری تہٕ ژٕ بہٕ گوپی چھہٕ غزلخوانِ

زٕنہٕ ہرنہٕ کھیلس منزنہٕ دٕرتھ ژھالہٕ مہٕ کُن وُچھ!

کمہٕ مایہٕ چھہٕ فاضل ژٕ سری کرشنہٕ نظر تُل

آسُن تہٕ آسُن بہٕ ژٕ بہٕ یتھ گالہٕ مہٕ کُن وُچھ!

۱- زوٗل = چراغاں ۲- بُکرِی دوٗر = گستاخ۔

CC-0 Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh Funding by IKS-MoE-2025 Grant

Gandhi Memorial College Of Education Bantalab Jammu

गोकुल बं निमथ श्याम गटन छ़ायि वंदय ज़ुव
बादम तॖ ख'ज़ुर ऑलॖ' छकय थालॖ² में कुन वुछ

अज़ चानि कले ठामॖ वछ़य मलरि बंरिथ छम
दामाह चॖ अगर चख़ तॖ बं सम्बालॖ में कुन वुछ

दरवाज़ॖ थवय व'थ्य तॖ' चे़ हर जायि करय ज़ूल
बो खूनि जिगर हारॖ' शमह ज़ालॖ में' कुन वुछ

यॊद लागि बुकॖर्य वॊर तॖ समय गेलि में वुछ-वुछ
कांह वायि करुन छुमनॖ रटथ नालॖ में कुन वुछ

छय विगनि गंडिथ दॆर्य तॖ चे़ गूपी छि गज़ल खां
ज़ांह हरनॖ खेलिस मंज़ नॖ विचथ छ़ालॖ में कुन वुछ

कम मायि छु "फ़ाज़िल" तॖ श्री कृष्णॖ' नज़र तुल
आसुन तॖ नं आसुन बं चे़ पथ गालॖ', में कुन वुछ

2/13

देहिनोऽस्मिन्यथा देहे कौमारं यौवनं जरा ।
तथा देहान्तरप्राप्तिर्धीरस्तत्र न मुह्यति ॥१३॥
मात्रास्पर्शास्तु कौन्तेय शीतोष्णसुखदुःखदाः ।
...॥१४॥
यं हि न व्यथयन्त्येते पुरुषं पुरुषर्षभ ।
समदुःखसुखं धीरं सोऽमृतत्वाय कल्पते ॥१५॥

CC-0 Agamnigam Digital Preservation Foundation,Chandigarh.Funding by IKS-MoE-2025-Grant

Gandhi Memorial College Of Education Bantalab Jammu

گُلالہ!

گلالا! ذرا بل! گُپالنہٕ دہٕرے چھے

جِگر چھل، جِگر چھل! گُپالنہٕ دہٕرے چھے!

ژٕ بہ چھے داغ سینس، ہہ دُکھ چھم دِلس چھم

یہ مُشکل ژٕ کر حَل! گُپالنہٕ دہٕرے چھے!

وۄزِج نارٕ بُہیہ ہِش ژٕ لاگِتھ قباچھکھ

شہزادہٕ رہ وَل! گُپالنہٕ دہٕرے چھے!

ژٕ بُہیہ ہسولَن منزٕ، ژٕ پادا اسُمت کر

گُنہٕ اُلفیچ کَل! گُپالنہٕ دہٕرے چھے!

گُپالا! یمِن سینہٕ دُدی آخ رٕو دِکھ

تُلکھ ہَل تُلکھ ہَل! گُپالنہٕ دہٕرے چھے!

—-—

CC-0 Agamnigam Digital Preservation Foundation Chandigarh Funding by IKS-MoE-2025 Grant

Gandhi Memorial College Of Education Bantalab Jammu

गुलाला !

गुलाला ! ज़रा बल, गुपालुन्य द्रूय छय
जिगर छल, जिगर छल, गुपालुन्य द्रूय छय।

चे़ छुय दाग़ मीनस म्य दुख छुप, दिलस छुम
यि मुशकिल च़ु कर हल, गुपालुन्य द्रूय छय।

वोज़ुज नार ब्रेंह हिश च़ु लॉगिथ कबा छुख,
शिहिज चादराह वल, गुपॉलुन्य द्रूय छय।

च़ु बेंह मसवलन मंज़, च़ु हॉसिल समुत कर
गंन्यर उल्फ़तुच कल, गुपालुन्य द्रूय छय।

गुपाला ! यिमन सोनु दॅद्य श्राख रूदिख,
तुलुख मल, तुलुख मल, गुपालुन्य द्रूय छय।

2/25

जातस्य हि ध्रुवो मृत्युर्ध्रुवं जन्म मृतस्य च। तस्मादपरिहार्येऽर्थे न त्वं शोचितुमर्हसि ॥२७॥

अथ चैनं नित्यजातं नित्यं वा मन्यसे मृतम्। तस्मादेवं विदित्वैनं नानुशोचितुमर्हसि ॥२५॥

अव्यक्तोऽयमचिन्त्योऽयमविकार्योऽयमुच्यते।

CC-0 Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh. Funding by IKS-MoE 2025-Grant

25/2

Gandhi Memorial College Of Education Bantalab Jammu

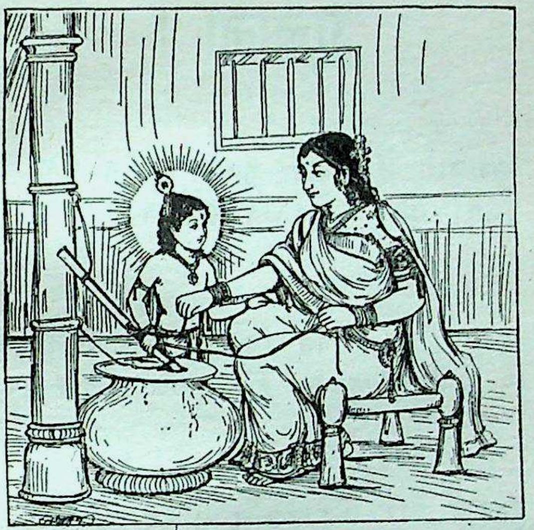

تھنی ژوار ہیمیس گورِ کھینیتھ کرشنہ گپالا
تَس کھرنہٕ ڈیکس دٕرہ تہ دِلس گونہٕ ملالا
ماتایہ ژٕرہ ہوصوہٕ ووٚنے لفظِ " مکھن چورٕ "
اَچھ یتھنہٕ لگی بالکا ! اچھکھ حُسنِ کمالا

نوٹ:-
۱۔ تھنی = مکھن ۲۔ گورِ = گوری بای ۳۔ دٕرہ کھینی = ملالہ گژھن ۴ چورٕ = چور
۵۔ اَچھ لگنی = جسم بد لگنی۔ ۶۔ حُسنِ کمال = Beauty Incarnate

CC-0 Agamnigam Digital Preservation Foundation Chandigarh Funding by IKS-MoE-2025-Grant

Gandhi Memorial College Of Education Bantalab Jammu

اندس پیٹھ تمے لُکھ مبہ واصِل گژھان
یِمن ہُنز عِبادت خلوصُک نشان
نہ تھاوَن طمع، دِیے، نہ ژکھ، مَن ہِمی
بہ تھاوے سو کھس منز تہند جسم و جان
کرشن (گیتا ۲۲/۹)

अंदस प्यठ तिमय लुख मे वासिल गछान,
यिमन हुंज़ इबादत-खलूसुक निशान।
न थावन तमाह, दुय, न च़रख, मन ह्मी ;
बं थावय सोरबस मंज़ तिहुंद जिस्मु जान॥

धन्य चूरि यमिस गोरि स्ययथ कृष्ण गोपाला,
तम खंच न डयकस द्रुह तु दिलस गत्र नु मलाला।
मातायि चें मोसूम वेंतुय लफ़ज़ि "मखन चोर",
ग्रंछ युथ नु लगी बालुका! छुस हुसनि कमाला।

2/49

दूरेण ह्यवरं कर्म बुद्धियोगाद्धनंजय ।
बुद्धौ शरणमन्विच्छ कृपणाः फलहेतवः ॥४९॥ बुद्धियुक्तो जहातीह उभे सुकृतदुष्कृते ।
कर्मजं बुद्धियुक्ता हि फलं त्यक्त्वा मनीषिणः । जन्मबन्धविनिर्मुक्ताः पदं गच्छन्त्यनामयम् ॥

CC-0 Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh. Funding by IKS-MoE-2025-Grant

Gandhi Memorial College Of Education Bantalab Jammu

تھنٛ ژوٗر

گٔبو، دود تہٕ گرٕس کیاز ژٕنہ اندیشہٕ کٔرتھ چوتھ بھگوانہٕ! یہنٛدٕ باگہ بوٗزِت شیٖہجار لگن دوت زوٗ منگتہٕ، جگر منگتہٕ ژٕ رٗح منگتہٕ دل وجان ہوٚصوٚہ لگے کیاز اسی ژوٗرِ مکھن کھیوتھ!

۱۔ اندیشہٕ کٔرتھ = کھوٗژی کھوٗژی ۲۔ رٗح = آتما ۳۔ مکھن = تھنٛ

CC-0 Agamnigam Digital Preservation Foundation Chandigarh.Funding by IKS-MoE-2025-Grant

Gandhi Memorial College Of Education Bantalab Jammu

پرکھ یوٗد کرشنہ لیلا گیان لارِ

اہنکارُک یوٗہے سیماب مارِ

یہ حاصل گوٗی تہ سپدکھ کیمیاگر

یوٗہے گوٗن ساگرن منز تارِ تارِ

परख योंद कृष्ण लीला ज्ञान लारी ;
अहंकारुक योहय सीमाब मारी ।
यि हासिल गोंय तु सपदख कीमयागर ,
योहय गोण सागरन मंज़ तार तारी ॥

गयव, दुद, तु गुरुस क्याज़ि छुं अंदेश करिथ चोथ,
भगवानु ! युहुंद बागि ओसुत शेंहजार लुकन वोत।
जुव मंगत ,जिगर मंगतु, च रुह मंगतु दिलो जान,
मोसूम ! लगय क्याज़ि असी चूरि मक्खन ख्योथ ॥

2/28

अव्यक्तादीनि भूतानि व्यक्तमध्यानि भारत । अव्यक्तनिधनान्येव तत्र का परिदेवना ॥२८॥
आश्चर्यवत्पश्यति कश्चिदेनमाश्चर्यवद्वदति तथैव चान्यः ।
आश्चर्यवच्चैनमन्यः शृणोति श्रुत्वाप्येनं वेद न चैव कश्चित् ॥२९॥
देही नित्यमवध्योऽयं देहे सर्वस्य भारत । तस्मात्सर्वाणि भूतानि न त्वं शोचितुमर्हसि ॥

CC-0 Agamnigam Digital Preservation Foundation Chandigarh. Funding by IKS-MoE-2025-Grant

Gandhi Memorial College Of Education Bantalab Jammu

کران پوزا کرشن جی دوستانس
ہشر تس ہشر یارس تہ یارس
سداما اکھ فقیراہ تے کرشن شاہ
مگر وچھتو یمن دون منز فرق چھا
وفاداری، دیانت، نیک سیرت
تمامن باگراون پوز محبت
خلوصک شریہہ تہ جذبچ جاذبیت
کرشن جی چھے کران داسن عنایت
اکتھکن نے مہابھارت بییتھکن!
اکتھکن تھنی قتل، غارت بییتھکن!
چھ دوشونی منز دوان مکتی سہ لوکن
یتھے بخشاں ست آگاہی چھ بھگون
بجر گوی تہ عرفانک تھزر ی
تھوں قائم یتھی گون چھے کرشن جی

करान पूजा कृष्ण जी दोस्तानस ,
हिशर तस निश—हिशर यारस तु यारस ।
सुदामा अख फ़कीराह तय कृष्ण शाह ,
मगर वुछतव यिमन दोन मंज़ फ़रक छा ।

वफ़ादारी, दियानत, नेक सीरत ,
तमामन बोगरावान पोंज़ मुहब्बत ।

खुलूसुक श्रेह तु जज़बुच जाज़िबियत,
कृष्ण जी छुय करान दासन अनायत ।

अकिथ कुन 'नय'—महाभारत बियिथ कुन,
अकिथ कुन 'थन्य'—कतल, गारत, बियथकुन,

छु दोश्वन्य मंज़ दिवान ओदार लूकन ,
यिथय बखशान सत आगाही छु भगवन ।

बजर गव ई तु ईफ़ानुक थजर ई ।
थवान काइम यिथी गुण छुय कृष्ण जी ।

CC-0 Agamnigam Digital Preservation Foundation,Chandigarh.Funding by IKS-MoE-2025-Grant

Gandhi Memorial College Of Education Bantalab Jammu

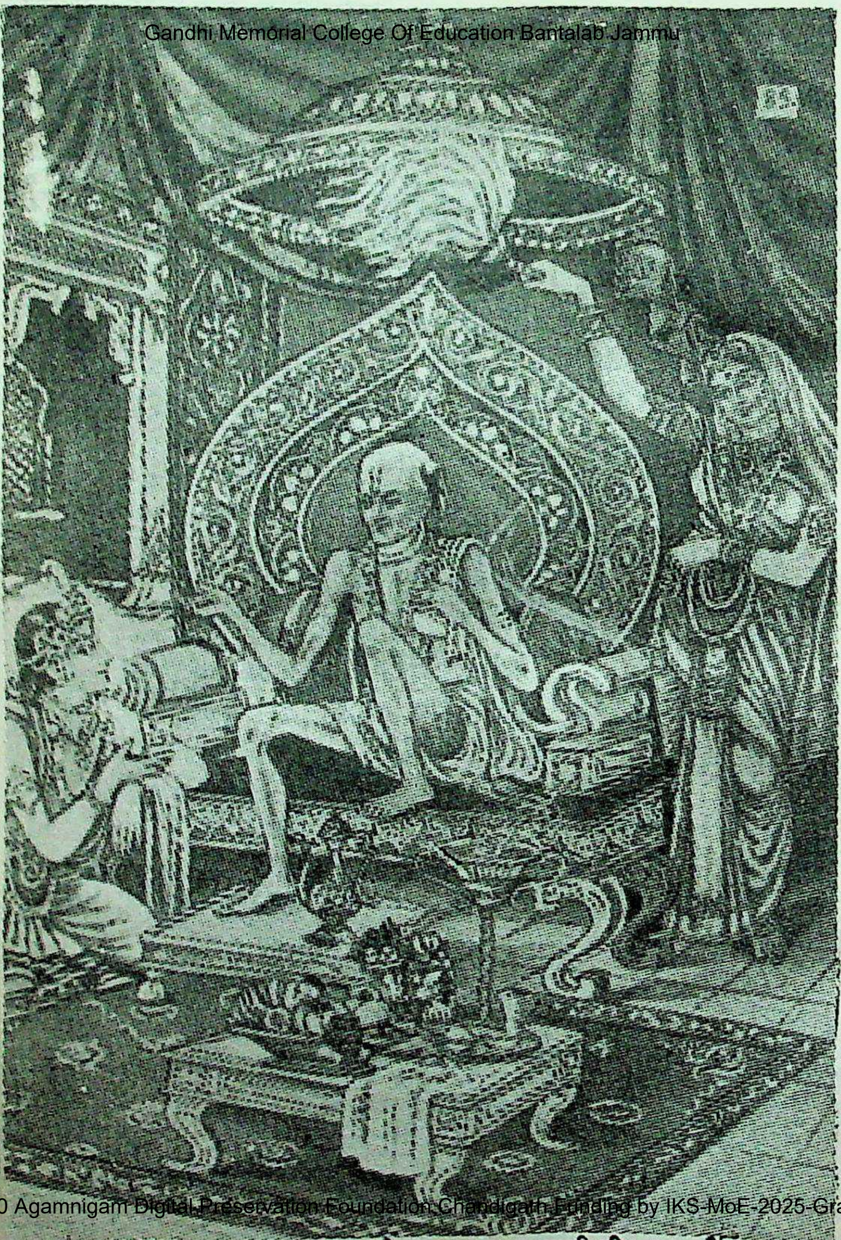

CC-0 Agamnigam Digital Preservation Foundation Chandigarh Funding by IKS-MoE-2025-Grant

भगवान्‌ने स्वयं पूजनकी सामग्री लाकर सुदामाजीकी पूजा की।

Gandhi Memorial College Of Education Bantalab Jammu

कृष्ण

کرشن سُداما

کرشن مہراج اَکھ بالک اَوستھا
میتر اوس بالہٕ پانک تَس سُداما

یمن اوس شُرِ لہ منز یارانہٕ یارِز
کران تنتھ پیٹھ رشکہٕ آس یانہٕ یارِز

سُداما عمرِ منز برونہہ کُن پکان گئے
کرشنِ اوتار تَس پیٹھ الیشور دُئے

سُداما اَکھ گرہستی سادھ بلکل
کرشنِ اوتار: مہراج ہاکہِ کُل

کرشن اوتار گو مشہورِ عالم!
یوان آسی درشنس تَس سادھ کم کم!

کرشن سُداما قصہٕ چھ پزِ دوستی تہٕ یاداوٲری ہُند اَکھ تاریخی تہٕ یوشون اَنہٕ اُپو

CC-0 Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh Funding by IKS-MoE 2025-Grant

Gandhi Memorial College Of Education Bantalab Jammu

अथ चेत्त्वमिमं धर्म्यं संग्रामं न करिष्यसि। ततः स्वधर्मं कीर्तिं च हित्वा पापमवाप्स्यसि॥

स्वधर्ममपि चावेक्ष्य न विकम्पितुमर्हसि। धर्म्याद्धि युद्धाच्छ्रेयोऽन्यत्क्षत्रियस्य न विद्यते॥

यदृच्छया चोपपन्नं स्वर्गद्वारमपावृतम्। सुखिनः क्षत्रियाः पार्थ लभन्ते युद्धमीदृशम्॥

सुदामा

कृष्ण महाराज अख बालक अवस्था
मित्र ओस बालु पानुक तस सुदामा।

यिमन ओस शुर्यलि मंज़ यारानु, यारज़,
करान तथ प्यठ रशक ओंश पानु यारज़।।

सुदामा वुमरि मंज़ ब्रोंह कुन पकान गंय
कृष्ण अवतार तस प्यठ ईश्वर दंय।

सुदामा अख ग्रहस्ती साद बिल्कुल,
कृष्ण अवतार महाराज मौलिके कुल।

कृष्ण अवतार गव मशहूरि आलम,
यिवान आस्य दर्शनस तस साद कमकम।

2/31

CC-0 Agamnigam Digital Preservation Foundation,Chandigarh.Funding by IKS MoE 2025-Grant

Gandhi Memorial College Of Education Bantalab Jammu

سُداما وُّتھ مُلاقات گوڑھ مہ سپدُن!

نصیبس لیکھتہٕ میانِس کرشنہٕ درشُن!

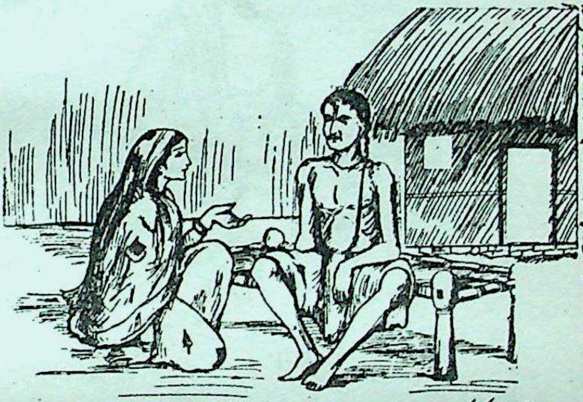

تیاری کرُ سُدآمن زیٹھ سفرچ ۔ ٹُلُن سینتی تحفہٕ پھُٹجہ بیلی تو ملچ

پکان گو تھاکھ کڈان گو بڑو نہ پکان گو ۔ کڈان وتھ اُلفتچ زنہٕ ماتھکان گو

کرشنِ وُچھُنک تمنّا تس دِلس پیٹھ

تہٕ اُتھی شوقس اندر ووت مُنزلس پیٹھ

اچانک کرشنہٕ لالس گوِ یہ گوشن ۔ سُداما از یِیم من چھُم ہیہ توشن

سُداما آو دربارس اندر ژاو ۔ کرشن مہراج لورے اننہٕ تس دراو

رلوانیتھ چھہ زِ سُدآمس اوس تحفہ پھُٹجہ منز سر، یتھ تتہٕ چہ علاقائی زبانی منز تنڈُل ونان چھ۔

۳۴۔ تجھے لوگ دیکھیں گے تحقیر سے ۔ نہ لیں گے ترا نام توقیر سے

CC-0 Agamnigam Digital Preservation Foundation,Chandigarh Funding by IKS-MoE-2025-Grant

Gandhi Memorial College Of Education Bantalab Jammu

सुदामा वोंथ मुलाकात गोंछ में सपदुन!
नसीबस लेखतु म्योनिस कृष्णु दर्शुन ।

तय्योंरी कंर सुदामन जेठि सफरुच,
तुलुन सूत्य तोफु फुटजा "बेल्य तोमलुच"।

पकान गव, थक कडान, गव ब्रोंह पकान गव,
कडान वथ उलफतच जांह मा थकान गव ।

कृष्ण वुछनुक तमन्ना तस दिलस प्यठ ।
तु अथ्य शोकस अन्दर वोत मंजिलस प्यठ

अचानक कृष्ण लालस गव यि गोशन
सुदामा अज़ यियम मन छुम में तोशन ।।

सुदामा आव दरबारस अन्दर चाव,
कृष्ण महाराज योरय अननि तस द्राव ।

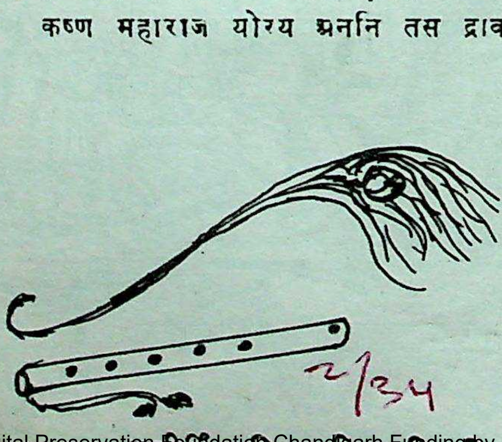

अवाच्यवादांश्च बहून्वदिष्यन्ति तवाहिताः । निन्दन्तस्तव सामर्थ्यं ततो दुःखतरं नु किम् ॥
भयाद्रणादुपरतं मंस्यन्ते त्वां महारथाः । संभावितस्य चाकीर्तिर्मरणादतिरिच्यते ॥३४॥
अकीर्तिं चापि भूतानि कथयिष्यन्ति तेऽव्ययाम्

CC-0 Agamnigam Digital Preservation Foundation Chandigarh Funding by IKS-MoE-2025-Grant

Gandhi Memorial College Of Education Bantalab Jammu

اوبن باشان و شوکت، پور حشمت - یہ چھسا بالہ پانگ شرہیہ تہ اُلفت

سُدآما کھوہ کرشنن پانہ تختس

کراں ساری رشک تس نیک بختس

بیہاری تختس بہتھ اوتار وفتنگ - بیہاری کنہ چھس سُدآما یار وفتنگ

اکس سیتی اکھ بہتھ لول باگراوان - یہ ڈیشتھ چھی وزیرن ہوش راوان

سُدامن بیائی تو ہلیچ ڈالی کُڈ نیٔنی

کُرن پیش کرشنہ لالس یس تھنی تھنی

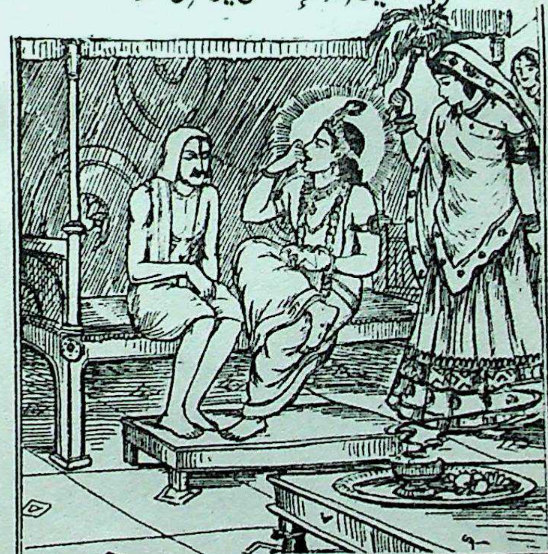

کرشن لالس موٗٹھ کیتھ ساد ہو آو - کھبوان گو تہٕ کران آسس نہٕ ٹھہراو

۳۷- مرے گا تو پائے گا جنت میں گھر اگر جیت جائے تو دنیا ہو سر۔

CC-0 Agamnigam Digital Preservation Foundation,Chandigarh Funding by IKS-MoE-2025-Grant

Gandhi Memorial College Of Education Bantalab Jammu

प्रोनुन बा शान् शोकत पूरि हशमत ।
यि छुसदा बालु पानुक स्नेह त उलफ़त ।

सुदामा खोर कृष्णन पान् तस्तस,
करान सारी रशक तस नेक बखतस ।

यपार्य तस्तस बिहिथ अवतार बक्तुक
हुपार्य किन्य छुस सुदामा यार वक्तुक ।

प्रेकिस सूत्य अख बिहिथ लोल वागरावान
यि डीशिथ छी वज़ीरन होश रावान ।

सुदामन ब्योल्य तोमलुच डाल्य केड नेन्य
केरन पेश कृष्ण लालस युस थेनी थेन्य ।

कृष्ण लालस मोठा ख्यत स्वाद ह्युव आव
ख्यवान गव, माह करान प्रासस नु ठहराव।

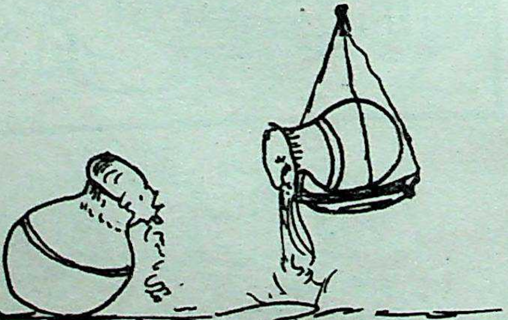

21/137

तस्मादुत्तिष्ठ कौन्तेय युद्धाय कृतनिश्चयः ॥३७॥ सुखदुःखे समे कृत्वा लाभालाभौ जयाजयौ ।

हतो वा प्राप्स्यसि स्वर्गं जित्वा वा भोक्ष्यसे महीम्

एषा तेऽभिहिता सांख्ये बुद्धिर्योगे त्विमां शृणु । बुद्ध्या युक्तो यया पार्थ कर्मबन्धं प्रहास्यसि ॥

CC-0 Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh. Funding by IKS-MoE 2025-Gran

Gandhi Memorial College Of Education Bantalab Jammu

کرشن لالن پرٛژھس سورٕ حال احوال ۔ زمیٖن، جایِن، ازراعت، روپیہ تہٕ مال
سُدآما وَنِہ لوگ "بس ڈولہٕ ہن چھم ۔ چھ اتھی منزٕ سٕتھ گذاران ساتھ کیوٚم"

سوٚخن زِ پیٹھان کے دفتر برٕتھ آئے
اَتِنتھ پیٹھکُن نہٕ روزان راز سرسائے

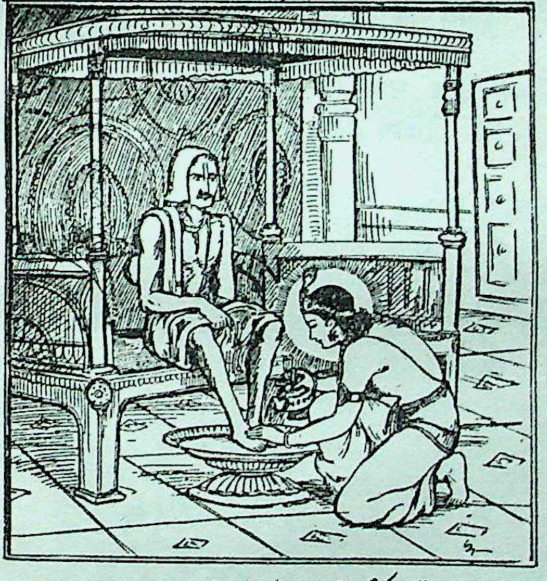

سُدآما کرشنہٕ لالس سیتی ہمدم
سُدآما تَس نہٕ گرٕ بارُک کہنے غم

صُبحے کافی گرٛژھان اَتھ کاروبارَس ۔ ہوان روخسَتھ چھُ آخرٕ یارٕ یارَس

CC-0 Agamnigam Digital Preservation Foundation,Chandigarh Funding by IKS-MoE-2025-Grant

Gandhi Memorial College Of Education Bantalab Jammu

कृष्ण लालन प्रुछुस सोर हाल ग्रहवाल,
जमीन, जायुन, जिरात, रोपयि तय माल।

सुदामा वननि लॉग "बसडोकुहन छम,
छि ग्रथ्य मंज़ सथ गुज़ारान साथ तय दम"।

सोखन जे.ठान गंय दफ़तर बंरिथ ग्राय
ग्रत्यथ पथ कुन नु रोज़ान राज़ सिरसाय।

सुदामा कृष्णु लालस सूत्य हम दम
सुदामा तस नु गरबारुक कुँहुंय गम।

समय काफ़ी गछ़ान ग्रथ कारुबारस,
ह्यवान रोरुसथ छु ग्रोंखु'र यार यारस।

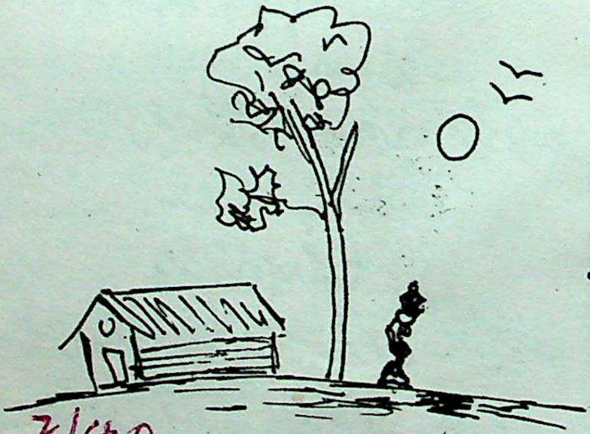

2/40

यामिमां पुष्पितां वाचं प्रवदन्त्यविपश्चितः। वेदवादरताः पार्थ नान्यदस्तीति वादिनः॥४२

नेहाभिक्रमनाशोऽस्ति प्रत्यवायो न विद्यते। स्वल्पमप्यस्य धर्मस्य त्रायते महतो भयात्॥

व्यवसायात्मिका बुद्धिरेकेह कुरुनन्दन।

CC-0 Agamnigam Digital Preservation Foundation,Chandigarh.Funding by IKS-MoE-2025-Grant

Gandhi Memorial College Of Education Bantalab Jammu

کراں اوٗ خصتھ کرشن جی تس فقیرس ۔ سُدامس ظوٗن زِ شری آسن مہ بیکس
پھران کو تہ سُدآما کرشنہِ لاٗگن ۔ سوآری بیٹھ کھسِتھ دراو از گرس کن

دزاں برونہہ برونہہ چھ سورنے دف تہ ڈم ڈم
وناں ساٗری ساٗری سُدآما راجہ ہو چھم

وٗلِتھ زری بف تہ سونہری تاج برسر ۔ سُدآما ازشہن ہندِ شہ برابر

گرس کیتھ ووت گامس منز سُدآما
خبر کیاہ چھس نہ گامس منز سپُد کیا

وُچھن گاہ کراں تس پونیرِ ژ گتھ ۔ اُمس تعظیمہ سان ہاوان گرج وتھ

ہنہ برونہہ کن بکتھ ڈیشن عمارت
عمارت چھا سورگ[2] چھا باغ جنت

خبر لیٔ وٗلِ عیالس تم ژستھ[1] آی ۔ دوان زن حور و غلمان سورگہ منز دراو

سدا ماں پانہ حاراں خواب ڈیشان
یہ سورے کیاہ وچھاں چھس چھسنہ زانان

بُہ ما چھس اروومت، بیگانہ گُمت ییتھ ڈوکس چھ از پیلیس[3] بنیومت

۱- ژستھ = ہچومہ کرتھ۔ ۲- سورگ = جنت ۳- پیلیس = شاہی محل۔

CC-0 Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh. Funding by IKS-MoE 2025-Grant

Gandhi Memorial College Of Education Bantalab Jammu

करान रोख्मथ कृष्ण जी तस फ़कीरस
सुदामस ज़ोन जि शुयं आसन में बेकस ।

फ़िरान कोताह सुदामा कृष्ण लालुन
सवारी प्यठ खसिथ द्राव अज़ गरस कुन ।

वज़ान ब्रोंह ब्रोंह छे सुरनय दफ़ तु डुम डुम,
वनान सारी सुदामा राजि ह्यव छुम ।

वेलिथ ज़रबफ़ त' सोनहर्य ताज बर सर,
सुदामा अज़ शहन हुन्द शाह बराबर ।

गुरिस प्यथ वोत गामस मंज़ सुदामा,
खबर क्याह छस जि गामस मंज सपुद क्याह

वुछिन गामुक्य करान तस पोंपरिन्य गथ,
अमिस ताज़ीमु सान हावान परुच वथ ।

हना ब्रोंह कुन पकिथ डीशन अमारथ
इमारथ छा! स्वर्ग छा! बागि जनथ !

खबर लंज वल्य अयालस तिम चंसिथ आय,
दवान जन हूर् गिलमान स्वर्ग मंज़्य द्राथ ।

सुदामा पान हारान खाब डेशान,
यि सोरुय क्याह वुछान छुस कैंह नु जानान ।
(छुस)

ब' मा छुस रोवमुत बेगानु गोमुत,
येलथ डोकस छु अज़ पैलस बन्योमुत ।

2/43

CC-0 Agamnigam Digital Preservation Foundation Chandigarh. Funding by IKS-MoE 2025-Grant

Gandhi Memorial College Of Education Bantalab Jammu

وچھن آشینٛ بہتھ منٛز محلہٕ خانس
کران پوزا، برٛان لول کرٛشنہٕ لالس

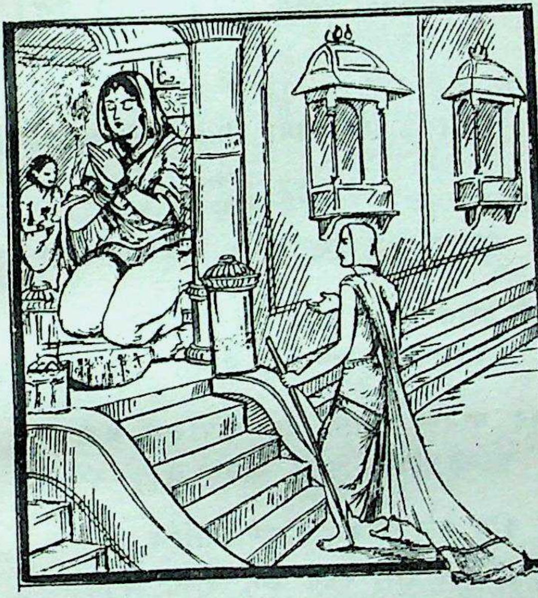

سُدآما چھُس دپان آخرٕ یہ کمہٕ کوٚزٕ؟ ۔ یہ کمہٕ پرٛشن ہیہٕ پٔرٕ تھنے لول ییتھ بوٚد؟ وُرھس آشینٛہ، امی کرٛشنن یوٚرٕ اوٚل ۔ وندلس شرٛی باتٕ ہالین سول تے موج عمارت، باغ، مندر، فرش مخمل ۔ تمی کرٛیشرٕ عنایت یوٚت جٕل جٕل کرٛشن یس پلیٹھ کران چھے مہربانی ۔ ییٚان سوٚن ہیرٕ لوٚن انسانہٕ فانی

CC-0 Agamnigam Digital Preservation Foundation,Chandigarh.Funding by IKS-MoE-2025-Grant

Gandhi Memorial College Of Education Bantalab Jammu

वछिन आशन्य बिहिथ मंज़ महलु खानस,
करान पूज़ा बरान लोल कृष्ण लालस।

सुदामा छुस दपान आखुर यि कम्य कोर?
यि कम्य पुरशान में प्रछनय लोल युथ बोर।

वछुस आशन्य "अमी कृष्णन बोरुम लोल,"
बन्दस शुर्य बाच् माल्युन मोज तय मोल।

समारथ, बाग, मन्दर फर्शि मखमल,
तमी कर यिछ् अनायथ यून जलजल।

कृष्ण यस प्यठ करान छुय मिहरबानी,
बनान सुन हेरि बुन इन्सानि फ़ानी।

اَکھ سُداما چھا یمِس پیٹھ کرٕ دیا موٗلی دَرَن
اَکھ دِلہٕ چھا یتھ نہٕ بسکیٖن دَرٕ تہٕندی کنول چَرَن
یوٗد یٕہ ہکھ پانَس اَندرٕ تھاوُن کرٕشن پراوُن کرٕشن
شرطِ اوّل اتھ مقامس چھےٚ بَنٛنہٕ رَوٚن چھ لگن

अख सुदामा छा येमिस प्यठ कर दया मोरली दरन
अख दिला छा यथ नु बसकीन दर तहंद्य कंवल चरन
योद यहुख पानस अन्दर थावुन कृष्ण, प्रावुन कृष्ण
शर्ते अवल अथ मकामस छुय मन,च, रुहॅचलगन।

२/५०

यावानर्थ उदपाने सर्वतः संप्लुतोदके।
तावान्सर्वेषु वेदेषु ब्राह्मणस्य विजानतः॥४६॥ कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन।
मा कर्मफलहेतुर्भूर्मा ते सङ्गोऽस्त्वकर्मणि॥४७॥
योगस्थः कुरु कर्माणि सङ्गं त्यक्त्वा धनञ्जय। सिद्ध्यसिद्ध्योः समो भूत्वा समत्वं योग उच्यते

Gandhi Memorial College Of Education Bantalab Jammu

کرٛشن گو دوٚن سمُت کرٛشنُک سمندر
اوتھ واتھ بنان پرتھ قطرِ ساگر

CC-0 Agamnigam Digital Preservation Foundation Chandigarh Funding by IKS-MoE-2025-Grant

Gandhi Memorial College Of Education Bantalab Jammu

غریبن، مُفلِسن ہُنٛد مال گوپال
یِمَن کوچھ ڈُھر تِمَن ہُنٛد لال گوپال
یِمَن زنمس اندر پیتٕرن پیوان یَچھ
تِمَن پُرشن سیٹھا رُت فال گوپال

ग़रीबन, मुफ़लिसन हुंद माल गूपाल ,
यिमन कोछ ढ़ुंर तिमन हुंद लाल गूपाल ।
यिमन ज़नमस अन्दर प्यतरुन प्यवान यछ,
तिमन पुरुषण स्यठा रुत फ़ाल गूपाल ॥

कृष्ण गव दुन समुत गछ़नुक समन्दर
ऑतथ वातिथ बनान हर कतर सागर ।

CC-0 Agamnigam Digital Preservation Foundation Chandigarh Funding by IKS-MoE-2025-Grant

Gandhi Memorial College Of Education Bantalab Jammu

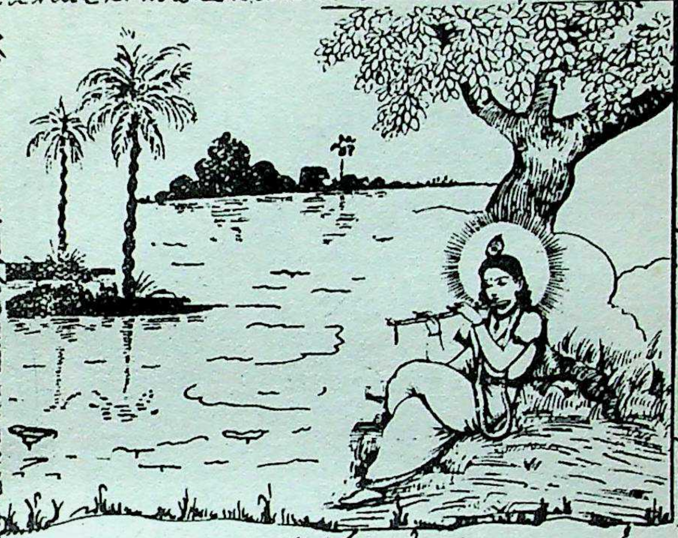

گلن ہند سمت پھانپھلاوان کرشن جی
عجب گلستانہ بناوان کرشن جی

یمن آسہ پریچ تہ پزریچ دلس چھ
تمن امرتکی پیالہ چاوان کرشن جی

کرستانی، پارسی تہ ہندی، سکھ، مسلمان
نظر کنی یمن پیٹھ چھ تراوان کرشن جی

دوہ دس شیکرس منز تفاوت[1] پشارہ
ہشر آدنک چھے رلاوان کرشن جی

[1] فرق

CC-0 Agamnigam Digital Preservation Foundation Chandigarh. Funding by IKS-MoE-2025-Grant

Gandhi Memorial College Of Education Bantalab Jammu

अर्जुन उवाच
स्थितप्रज्ञस्य का भाषा समाधिस्थस्य केशव । स्थितधीः किं प्रभाषेत किमासीत व्रजेत किम् ॥

कृष्ण जी

गुलन हुंद समुत फांफुलावान कृष्ण जी
अजब गुलिस्ताना बनावान कृष्ण जी ।

यिमन आसि प्रेयमुच त पज़रच दिलस छिह
तिमन अमरितुक्य प्यालु चावान कृष्ण जी ।

किरस्तान्य; पारस्य त हेन्द्य सिख मुसलमान
नज़र कुन्य यिमन प्यठ छु त्रावान कृष्ण जी ।

दो़दस शेकरस मंज़ इशारा तफावत
हिशर आदुनुक छुय रलावान कृष्ण जी ।

2/52

यदा ते मोहकलिलं बुद्धिर्व्यतितरिष्यति ।
श्रुतिविप्रतिपन्ना ते यदा स्थास्यति निश्चला ।
यदा गन्तासि निर्वेदं श्रोतव्यस्य श्रुतस्य च ॥

CC-0 Agamnigam Digital Preservation Foundation,Chandigarh.Funding by IKS-MoE-2025-Grant

52/1

Gandhi Memorial College Of Education Bantalab Jammu

دُئی ہُند زہر تفریح زھیٹ الأیش

چھ موٗرلی بجاوِتھ ہٹاوان کرٗشن جی

کَتھَن مَنٛز تھَرزِ چھُس تہ موٗرلی اثر چھُس
رَلَن یِم نہٕ زَرنہٕ تِم رَلاوان کرٗشن جی

یہ متھرا یہ جمنا یہ گنگا یہ رادھا
سَمے گو مگر تونہٕ گاران کرٗشن جی

رِسیہٕ ہردِ والیو تِمس نِش شوزر لوٗب
کھوٗٹِس کیمیا چھے بناوان کرٗشن جی

بَرَن لول گوپی تِمس شوزرِ شانے
تِمَن مَنٛز چھُ دوہ دِین گزاران کرٗشن جی

۵۵۔ تو بھگوان بوٗلے ستیٖ ہو خود ذات جو من سے کرے دور سب خواہشات

CC-0 Agamnigam Digital Preservation Foundation,Chandigarh.Funding by IKS-MoE-2025-Grant

Gandhi Memorial College Of Education Bantalab Jammu

दुई हुंद ज़हर तफ़रुकच छ्टे अलांयिश,
छु मुरली बजोविथ मिटावान कृष्ण जी।

कथन मंज़ असर छुस त मुरली असर छुस
रलन यिम न ज़ांह तिम रलावान कृष्ण जी।

यि मथरा, यि जमना, यि गंगा, यि राधा,
समय गव मगर तोति गारान कृष्ण जी ।

सियाह हृदयि वाल्यव तमिस निश शोज़र लोंब
खोंटिस कीमिया छुय बनावान कृष्ण जी ।

बरान लोल गूपी तमित श्रोचि़ शाने,
तिमन मंज़ छु दोह द्यन गुज़ारान कृष्ण जी ।

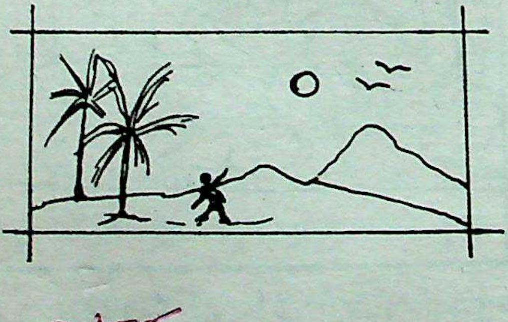

2/55

श्रीभगवानुवाच
प्रजहाति यदा कामान्सर्वान्पार्थ मनोगतान् ।
आत्मन्येवात्मना तुष्टः स्थितप्रज्ञस्तदोच्यते ॥ दुःखेष्वनुद्विग्नमनाः सुखेषु विगतस्पृहः ।
यः सर्वत्रानभिस्नेहस्तत्तत्प्राप्य शुभाशुभम् । नाभिनन्दति न द्वेष्टि तस्य प्रज्ञा प्रतिष्ठिता ॥

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation,Chandigarh. Funding by IKS-MoE-2025-Grant

Gandhi Memorial College Of Education Bantalab Jammu

ییٚمِس آسہ وَس زاٚجمِژ لولہِ نارَن ۴

بلاَشکھ تُمِس یٚرزٕ ناوان کرٛشن جی

لَچھِس حُب وَچھس منز چھُ تَس شولہِ نادان

بیاباں ذٔرِس چھُے بناوان کرٛشن جی

یِمَو پونپرِ گتھ کرِتس سرِیہ پانس

تِمَن چھُے پَنُن جلوٕ ہاوان کرٛشن جی

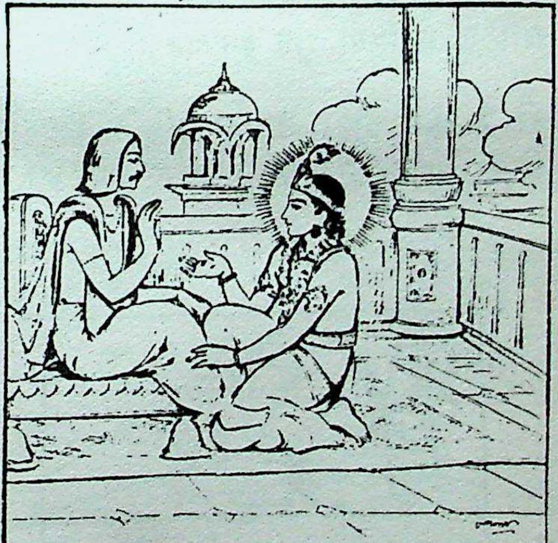

مَنِچ رَأسِتی نظرِ لوٗز آنہ ہاوان ۔ کرٛشنِ جی سَدا ہ سَدا کرٛشن جی

CC-0 Agamnigam Digital Preservation Foundation,Chandigarh.Funding by IKS-MoE-2025-Grant

۵۸- ذرا سا بھی جب کوئی پھوڑے کو چھیڑ تو لیتا ہے فوراً سب اعضا سکیڑ

Gandhi Memorial College Of Education Bantalab Jammu

रसवर्जं रसोऽप्यस्य परं दृष्ट्वा निवर्तते ॥५९॥

ہولی

اَز چھ سَنسارٕکۍ پُرشٕس ہولی گِندان
فِطرتُک اَنگ اَنگ رَنگَن مَنز رَنگ بران
کرشنہٕ! یِکھنا لُکھ چھ آیتۍ وولسنس
سارِنۍ رُوحس اَندر مورلی گرزان

अज़ छि सन्सारकय पुरुष होली गिन्दान
फित्रतुक अंग अंग रंगन मंज़ रंग भरान
कृष्णु! यिखना। लुख छि आमुत्य वोलसनस,
सारिनुय रूहस अन्दर मोरली ग्रज़ान

यमिस आसि वस ज़ाजिमच् लोलु नारन
बिलाशक तेमिस परज़ुनावान कृष्ण जी।

लछ्स हुब, वञुस मंज़ छु तस शोलुनावान,
बयाबान ज़रस छुय बनावान कृष्ण जी।

यिमव पोम्परिन्य गथ करिस सिरियि पानस,
तिमन छुय पनुन जलवु हावान कृष्ण जी।

मनुच रास्ती नज़रि पोज़ आनुहावान
कृष्ण जो सुदामा, सुदामा कृष्ण जी।

यततो ह्यपि कौन्तेय पुरुषस्य विपश्चितः । इन्द्रियाणि प्रमाथीनि हरन्ति प्रसभं मनः ॥

विषया विनिवर्तन्ते निराहारस्य देहिनः । इन्द्रियाणीन्द्रियार्थेभ्यस्तस्य प्रज्ञा प्रतिष्ठिता ॥

2/58

CC-0 Agamnigam Digital Preservation Foundation,Chandigarh.Funding by IKS-MoE-2025-Grant

यदा संहरते चायं कूर्मोऽङ्गानीव सर्वशः ।

Gandhi Memorial College Of Education Bantalab Jammu

تُسند سُریٛہ پٔشن، وٕڈرٕ نیٛن، وحشیٛن ناؔم

ژھینہٕ چھا تِمَن یِم چھُ بالان کرٛشنٕ جی

حَسد خوٗن ہار، خشمہٕ ہوٗت نار ژایان

چُھ ژلِتھ زٕ گٕت وٕنی ژہ پیاران کرٛشنٕ جی

یِمَن تایہٕ کرٛالیو چھ ہیٚز شوٗرہٕ کرمٕژ

تِمَن سٕبکہٕ لیٛن بیٖٹھ چُھ باران کرٛشنٕ جی

چھٔلِتھ ژھٕن یِمہٕ کام، کرود، موہ، اَہنکار

پوٗیٛتر تِمَن جانٕ جانان کرٛشنٕ جی

۱۔ شہوت ۲۔ ژرکھ ۳۔ طمع ۴۔ غوٗر وٗر ۵۔ سریٛہ ۔ پیار

CC-0 Agamnigam Digital Preservation Foundation Chandigarh Funding by IKS-MoE-2025-Grant

۶۔ جواس اپنے رُوف اَور لگا مجھ میں دِل تو سرشار ہو یوگ بین

Gandhi Memorial College Of Education Bantalab Jammu

तसुन्द स्रेह पशन, वुडवुन्यन, वहशियन ताम,
छ्यनह छा तिमन यिम छु पालान कृष्ण जी।

हसद खूंखार, खशम होंत, नार चापान
छु जगतुक जगत वोन्य चे प्रारान कृष्ण जी

यिमन ताप क्रायव छे मेच शोर करमच
तिमन सेंकिल्यन प्यठ छु बारान कृष्ण जी।

छलिथ छुन यिमव काम, क्रोध, मोह अहँकार,
पवितर तिमन जानि जानान कृष्ण जी।

2761

तानि सर्वाणि संयम्य युक्त आसीत मत्परः।
वशे हि यस्येन्द्रियाणि तस्य प्रज्ञा प्रतिष्ठिता ॥ ध्यायतो विषयान्पुंसः सङ्गस्तेषूपजायते।
सङ्गात्संजायते कामः कामात्क्रोधोऽभिजायते ॥
क्रोधाद्भवति संमोहः संमोहात्स्मृतिविभ्रमः। स्मृतिभ्रंशाद्बुद्धिनाशो बुद्धिनाशात्प्रणश्यति॥

CC-0 Agamnigam Digital Preservation Foundation,Chandigarh.Funding by IKS-MoE-2025-Grant

Gandhi Memorial College Of Education Bantalab Jammu

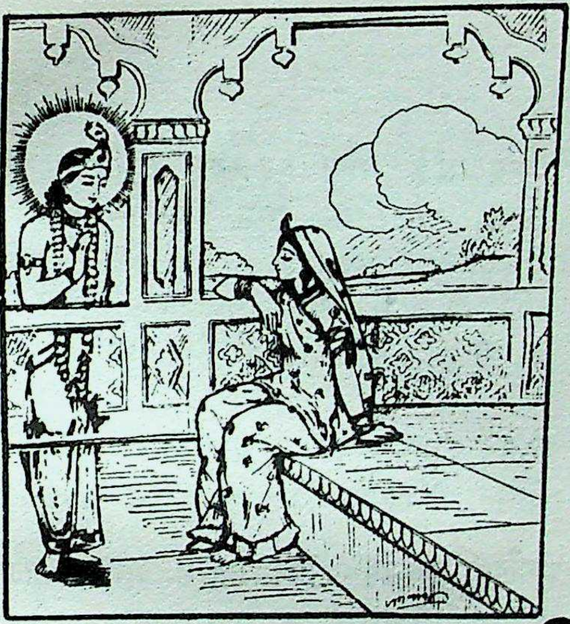

یمِن کنِہہ نہٕ آسان ہیمِن دِل پرٕیشان یہ تمِن بیکسن ہُنٛد چھُ سامان کرٛشن جی

یہٕ تھُنی ہیوٗ مُجسّم چھُ حُسنک جمالُک
مُچھ فاضِل دِلس منٛز بساوان کرٛشن جی

CC-0 Agamnigam Digital Preservation Foundation,Chandigarh.Funding by IKS-MoE-2025-Grant

۶۲۰- جو کرتا ہے مخصوص دُنیا کی سیر نہ اُلفت کسی سے ہے جس کو نہ بیر

Gandhi Memorial College Of Education Bantalab Jammu

चھُ برہمن دھرم - گیان ضبط راستی
لبنۍ - حق شناسی تہٕ پاکیزگی
تغوفل ترک - عیش و عشرت حرام
طمع ژٕکھ نہٕ تھاوِنۍ چھلنۍ من ہمی
کرشن (گیتا ۴۲/۱۸)

छ् ब्राह्मण धर्म—ज्ञान ज़ब-त रास्ती,
लबुन्य हक़ शनासी तु पाकीज़ुगी
तगोफ़ुल तरक ऐश व अशरत हराम,
तमाह, च़ख नु पावुन्य छलुन्य मनहमो
(गीता)

यिमन काँह नु आसान, यिमन दिल परेशान,
तिमन बेकसन हुंद छु सामान कृष्ण जो।
यि थंन्य ह्योव मुजसम छु हुस्नुक जमालुक
छु फ़ाज़िल दिलस मंज़ वसावान कृष्ण जो।

2/64

रागद्वेषवियुक्तैस्तु विषयानिन्द्रियैश्चरन् ।
आत्मवश्यैर्विधेयात्मा प्रसादमधिगच्छति ॥६४॥ प्रसादे सर्वदुःखानां हानिरस्योपजायते ।
…बुद्धिः पर्यवतिष्ठते ॥६५॥
नास्ति बुद्धिरयुक्तस्य न चायुक्तस्य भावना । न चाभावयतः शान्तिरशान्तस्य कुतः सुखम् ॥

CC-0 Agamnigam Digital Preservation Foundation Chandigarh Funding by IKS-MoE-2025-Grant

Gandhi Memorial College Of Education Bantalab Jammu

بانسری ہُند ساز گوہیا بنِ کُنِ

چھس اَوے کُنی کرشنہ شبدن کُن تھوَن

کرشنہ شبدو بخشہم گنگایہ جل

تہٖ زھنم اتھ منز کوٗرم شوٗد تن بدن

نوٹ:- ۱۔ شبد۔ لفظ ۲۔ بخشہم۔ دِیُتہم ۳۔ جل۔ آب، پونی ۴۔ شوٗد۔ خالص

CC-0 Agamnigam Digital Preservation Foundation,Chandigarh.Funding by IKS-MoE-2025-Grant

Gandhi Memorial College Of Education Bantalab Jammu

مہربانی کرے کرشنَن ۔ سُداما ! ۔ ژھکھ زگتس اَندر بوڈ نیک بختا
بَنان چھا یُتھ دیالو یار یارس ۔ چھ کرشنُنی دوستی اَمرِت سَراپا

मिहरबानी करय कृष्णन, सुदामा !
च़ छुख जगतस अन्दर बोड नेक बख्ता
बनान छा युथ दयालु यार यारस
छि कृष्णन दोस्ती अमृत सरापा ।

बांसुरी हुन्द साज़ गव म्यानन कनन
छस प्रवय किन्य कृष्णु शब्दन कन बवन ।
कृष्णु शब्दव बखशुहम गंगायि जल,
वाह कृष्णिम मच मंज कोरहम शोंद तन बदन

2/67

इन्द्रियाणां हि चरतां यन्मनोऽनुविधीयते ।
तदस्य हरति प्रज्ञां वायुर्नावमिवाम्भसि ॥६७॥ तस्माद्यस्य महाबाहो निगृहीतानि सर्वशः ।

या निशा सर्वभूतानां तस्यां जागर्ति संयमी । यस्यां जाग्रति भूतानि सा निशा पश्यतो मुनेः ॥

CC-0 Agamnigam Digital Preservation Foundation,Chandigarh Funding by IKS-MoE-2025-Grant

Gandhi Memorial College Of Education Bantalab Jammu

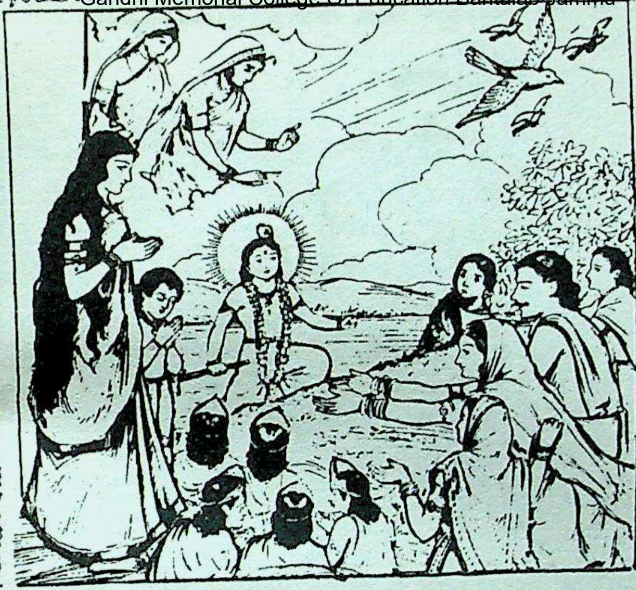

بالہِ پانَس لگی تَنے اَز ہیون آے

زٕوٕ وَنٕدَے! ہو مُرلی تلا اَز کرٛشنہٕ وٲے

چانہِ حُسنک پرتَوَہ دیدَن کُشِش

چون بیکر جذبہ: پُترِ یچھ رِسریہ کرٛا ے

چانی حشمت، چانی عظمت، چانی کتھ۔ کنہہ نہ تَمیس منز پہ ہوٕ یٕی سانی رٲے

عظمت = بجَر
سٕہ = وقت

CC-0 Agamnigam Digital Preservation Foundation Chandigarh Funding by IKS MoE 2025-Grant

Gandhi Memorial College Of Education Bantalab Jammu

एषा ब्राह्मी स्थितिः पार्थ नैनां प्राप्य विमुह्यति । स्थित्वास्यामन्तकालेऽपि ब्रह्मनिर्वाणमृच्छति ॥

विहाय कामान्यः सर्वान्पुमांश्चरति निःस्पृहः ।

मोरलीदर

बालु पानस लग्यतनय अज़ म्योन आय,
ज़ुव बन्दय ! मोरलो तला अज़ कृष्णु वाय ।

चानि हुसनुक परतवा दीदन कंशिश
चोन पयकर जज़बु प्रेयमुच सिर्यि काय ॥

चान्य हशमत, चान्य अज़मथ, चान्य छव,
कांह न समयस मंज़ च्रे ह्युव यी सान्य राय ।

(१) आय--वाँसि हुंद वख, (२) परतव—जलव, दोद – अछ.

2/70

आपूर्यमाणमचलप्रतिष्ठं समुद्रमापः प्रविशन्ति यद्वत् ।
तद्वत्कामा यं प्रविशन्ति सर्वे स शान्तिमाप्नोति न कामकामी ॥७०॥

CC-0 Agamnigam Digital Preservation Foundation Chandigarh Funding by IKS MoE 2025-Grant

Gandhi Memorial College Of Education Bantalab Jammu

چانہٕ موٗرلی ہٕنز درے! اوتار ژٕے

داس پیاراں چھی ژٕ از کاسکھ انیاے

اکھ دمہٕ چشمن اندر کرتم قرار !

عُمرِ لوسم ژٕہی وچھان کرہیون پاے — پاے = چار

ژٕ چھہم پیر یمک صنم، روٗحک ہرش — ہرش = سردر

سارِنے لول باگراوٗن چون داے — داے = مشہور

لوٗت ژوٗر سوندر بناوتھ چون موکھ

حآرتن گو پانہ کآریگر خوداے

ساسہٕ بدی رنگ بدلونی روٗدم زٕنم

یس زٕوس منز چھکھ بٕستھ سے اکھ ہواے

چانہٕ پرتھچ چھہ منس لگمژ مہہ چھم

لولہٕ برتیو! فاضلس چھے چانی نامے — ے = پریم

شری بھگوان نے فرمایا

ساتواں ادھیائے

ایسی ارجن! انساں مجھ پائے ہوئے میری ذات میں لو لگائے ہوئے

CC-0 Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh. Funding by IKS-MoE-2025-Grant

Gandhi Memorial College Of Education Bantalab Jammu

मनुष्याणां सहस्रेषु कश्चिद्यतति सिद्धये। यततामपि सिद्धानां कश्चिन्मां वेत्ति तत्त्वतः॥

चानि मोरली हुंज द्र'य अवतार चय,
दास प्रारान छी च अज़ कासुख अन्याय ॥

अख दमाह चश्मन अन्दर करतम कगार,
उमर् लोसम चेंय वुछान कर म्योन पाय।

चय छुहम प्रेयमुक सनम, रूहुक हर्ष,
सारिनय लोल बांगरावुन चोन दाय ॥

यूत चोर सोन्दर बनाविथ चोन मोख,
ह्यारतन गव पान् कारीगर खोदाय।

मासवद्य रंग बदलुचुन्य रूदिम ज़न्म,
यस जुवस मंज़ छुख बेसिथ मुय अख 'बेवाय ॥

चानि प्रेयमुच छिह्य मनस लंजमुच मे छम,
लोल् बेत्यो। 'फ़ाज़िलस' छय च्यांन्य माय।

(१) माय---वांसि हुंद वख, (२) परतव—जलव,
दोद—अछ,

(१) पाय—चार, (२) हर्ष— सरूर,
(३) दाय—मशवर, मोख—बुथ, (५) माय—प्रेम,

7/1

अथ सप्तमोऽध्यायः
श्रीभगवानुवाच

मय्यासक्तमनाः पार्थ योगं युञ्जन्मदाश्रयः।

ज्ञानं तेऽहं सविज्ञानमिदं वक्ष्याम्यशेषतः।
असंशयं समग्रं मां यथा ज्ञास्यसि तच्छृणु॥

CC-0 Agamnigam Digital Preservation Foundation,Chandigarh.Funding by IKS-MoE-2025-Grant

Gandhi Memorial College Of Education Bantalab Jammu

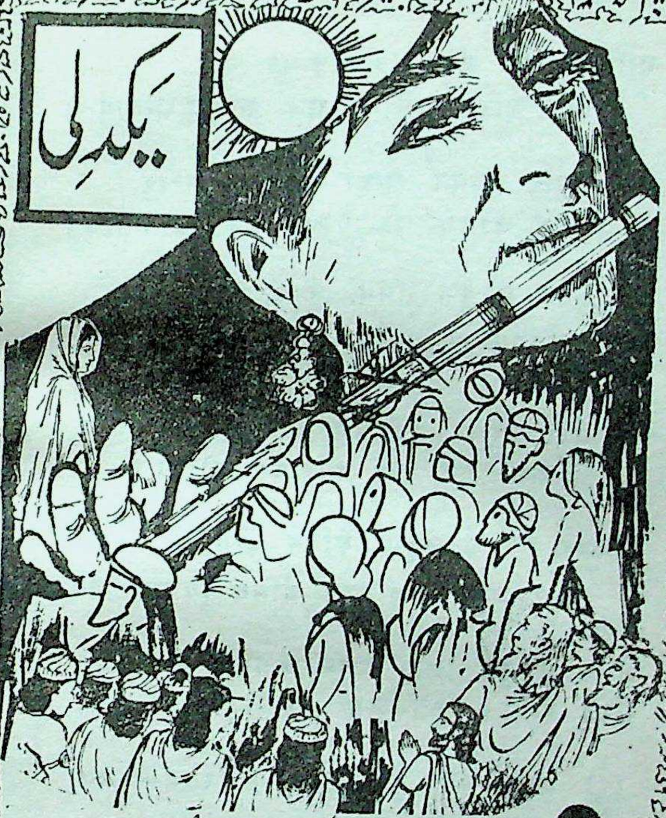

یکدلی ہندِ شہ گیوان چھے بانسری
یس کنن گوو ننہ لوگ جے جے ہری
ہن پو ہتر یس سپد بس سے چھ شاہ
کیاہ مسلمانی کرہ یس کیاہ کافری

یہ سورج کی تابش پر نور ہے جہاں حسن کے جلووں سے معمور ہے

CC-0.Agamnigam Digital Preservation Foundation,Chandigarh.Funding by IKS-MoE-2025-Grant

Gandhi Memorial College Of Education Bantalab Jammu

सर्वभूतस्थितं यो मां भजत्येकत्वमास्थितः। सर्वथा वर्तमानोऽपि स योगी मयि वर्तते ।३१।

कُنی یَس نظَر تَس چھ گیانی وَنان!
تمِس نِش نہٕ چنڈال، برہمن زٕ جان!!
دُئی ہُند سیٹھاہ دُور یحساس تَس!!
سُہ گاو، ہوٗن تہٕ ہوٗس چھُ یکسان وِہنداں

(گیتاجی ۱۸/۵)

گیتا ۱۸/۵

कुनी यस नज़र तस छि ज्ञानी वनान
तमिस निश नु चंडाल, ब्राह्मण ज़ जान।
दुई हुंद स्यठाह दूर इहसास तस,
सु गाव, हून, तय होस छु इखसान व्यंदान
(गीता)

यकदिली हुंद शह ग्यवान छय बांसुरी
यस कनन गव वननि लोंग "जयजय हरी"।
मन पवितर यस सपुद बस सुय छु शाह,
क्या मुसलमांनी करख्स क्या का'फ़िरी ॥

15|12

यो मां पश्यति सर्वत्र सर्वं च मयि पश्यति ।। यच्चन्द्रमसि यच्चाग्नौ तत्तेजो विद्धि मामकम् ।

यदादित्यगतं तेजो जगद्भासयतेऽखिलम् ।

CC-0 Agamnigam Digital Preservation Foundation Chandigarh Funding by IKS-MoE-2025-Gran

12/15

Gandhi Memorial College Of Education Bantalab Jammu

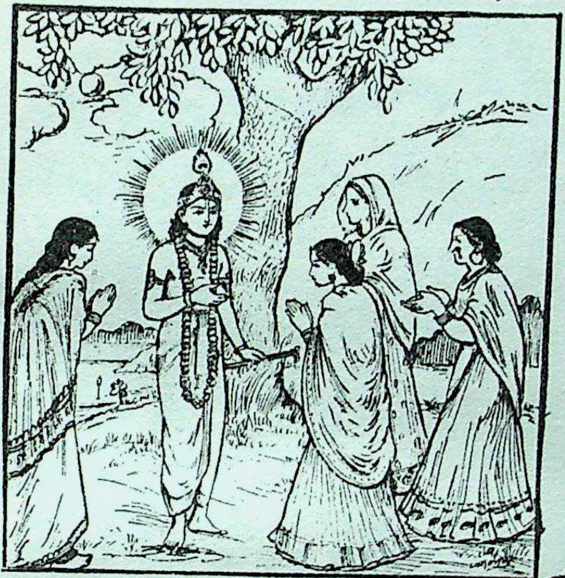

بالہٕ پانس لاگھہے جامے چھٕتی
کرشنہٕ لالو! بس یتی سمکھہ تنتیٕ

پانہٕ از گنگا یہٕ ہندجل باگراوٕ
چاوتکھ امرت ہبہ ہوی ترلیشے ہتی

یم نشاطس، شالمارس پوس پھٕلی
ژاری ژاری تم لاگھہے کالے پتی

CC-0 Agamnigam Digital Preservation Foundation,Chandigarh.Funding by IKS-MoE 2025-Grant

Gandhi Memorial College Of Education Bantalab Jammu

وجودک سر منیچ روشن سبیل بن
ذرا ظاہر مشر - اندری دلس سن
کرن آور پنن آسن نہ آسن
دلچ حرکت بناون کرشنہ سمرن

वजूदुक सिर. मनुच रोशन सबील बन
ज़रा ज़ाहिर मशर, अन्दरी दिलस सन।
करुण आवुर पनुन आसुन नं आसुन
दिलचि हरकथ बनावुन कृष्ण् स्मरण ॥

कृष्ण लालो

बाल् पानस लागहय जामन छेती,
कृष्ण् लालो बस येंती समखक तंती।

पान् अज़ गंगायि हुंद जल बागराव,
चावनख अमृथ म्य हिव्य त्रेगे हेती ॥

यिम निशातस शालमारस पोश फोल्य,
चांर्य चोर्य तिम लागहय कारे पंती।

एतद्योनीनि भूतानि सर्वाणीत्युपधारय। अहं कृत्स्नस्य जगतः प्रभवः प्रलयस्तथा ॥६॥
भूमिरापोऽनलो वायुः खं मनो बुद्धिरेव च।
अहंकार इतीयं मे भिन्ना प्रकृतिरष्टधा ॥४॥ अपरेयमितस्त्वन्यां प्रकृतिं विद्धि मे पराम्।

CC-0 Agamnigam Digital Preservation Foundation,Chandigarh.Funding by IKS-MoE-2025-Grant

Gandhi Memorial College Of Education Bantalab Jammu

نۆر آگر پرِیہ ہو کھ چھِے اَنہ پوٗٹ

ہیر لوٗن پانس پرٛون ہندی گہہ دِتھ

ہورِ سُند پیکر تہٕ تھُنی ہیو چھِے شریہ

نالہ رٹھنہٕ اَکھ دمہٕ روزِتھ اَتی

چون آکار چھُم سُتھن برنن ہہ آتش

یم شعور کی بر دوٚہے تھوٚی مے دِتھ

دل چھ بھرسٹ تے کروُدھ از سُمیک سُبھاو

ییر اَکھ اَکی سُند تھوان سمیکی مُتی

چھی فدا پادن گُمتی ہمپوشہ سر

کھبل چھ آسن ہیتھ بہتھ آرے کتی

اکھ بنو ہورلی دُرن آدیش پوٗز

فاضلا ! ست دوٚپ چھ داسن ہندی نتی

CC-0 Agamnigam Digital Preservation Foundation,Chandigarh. Funding by IKS-MoE-2025-Grant

Gandhi Memorial College Of Education Bantalab Jammu

पुण्यो गन्धः पृथिव्यां च तेजश्चास्मि विभावसौ । जीवनं सर्वभूतेषु तपश्चास्मि तपस्विषु ॥९॥

नर् आगुर- मिर्ययिमोख छुम आनु पोंट,
हेरि वोन पानम प्रवन हुन्द्य गाह वंथो ॥

हरि हुन्द पंकर तु थन्य ह्यव छुय शरीर,
नालु रटुहथ अख दमा रोजुम अंती ॥

चोन आकार छुम सतन वरन्यन में आश,
यिम शऊरुक्य बर दोहय थंव्य मय वंथी ।

दिल छि वृष्ट तय क्रोध अज़ समयुक सोबाव,
बैर अख अंवयसुन्द थवान समयिवय मंती ॥

छो फ़िदा पादन गोमुत्य पम्पोशि सर,
ख्यव छि आसन ह्यथ बिहिथ आरय कंती ।

"अख बंनिव" मुरलो दरुन आदेश पोंज़,
फ़ाज़िला ! सत दोंप छु दासन हुन्द पंती ॥

7/7

मत्तः परतरं नान्यत्किंचिदस्ति धनंजय । मयि सर्वमिदं प्रोतं सूत्रे मणिगणा इव ॥७॥ रसोऽहमप्सु कौन्तेय प्रभास्मि शशिसूर्ययोः ।

CC-0 Agamnigam Digital Preservation Foundation,Chandigarh.Funding by IKS-MoE-2025-Grant

1/1

Gandhi Memorial College Of Education Bantalab Jammu

رادھا وَنان چھ ناتھس ۔ دوٗد بانچھ ہیوٗ ژٕ پیکر

درشُن میہِ کالی دِکھنا! چھُم چانہِ دوٗرِ رُک[1] شر

اُچھ ہیانہِ لوسہِ وأنس ۔ گنگابلِ پیٹھ ژٕ پیارن

موٗرلی شبد گڑھان چھم ۔ گوٗشن[2] ژٕ ییتھ بُھٹس تر

اُندی اُندی ژٕ رقصہِ باپتھ ۔ گُمی ہوٗرِ کھیوٗل اُنتھ تھوو

یم چانہِ لولہِ پیرِتھ ۔ رنگین پیرَ تہ زیوٗر[3]

۱۔ دوٗرِیر = فراق ۔ ۲۔ گوٗشن = کنَن ۳۔ زیوٗر = گہنہ

CC-0 Agamnigam Digital Preservation Foundation Chandigarh Funding by IKS-MoE-2025-Grant

Gandhi Memorial College Of Education Bantalab Jammu

राधा वनान छें नाथम—दुद, मांछ छ्यु व चें पैकर
दर्शुन में कांल्य दिखना! छुम चांनि दूरिरुक शर।

अंछ म्यानि लोसु वांसन— गंगायि प्यठ चें प्रारान
मुरली शब्द गछ़न छ्रिम गोशन चुं यथ बंठिस तर।

अंन्द्य अंन्द्य चे रकस बापथ कंम्य मोर ल्योंल अंनिथ थोंव
यिमचानि लोलु पूरिय रंगीन पर तु ठेवर॥

बीजं मां सर्वभूतानां विद्धि पार्थ सनातनम् ।
बुद्धिर्बुद्धिमतामस्मि तेजस्तेजस्विनामहम् ॥१०॥ बलं बलवतां चाहं कामरागविवर्जितम् ।
ये चैव सात्त्विका भावा राजसास्तामसाश्च ये । मत्त एवेति तान्विद्धि न त्वहं तेषु ते मयि ॥१२॥

CC-0 Agamnigam Digital Preservation Foundation Chandigarh. Funding by IKS-MoE-2025-Grant

Gandhi Memorial College Of Education Bantalab Jammu

نَے

(نَے چھ بہانے .... " مورلی شبداہ اَسہِ گوٗکنن وَنن چھ رادھا کرشنہٕ ہے آو ")

کُس تام وَایان! اُلکھ چھ دَپان نَے چھ وزان نَے
گوٗپالہٕ ژٕ ہیٚم وٕیدی چھ دپان
نَے چھ بہانے ---- نَے چھ بہانے

— - —

تصویر آتش خانہ مجاز سَس چھُ دِوان ڈول
منز نارٕ برٕہمن طورٕ سنگرُ
تو دَزان نَے ---- نَے چھ بہانے

— - —

نَے نغمہٕ شیرینی ۔ ہَن چھُ بٕرمان ۔ زوٗ چھُ زوان کل
یتھ نغمہٕ پراوُن ہمعرفتک
سٕریہ چھ بران نَے ---- نَے چھ بہانے

— - —

CC-0 Agamnigam Digital Preservation Foundation,Chandigarh. Funding by IKS-MoE 2025-Grant

Gandhi Memorial College Of Education Bantalab Jammu

मामेव ये प्रपद्यन्ते मायामेतां तरन्ति ते ॥१४॥

(नय छ बहानय

"मुरली शब्दा गव असि कनन
वनन छि राधाकृष्ण है प्राव"

कुस ताम वायान।लुख छि दपान नय छि वज़ानय,
गूपाल चे यिम वेद छि दपान,
नय छि बहानय—नय छि बहानय

तसवीर प्रातशखान् मजाज़स छु दिवान डोल
मंज़ नार् ब्रेहन तूर् संगर
तोति दज़ान नय—नय छि बहानय

नय नगम् शीरीनिमन छु ब्रमान, जुव छु जुवान कल
युथ नगम् प्रावुन मायंफतुक
श्रेह छे बरान नय—नय छि बहानय ।

दैवी ह्येषा गुणमयी मम माया दुरत्यया ।

न मां दुष्कृतिनो मूढाः प्रपद्यन्ते नराधमाः । माययापहृतज्ञाना आसुरं भावमाश्रिताः ॥१५॥

त्रिभिर्गुणमयैर्भावैरेभिः सर्वमिदं जगत् ।
मोहितं नाभिजानाति मामेभ्यः परमव्ययम् ॥१३॥

CC-0 Agamnigam Digital Preservation Foundation Chandigarh.Funding by IKS-MoE-2025-Grant

Gandhi Memorial College Of Education Bantalab Jammu

تِتھ گیانٔ حاصِل پیدِ ، تھوکھ زٲنی اندر مَن
سوٚی زان نا وِتھ اوٚم ترٕ کُنے
ھوٚچھ پٔرٲن نے ---- نے چھ بہانے

۱ علم
۲ ایشور

زَن سوزِ وَنس زوٚنگ چھُ لَگان ، لامُ لَکن لام
مَن وٕہنہٕ لَگان تاوِہتین
شولہٕ ژٕہان نے ---- نے چھ بہانے

جنگلس

وَن سوٚرِ گٔرِ ھتھ روزِ ہٹاہ ، ژوٚرِ بہتھ لوٚب
تھٕی پانہٕ تھلان والہِ توے
آسہِ گرٲن نے ---- نے چھ بہانے

فاضِل! شریک ساز کُنے ، سوزہٕ ہگرٕ ہیوٚن
گوپالہِ! یوٚہے لولہٕ ہتین
منز چھ سٔزان نے ---- نے چھ بہانے

CC-0 Agamnigam Digital Preservation Foundation Chandigarh Funding by IKS-MoE 2025 Grant

Gandhi Memorial College Of Education Bantalab Jammu

त्युथ ज्ञान हासिल सपदि बवख जान्य अन्दर मन
सुय ज़ान हाविथ ओइम तु कुनुय
'हू' छे पराननय—नय छे बहानय।

ज़न सोज़वनस ज़ोंग छु लगान लाम लूकन लाम
मन वुहनि लगान ताव हत्यन
शोलु छटान नय—नय छि बहानय।

बन सूर गछित रोजि हंटा चूरि बिहिथ लौब
तथ्य पानु थलान वालि तवय
आसि मरान नय—नय छि बहानय।

'फाज़िल'! शरीरुक साज़ कुनुय सोज़ मगर क्योंन
गोपालु! योहय लोलु हत्यन
मंज़ छे सज़ान नय—नय छे बहानय।

नोट— ग्यान—जानकारी, अकल
हू—ईश्वर, अल्लाह।

7/16

आर्तो जिज्ञासुरर्थार्थी ज्ञानी च भरतर्षभ ।१६। तेषां ज्ञानी नित्ययुक्त एकभक्तिर्विशिष्यते ।
प्रियो हि ज्ञानिनोऽत्यर्थमहं स च मम प्रियः १७
उदाराः सर्व एवैते ज्ञानी त्वात्मैव मे मतम् । आस्थितः स हि युक्तात्मा मामेवानुत्तमां गतिम्॥
चतुर्विधा भजन्ते मां जनाः सुकृतिनोऽर्जुन ।

CC-0 Agamnigam Digital Preservation Foundation Chandigarh. Funding by IKS-MoE-2025-Grant

16/1

Gandhi Memorial College Of Education Bantalab Jammu

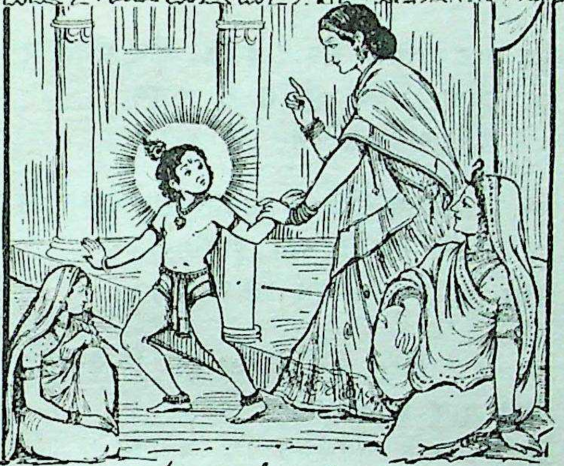

مےٚ چھا اِنکار، ماتا ! کیاز پرٛژھتھم

مےٚ لےَ گوٚی گاو ماتا سپتی ہَر دَم

دوٚیتھ دوٚد ماسہٕ چوٚتھم ژوٚرِ ژوٚلے

ہتےَ پوٚز بوز تےَ ملرے تہٕ ٹوٚلے

دوٚدِکۍ ژٔڈی چیتھ تہٕ روٚزِم کَل ہیہ اُتھکُن

یوٚہےَ گوٚڈانہٕ ووٚتھ بھگوانہٕ سُند دِیُن

نبی تہٕ اَوتار چھِ پنہٕ اپُر سِکان وُنِتھ۔ تِمَن ہُنزٕ ن کتھَ۔ تہٕ کامہِ مَنز چھُ شوٗزُر آسان۔

CC-0 Agamnigam Digital Preservation Foundation Chandigarh Funding by IKS-MoE-2025-Grant

Gandhi Memorial College Of Education Bantalab Jammu

यो यो यां यां तनुं भक्तः श्रद्धयार्चितुमिच्छति । तस्य तस्याचलां श्रद्धां तामेव विदधाम्यहम्

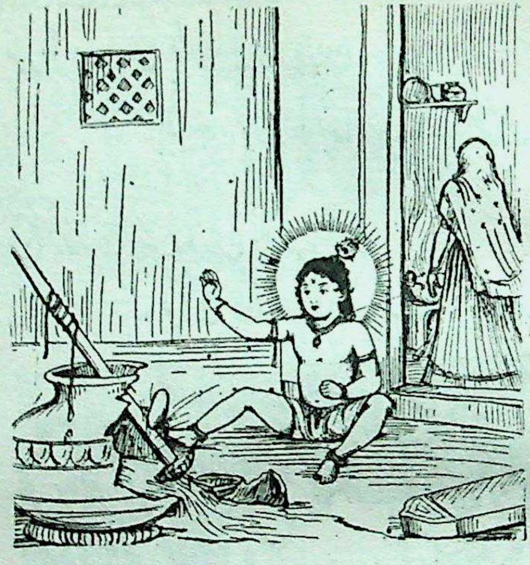

पोंज़ अवतार

मे छा इन्कार माता! क्याज़ि प्रुछ़थम
मे लय गोय गाव मातायि सूत्य ह़रदम।

दोपुथ दुद मा सां चोयम चूरि चूरे
हतय पोंज़ बोज़तय मलरे तु टूरे।

दुदुक्य नटच वथ ति रूज़्म कल म्य मथ कुन
योहय गव ठानु वोथ भगवानु सुन्द ग्युन।

7/19

वासुदेवः सर्वमिति स महात्मा सुदुर्लभः ॥१९॥ कामैस्तैस्तैर्हृतज्ञानाः प्रपद्यन्तेऽन्यदेवताः ।

बहूनां जन्मनामन्ते ज्ञानवान्मां प्रपद्यते

CC-0 Agamnigam Digital Preservation Foundation Chandigarh. Funding by MoE-IKS-Grant

19/1

پنزر گو سرِیہ چھا پوشیدہ روزان
کرِشن لوزہ وننہ چھا زنہہ کانسہ کھوژان ؟

نہج پنزرِچ نہ روزان وانسہ پابند
لوکُٹ بالک آمی کور مُت عقلمند

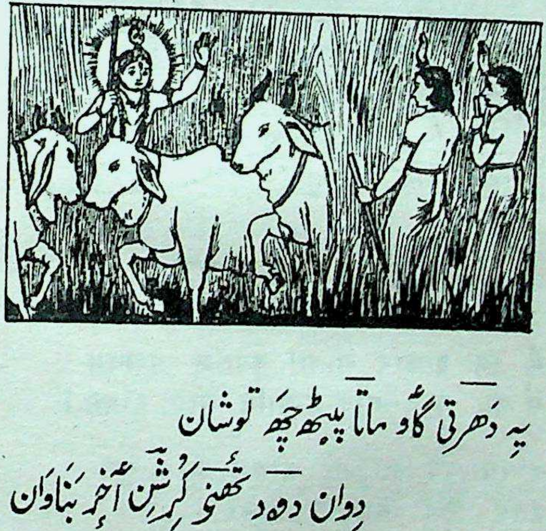

یہ دھرتی گاو ماتا پیٹھ چھہ توشان
دِوان دود تھنی کرِشن آخرہ بناوان

کھیوان تھنی امریتکی نٹے داہہ چاوان
اُمِس جگ ایشور پدوی چھہ دِیاوان

CC-0 Agamnigam Digital Preservation Foundation,Chandigarh.Funding by IKS-MoE-2025-Grant

Gandhi Memorial College Of Education Bantalab Jammu

देवान्देवयजो यान्ति मद्भक्ता यान्ति मामपि ॥

अव्यक्तं व्यक्तिमापन्नं मन्यन्ते मामबुद्धयः । परं भावमजानन्तो ममाव्ययमनुत्तमम् ॥२४॥

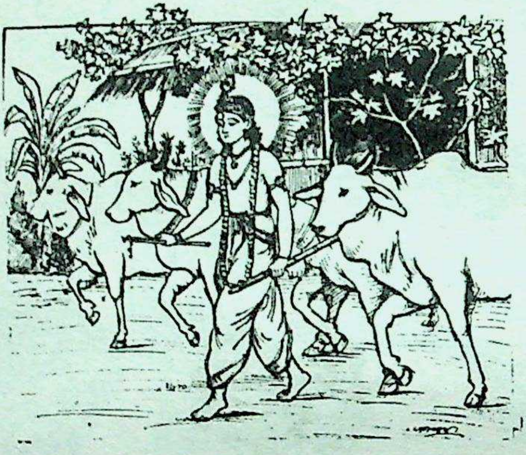

पज़र गव सिरियि छा पूशीद् रोज़ान
कृष्ण पोंज़ वनुन् छा ज़ांह् कांसि खोचान ?

नंहज पज़रुच न रोज़ान वांसि पावंद
लूकुट बालुक प्रेमी कोंरमुत अकलमंद ।

यि धरती गाव माता प्यठ छि तोशान,
दिवान दुद, थंन्य, कृष्ण मांखुर बनावान ।

हृदवान थंन्य अमृतुक्य नंटच दामु चावान
प्रेमिस जग ईश्वर पदवी छु द्यावान ।

7/22

लभते च ततः कामान्मयैव विहितान्हि तान् ॥ अन्तवत्तु फलं तेषां तद्भवत्यल्पमेधसाम् ।

CC-0 Agamnigam Digital Preservation Foundation,Chandigarh.Funding by IKS MoE 2025-Grant

स तया श्रद्धया युक्तस्तस्याराधनमीहते ।

23/1

Gandhi Memorial College Of Education Bantalab Jammu

کرشن اکھ بالکا پزرُک مجسّم

فخر زگتس یوہے اوتار۔ آدم

کرشن بتراٹھ پیٹھ صلح علامتھ

یوہے اکھ پوشوِنی امیچ کرامتھ

کرشن گوٚیس چھ مورلی منز سہ الہام

یِمیک اکھ اکھ صدا لوکن چھ پیغام

کرشن گو ظُلمہ ایوانن سو گگراے

یِمیک دسی لایہ اپزس تالہ تتھ کراے

کرشن گو مقصدک نزدیک منزل

امس نش سارنے حاصل گُنے دل

CC-0 Agamnigam Digital Preservation Foundation Chandigarh Funding by IKS-MoE 2025-Grant

۲۵۔ جو میں یوں نیا سے مستور ہوں، جہاں کی نظر سے بہت دور ہوں۔

Gandhi Memorial College Of Education Bantalab Jammu

भविष्याणि च भूतानि मां तु वेद न कश्चन ॥

कृष्ण अख बालुका पज़रुक मुजस्सम
फ़कुर ज़गतस योहय अवतार आदम ।

कृष्ण वुतरांच़ प्यठ सुलहुच करामत,
योहय अख पोशिवन्य अमनुच अलामत।

कृष्ण गव यस छु मुरली मंज़ सु इलहाम,
यम्युक अख अख सदा लूकन छु पैगाम।

कृष्ण गव ज़ुलमु अयवानन सु भगराय
यम्युक दंसलाबु अपज़िस तालि तंच़ आय।

कृष्ण गव मकसदुक नज़दीक मंज़िल
अमिस निश सारिनुय हासिल कुनुय दिल।

7/25

नाहं प्रकाशः सर्वस्य योगमायासमावृतः ।

मूढोऽयं नाभिजानाति लोको मामजमव्ययम् ॥२५॥ वेदाहं समतीतानि वर्तमानानि चार्जुन ।

इच्छाद्वेषसमुत्थेन द्वन्द्वमोहेन भारत । सर्वभूतानि संमोहं सर्गे यान्ति परंतप ॥२७॥

CC-0 Agamnigam Digital Preservation Foundation,Chandigarh.Funding by IKS-MoE-2025-Grant

25/1

Gandhi Memorial College Of Education Bantalab Jammu

کرشن گو دؤن سمت گرھنک سمندر
اوتھ وانتھ بنان پرتھ قطرٕ ساگر

کرشن گو یکدلی ہند اکھ سہ آگر
وزان ییتھ نش چھ بدھ موتتال تے سر

کرشن گیتایہ ہند گہتے منج آش
گٹہ، تارکین منز سریہ پرکاش

کرشن گو اکھ پوتر روپ پریمک
تصور دل پسند سوندر شریک

کرشن گو زلزلہ کرودس تہ کاہس
سہ خالص سون کران کم مایہ ترامس

کرشن ہردچ چھ پنز آئینہ داری
اہنکارس بناوان انکساری

CC-0 Agamnigam Digital Preservation Foundation Chandigarh Funding by IKS-MoE-2025-Grant

Gandhi Memorial College Of Education Bantalab Jammu

कृष्ण गव दुन समुत गछ़नुक समन्दर
ओतथ वातिथ बनान हर कतर सागर।

कृष्ण गव यकदिली हुंद अख सु आगुर
वुज़ान यथ निश छु मदमोत ताल तय सुर।

कृष्ण गीतायि हुंद गाह तय मनुव आश
गटन तारीकियन मंज़ सिरियि प्रगाश।

कृष्ण गव अख पवित्र रूप प्रेयमुक
तसव्वुर दिलरुबा सोंदर शरीरुक।

कृष्ण गव ज़लज़ला क्रूधस त कामस
पु खालिस सून करान कम मायि आमस।

कृष्ण हृदयिच छ पंज़ आईन दोरी
अहंकारस बनावान इन्कसोरी।

7/28

येषां त्वन्तगतं पापं जनानां पुण्यकर्मणाम्।
ते द्वन्द्वमोहनिर्मुक्ता भजन्ते मां दृढव्रताः॥
जरामरणमोक्षाय मामाश्रित्य यतन्ति ये।
ते ब्रह्म तद्विदुः कृत्स्नमध्यात्मं कर्म चाखिलम्॥२९॥
साधिभूताधिदैवं मां साधियज्ञं च ये विदुः।
प्रयाणकालेऽपि च मां ते विदुर्युक्तचेतसः॥३०॥

CC-0 Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh Funding by IKS-MoE-2025-Grant

28/7

Gandhi Memorial College Of Education Bantalab Jammu

کرشن گو تھنیٔ دوہ دِچھ مائے شہُک سرِیہ
موہس لوبس کنی برِیہ زالونی رِیہ

کرشن گو پوشوُن گنگا یہ سندھ جل
چھلان ہیندس مسلمانس دِلک مل

کرشن گو فکرِ تارن وانسہ ہند وِیتھر
سہ چھا اگُسند؟ سہ گو پرتھ کانسہ ہند وِیتھر

کرشن گو آتما ست آتما یس
تمس سوئرے چھ حاصل دیے یہ گویس

۱۔ مائے = محبت ۲۔ برِیہ = شولہ (شعلہ) ۳۔ موہ = موُیہ یونے
بھ۔ طمع۔ ۵۔ وِیتھر = جاداد ۶۔ ست = دائمی پزر ۷۔ دیے = مہربان
شری بھگوان کا ارشاد دسواں ادھائے

CC-0 Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh. Funding by IKS-MoE-2025-Grant

Gandhi Memorial College Of Education Bantalab Jammu

कृष्ण गव धन्य दुदुच मालय शहुल स्रोह
मुहस लूबस फुनी ब्रोह ज़ालवुन्य रेह।

कृष्ण गव पोशवुन गंगायि हुन्द जल
छलान हें दिस मुसलमानस दिलुक मल।

कृष्ण गव फिकिरि तारुन वांसिहुंद व्युच
सु छा अंचयसुंद ? सु गव प्रथकांसि हुंद व्युच।

कृष्ण गव आत्मा सत आत्मा बस
तमिस सोरुय छु हासिल दयियि गव यस।

مہاساگر کرشن یم دل بناوان
تمے تس منز گونک دردانہ ژھاران
تلاشکو مرتہ گیانکی زیٹھی منزل
شعورس - لاشعورس تم بساوان

महा सागर कृष्ण यिम दिल बनावान ।
तिमय तस मंज़ ग्वनकय दुरदानु छारान ॥
तलाशिय मरनु ज्ञानकय ज़ीठ्य मंज़िल।
शऊरकय ला शऊरकय तिम बसावान ॥

10/1

भगवान् श्रीकृष्णचन्द्रजी बोले.

CC-0 Agamnigam Digital Preservation Foundation,Chandigarh.Funding by IKS-MoE-2025-Grant

भूय एव महाबाहो शृणु मे परमं वचः।
यत्तेऽहं प्रीयमाणाय वक्ष्यामि हितकाम्यया ॥१॥
न मे विदुः सुरगणाः प्रभवं न महर्षयः।
यो मामजमनादिं च वेत्ति लोकमहेश्वरम्।
असंमूढः स मर्त्येषु सर्वपापैः प्रमुच्यते ॥

Gandhi Memorial College Of Education Bantalab Jammu

نَے ہٕورلی

ہے ! نَے چھَ گرٕھان ہٕشولہٕ وٕہان، نارٕ ہٕسہٕ نارٕ
رٕبہٕ ژینٕونٕین کرٕشنہٕ ژہٕ کُن
لارٕ ہٕسہٕ لارٕ

— - —

لاہوٕ تہٕ بیٖچھ زٕژھ کران کنٕزٕ کنگس طورٕ
آکاشہٕ ہیٛٹھک سرٕ یہٕ ژہٕ نش
جارٕ ہٕسہٕ جارٕ

— - —

دِل پانہٕ برٕہان ۔ کیاہ چھ دُیی ۔ کتھ چھ دُنان ہیٛرٕ
یِم چانہٕ نِہج پکی تہٕ سپدی
یارٕ ہٕسہٕ یارٕ

— - —

CC-0 Agamnigam Digital Preservation Foundation Chandigarh Funding by IKS-MoE 2025 Grant

تجھی سے ہے ... دلیری ہر سانس خرد عقل قلب حقیقت شناس

Gandhi Memorial College Of Education Bantalab Jammu

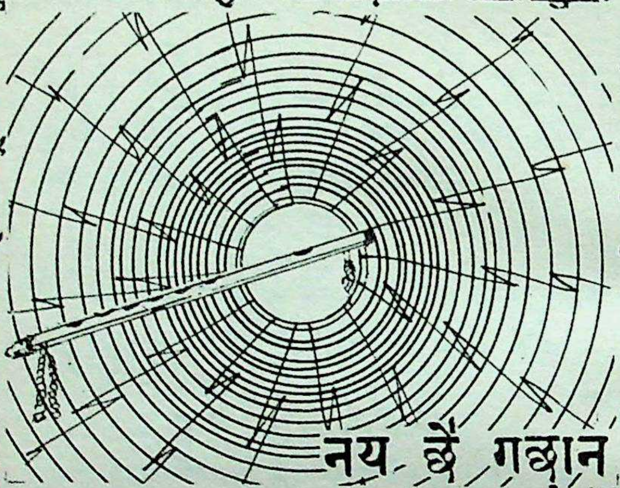

नय छें गछ़ान

हे नय छें गछ़ान, शोलु वुहान, नार हसा नार !
रेंह चेनवन्यन कृष्ण चेंकुन
लार हसा लार !

लाहूत प्यठ'च जच् छें करान कुनिरु' कँगस तूर,
आकाशि प्यठुकं सिरियि च्रे निश
जार हसा जार !

नोटः-
१ लाहूत—तस्सवुफक थोद मुकाम २ कोहि तूर ।

दिल पानुब्रमान क्या छें दुई कथ छि वनान वैर
यिम चानि नेहंज पेक्य त सपद्य
यार हसा यार !

10/4

बुद्धिर्ज्ञानमसंमोहः क्षमा सत्यं दमः शमः ।
सुखं दुःखं भवोऽभावो भयं चाभयमेव च ॥४॥
अहिंसा समता तुष्टिस्तपो दानं यशोऽयशः ।
भवन्ति भावा भूतानां मत्त एव पृथग्विधाः ॥५॥
महर्षयः सप्त पूर्वे चत्वारो मनवस्तथा ।
मद्भावा मानसा जाता येषां लोक इमाः प्रजाः॥

CC-0 Agamnigam Digital Preservation Foundation,Chandigarh.Funding by IKS-MoE-2025-Grant

Gandhi Memorial College Of Education Bantalab Jammu

گوپالہ ! یژھکھ آر پلس آب کرکھ آب

اکھ ژرہ تہ دوہ دس ہوکھ لگان

دار ہیسہ دار

یم چانہ کلے پھٹے تہ چھیکھ وتھ تہ پیدی وتھ[2]

تم قلنہ من ترٛی تار ہوشکھ

تار ہیسہ تار

[2] دریاو

دھن نار لولہ : کینہہ مگر من چھ گنجک نیاس

یس نار ژنہ پتھ تس نہ گنج

نار ہیسہ نار

نار تھ تہ زلو نم ، کرشنہ لوبم من مہ سرفراز[2]

اتھ پریمہ تیجے پیٹھ مہ گندم

زار ہیسہ زار

[2] پرس

CC-0 Agamnigam Digital Preservation Foundation,Chandigarh Funding by IKS-MoE -2025-Grant

Gandhi Memorial College Of Education Bantalab Jammu

इति मत्वा भजन्ते मां बुधा भावसमन्विताः ॥

गूपाल् यछ्ख आर् पलस आब करख आब
अख चह त दोदस होंखरि लगान
दार हसा दार !

यिम चानिकले फंट्य त चेंयख व्यथ त सप्द्य व्यथ,
तिम कुलज़ुमन तेर्य तार् मोंशुख
तार हसा तार !

धन हार् नोंला, कें ह न मगर मन छु गंजुक न्यास,
युस हारि चें पथ, तस न कुनिच ।
हार हसा हार ।

हारिथ ति ज़्यूनुम कृष्ण लबुम मन मे सरफ़राज़
अथ प्रेम् पेंज, प्यठ मे र्युंदुम
ज़ार हसा ज़ार ।

नोट — १ सरफ़राज़—प्रसन्न, खोश ।

10|7

मच्चित्ता मद्गतप्राणा बोधयन्तः परस्परम् । कथयन्तश्च मां नित्यं तुष्यन्ति च रमन्ति च ।

अहं सर्वस्य प्रभवो मत्तः सर्वं प्रवर्तते । सोऽविकम्पेन योगेन युज्यते नात्र संशयः ॥७॥

एतां विभूतिं योगं च मम यो वेत्ति तत्त्वतः।

CC-0 Agamnigam Digital Preservation Foundation,Chandigarh.Funding by IKS-MoE-2025-Grant

7/10

Gandhi Memorial College Of Education Bantalab Jammu

لچھ وأنسہ گژھتھ کرشنہ ژ ما پکھ تہٕ مہکھ دِل
اتھ زِنمہ پھرِس ژٕہیہ چھُ لگان
پیار ہیٚسہٕ پیار

ژٕہیہ = سات

—.—

کُملاوُ ہیٚنہ وُٹھ تہٕ گٕہے پھرتہٕ مہٕ کُن نیٚین ! نیٚین = اَچھ
یوٗد تیٖر نظر دِکھ تہٕ دَپے
مار ہیٚسہٕ مار

—.—

کرشنا ! مہٕ دِتِھم سوز نتےٚ نےٚ مہٕ دِلس زٕدی
چھس دوٗہ ہیٚن سُہہن ہلیٚٹھ یِتھ وَنگ ہیو کھ
دار ہیٚسہٕ دار

دار = دِود دار

—.—

موٗرلی چھ ندا ۔ ہاتفیٖ نےٚ ۔ شہ چھُ امیٚک زرو
رُح بالہٕ کرشن ، فاضلیٖ یم
شار ہیٚسہٕ شار !

ہاتف = فرشتہ

CC-0 Agamnigam Digital Preservation Foundation Chandigarh Funding by IKS-MoE-2025-Grant

۱۔ وہ رہتے ہیں یاد دل مرے ذوق سے ، وہ کرتے ہیں پوجا ہری شوق سے

Gandhi Memorial College Of Education Bantalab Jammu

नाशयाम्यात्मभावस्थो ज्ञानदीपेन भास्वता ॥

परं ब्रह्म परं धाम पवित्रं परमं भवान् । पुरुषं शाश्वतं दिव्यमादिदेवमजं विभुम् ॥१२॥

लछ वांस् गछिथ कृष्ण् च् मा यिख त् मुहकमन
अथ ज़न्म् फिरिस च़्युह छु लगान
प्यार हसा प्यार।

कुमलाव हना वुठ त् गहे फिर त् मेंकुन नैन
योंद तीरि नज़र दिख त् दपय
मार हसा मार।

कृष्णा मे छ्यु तथभ सोज़ नतय नय म्य दिलस ज़्य
छस दोन शहन प्यठ पथ वनुक
होंख दार हसा दार।

मोरली छु निदा, हातफुन्य लय, शह छु अम्युक ज़ुव
रुह बाल् कृष्ण् फांज़िलन्य यिम
शार हसा शार।

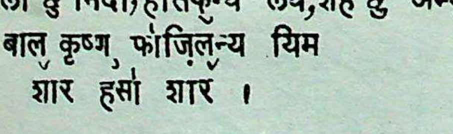

तेषामेवानुकम्पार्थमहमज्ञानजं तमः ।

ददामि बुद्धियोगं तं येन मामुपयान्ति ते ॥१०॥

तेषां सततयुक्तानां भजतां प्रीतिपूर्वकम् ।

CC-0 Agamnigam Digital Preservation Foundation Chandigarh.Funding by IKS-MoE-2025-Grant

१०/१०

Gandhi Memorial College Of Education Bantalab Jammu

موٗرلی تہٕ موٗرلی درٕ

کرشنہٕ موٗرلی پیکرِ سوز و گداز
دِلربا، دِلکش، ہوٗد رتے دِلنواز
ے اَچھِ عرفاں تہٕ شہٕ قدسی صفات
پانہٕ موٗرلی درٕ چھُ سرتا پا مجاز

میژونے

میژونے ییٚرانہٕ سیمیچ بانسری زان
بہانہٕ ! گوٗرھ و چھُن نے کُس چھُو ایان
شریک سوز لافانی شہس تام
شہُک مایک کرشن اوتار انسان

CC-0 Agamnigam Digital Preservation Foundation Chandigarh Funding by IKS-MoE-2025-Grant

Gandhi Memorial College Of Education Bantalab Jammu

मोरलीदर

कृ॒ण मो॒रली पैंकरे सोज़ो गुदाज़,
दिलरुबा, दिलकश, सो॒न्दर तय दिलनवाज़ ।
लय अमिच इरफ़ान त॒ शह कुदसी सिफ़ात
पान॒ मो॒रलीदर छु सर ता पा मजाज़ ॥

नोट :-

१ पंकर—कालब, जिसम=मुज्जसम
२ कुदसीसिफात—रूहानी गोण थवन वोल
३ मोरलीदर—मरली वोल, कृष्ण जी ।

मेंचि़व नय

मेंचि़व नय प्रानि वकत॒च बाँसुरी ज़ान
बहानय, गोंछ़ वुछुन, नय कुस छु वायान
शरीरुक सोज़ लाफ़ानी शहस ताम
शुहुक मोंलिक कृ॒ष्ण अवतार इन्सान ॥

नोटः-

१. नय—मो॒रली

न हि ते भगवन्व्यक्तिं विदुर्देवा न दानवाः ॥
सर्वमेतदृतं मन्ये यन्मां वदसि केशव । आसितो देवलो व्यासः स्वयं चैव ब्रवीषि मे ॥१३॥
आहुस्त्वामृषयः सर्वे देवर्षिर्नारदस्तथा ।
स्वयमेवात्मनात्मानं वेत्थ त्वं पुरुषोत्तम । भूतभावन भूतेश देवदेव जगत्पते ॥१५॥

CC-0 Agamnigam Digital Preservation Foundation,Chandigarh.Funding by IKS-MoE-2025-Grant

Gandhi Memorial College Of Education Bantalab Jammu

کرِشن بانسُری ہیتھ بُرِتھ سیٚنٛجر زَن اَتھ
یہِ مُستیِ تہٕ فرہیٚتھ چھ زَن لوٗزوٗنی چیٚتھ
یہِ سنٛگیٖت چیٚتھ آے کرِشناٰ
یہِ ہوٚ رٕلی ہوٚدِر مائے کرِشناٰ
تہِ زٕگتس یہِ نٔے وائے
کرِشنا کرِشنا!

CC-0 Agamnigam Digital Preservation Foundation,Chandigarh.Funding by IKS-MoE-2025-Gran

۱۶- کرس آپ جھ ترِ ململ عیاں، جلال تقدس کا واضح نشان

Gandhi Memorial College Of Education Bantalab Jammu

ژٕ شوقہٕ سانٛ رُمَس رُمَس اگر کرٛشن گرَکھ
مرَگھ ژٕمرنہٕ برٛونٛہہ - توٚے نسہٕ ژٕ زنٛہہ مرَکھ
چھ زنمہٕ پھِری لگاں تمِن مشد گژھاں یمِن
ترَکھ ژٕ بوسرَس اگر کرٛشن کرٛشن کرَکھ

चुँशोकु सान रुमस रुमस अगर कृष्ण गरख
मरख चुं मरन ब्रोंह-तवय नसां चु ज़ांह मरख
छि जनमुं फिरय लगान तिमन मांशिद गछान यिमन
तरख चु मबसरस अगर कृष्ण कृष्ण करख।

कृष्ण बान्सुरी ह्यथ बंरिथ सेहर ज़न अथ
यि मंस्ती तु फ़रहय छि ज़न बोज़वुन्य चथ

यि संगीत चथ आय कृष्णा !
यि मीरलो मोदर माय कृष्णा !

चु ज़गतस यि नय वाय, कृष्णा कृष्णा !

केषु केषु च भावेषु चिन्त्योऽसि भगवन्मया ॥
विस्तरेणात्मनो योगं विभूतिं च जनार्दन । भूयः कथय तृप्तिर्हि शृण्वतो नास्ति मेऽमृतम् ॥
कथं विद्यामहं योगिंस्त्वां सदा परिचिन्तयन् । याभिर्विभूतिभिर्लोकानिमांस्त्वं व्याप्य तिष्ठसि ।
वक्तुमर्हस्यशेषेण दिव्या ह्यात्मविभूतयः ।

CC-0 Agamnigam Digital Preservation Foundation,Chandigarh.Funding by IKS-MoE-2025-Grant

Gandhi Memorial College Of Education Bantalab Jammu

یہ لے زن منس نار   دزان زن ژندن دار
کران رٕچھ بیدار   یہ یس لوگ سہ ہشیار
تمس کینہہ نہ پرواے کرشنا!
یہ مورلی گرشم کرلے کرشنا!
منس کینہہ نہ پرواے
کرشنا کرشنا

یہ لے بوزنک ہیس   دوان الیشور یس
سہ یوگس اندر مس   کران ستشجہاتس
تمس نش پرژر ڈراے کرشنا!
یہ مورلی چھ بڈ شاے کرشنا!
ہیس وتھ چھ سیتر تراے
کرشنا کرشنا

CC-0 Agamnigam Digital Preservation Foundation,Chandigarh.Funding by IKS-MoE-2025-Gran

۱۹ - توٚے سن کے بھگوان لون لب کتا ہیں ارجن مرنے وصف لا انتہا

Gandhi Memorial College Of Education Bantalab Jammu

यि लय ज़्न मनस नार दज़ान ज़्न चंदन दार
करान दिल छु बेदार यि यस लोंग सु हुशियार

तमिस कैंह न परवाय कृष्णा !
यि मोरली ग्रेशम क्राय कृष्णा !

मनस कैंह न परवाय, कृष्णा कृष्णा !

यि लय बोज़नुक ह्यस दिवान ईश्वर यस

सु यूगस अन्दर मस करान शशजहातस
तमिस निश रुच़र द्राय कृष्णा !

यि मोरली छै बंड शाय कृष्णा !
ह्यसच वथ छै स्यज़ त्राय, कृष्णा-कृष्णा !

10|19

श्रीभगवानुवाच

हन्त ते कथयिष्यामि दिव्या ह्यात्मविभूतयः ।
प्राधान्यतः कुरुश्रेष्ठ नास्त्यन्तो विस्तरस्य मे ॥

अहमात्मा गुडाकेश सर्वभूताशयस्थितः ।
अहमादिश्च मध्यं च भूतानामन्त एव च ॥२०॥

आदित्यानामहं विष्णुर्ज्योतिषां रविरंशुमान् ।
मरीचिर्मरुतामस्मि नक्षत्राणामहं शशी ॥२१॥

CC-0 Agamnigam Digital Preservation Foundation,Chandigarh.Funding by IKS-MoE-2025-Grant

Gandhi Memorial College Of Education Bahtalab Jammu

یہ لے پھیر گوشن تہٕ لیٚج لام پوشن
چھ بُلبُل تہٕ توشن حقیقت چھ روشن

یہ ہورلی چھ بے ژھائے کرشنا!
یہ ہورلی چھ یکتائے کرشنا!
یہ بے رنگ بے ژھاے
کرشنا کرشنا

دھرم ہا کرٕ بے تہٕ انسان سیٚٹھاہ تی سیٚٹھاہ جان
یہ سارِی چھ ہانان چھُ منزل سُہ بھگوان
چھ گیتا تہٕ ہمرائے کرشنا!
یہ ہورلی اژ یہ پوزٕ آے کرشنا!
سَمے سور ہمراے
کرشنا کرشنا

CC-0 Agamnigam Digital Preservation Foundation Chandigarh Funding by IKS-MoE-2025-Gran

۲۲۔ سمجھ چھ لو ویدوُن ییٚں لو وید سام ہا مُرٕ دیوتاوُن ییٚں واسو بے نام۔

Gandhi Memorial College Of Education Bantalab Jammu

यि लय फीर गोशन तु लंज लाम पोशन
छि बुलबुल ति तोशन हकीकत छे रोशन
यि मोरली छें त्रे छाय कृष्णा।
यि मोरली छें यकताय कृष्णा!
यि बे रंग बे छाय कृष्णा!

नोट: १ गोशन-तरफातन २ यकताय - समुत करन वाजन ३ बेरंग—बे इमतियाज

धर्म, क्रय त इन्सान स्यठा रुत्य, स्यठा जान
यि सोरी छि मानान छु मंज़िल सु भगवान
छें गीता ति हमराय कृष्णा!
यि मोरलीं चें पोज़ आय कृष्णा!
समय सोर हमराय कृष्णा कृष्णा!

इन्द्रियाणां मनश्चास्मि भूतानामस्मि चेतना ॥ रुद्राणां शंकरश्चास्मि वित्तेशो यक्षरक्षसाम् ।

वेदानां सामवेदोऽस्मि देवानामस्मि वासवः ।

पुरोधसां च मुख्यं मां विद्धि पार्थ बृहस्पतिम् । सेनानीनामहं स्कन्दः सरसामस्मि सागरः ॥

CC-0 Agamnigam Digital Preservation Foundation,Chandigarh.Funding by IKS-MoE-2025-Grant

Gandhi Memorial College Of Education Bantalab Jammu

نۓ ے چھ یکسان کنی ہیندؠ مسلمان
چھُ رحمان بھگوان چھ بھگوان رحمان
دُئی ہنز نہٕ کنٛہہ زاے گرٕشنا!
نہٕ ہو رلی چھ بے نیاے گرٕشنا!
چھُ یکسان بے نیاے
گرٕشنا گرٕشنا

حفاظت یتٕس ہنٛز چھ وتھ مرسلن ؑ ہنٛز
گہے موسیٰ ؑ ہنٛز گہے عیسیٰ ؑ ہنٛز
گُپالا ژٕ نہٕ تھز بجاے گرٕشنا!
نہٕ ہو رلی دِچ جاے گرٕشنا!
ژٕ نہٕ نش یم سمتھ آے
گرٕشنا گرٕشنا

CC-0 Agamnigam Digital Preservation Foundation Chandigarh Funding by IKS MoE 2025-Grant

Gandhi Memorial College Of Education Bantalab Jammu

उच्चैःश्रवसमश्वानां विद्धि माममृतोद्भवम् । ऐरावतं गजेन्द्राणां नराणां च नराधिपम् ॥

नये लय छे यकसान कुनो हेंन्द्य मुसलमान
छु रहमान भगवान, छु भगवान रहमान।
दुई हुंज़ न कांह राय कृष्णा !
यि मुरली छे बे न्याय कृष्णा।
छु यकसान बे न्याय कृष्णा कृष्णा !

नोट:- १ दुई - बैर २ बेन्याय - न्याय रोस

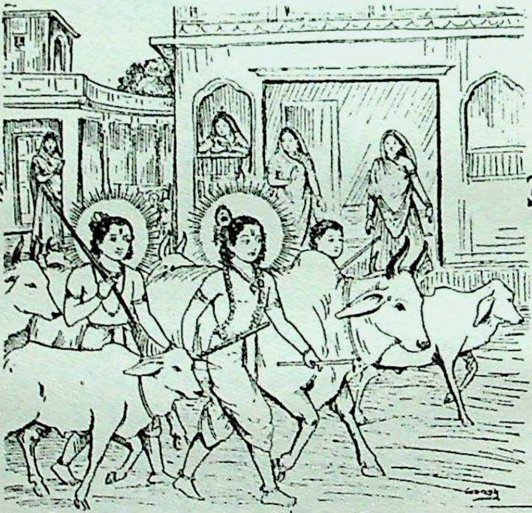

हिफ़ाज़त पशन हुंज़ छे वथ मोरसलन हुंज़
गहे मूसहन हुंज़ गहे ईसहन हुंज़
गुपाल। च्रें थंज़ जाय कृष्णा !
च्रें निश समिथ यिम ग्राय, कृष्णा। कृष्णा।

नोट :- पुश —ह्यवान, २ मारसल—दरजस मंज़
प'गमबरस खसिथ

10/25

यज्ञानां जपयज्ञोऽस्मि स्थावराणां हिमालयः ॥ अश्वत्थः सर्ववृक्षाणां देवर्षीणां च नारदः ।

महर्षीणां भृगुरहं गिरामस्म्येकमक्षरम् ।

CC-0 Agamnigam Digital Preservation Foundation Chandigarh Funding by JKS-MoE-2025-Grant

Gandhi Memorial College Of Education Bantalab Jammu

ژُچھکھ تھُنی، ژُچھکھ تھُنی ژُچھکھ ماچھ ہیو تھُنی

یہ تھُنی سو رگہ کمُی اُنی نفش اتھ چھ بنی بنی

چھ رکیو پڑ تہ سر سائے کرشنا!

یہ مورلی چھ ہسرا یے کرشنا!

حسین ژُ دُبرا یے

کرشنا کرشنا

کرشن جی ژہ چھے جے گنے شہ، گنے پے

کنی نے، کنی نے بیتھی وہ پترھان دے

یمے گوپن ژہ نش دزا یے کرشنا

یہ مورلی! ژہ نش زا یے کرشنا

ژہ جے جے! ژہ لوگ آیے

کرشنا کرشنا

CC-0 Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh Funding by IKS-MoE-2025-Grant

۳۲- قضا ہوں جو کرتی ہے سب کو فنا نئی زندگی کی ہوں میں ابتدا

Gandhi Memorial College Of Education Bantalab Jammu

मासानां मार्गशीर्षोऽहमृतूनां कुसुमाकरः ॥३५॥

चॖ छुख थॅन्य, चॖ छुख थॅन्य, चॖ छुख मांछ ह्यु व थॅन्य
यि थॅन्य मुरगॖ कॅम्य अॅन्य, नकॖश मथ छि बॅन्य बॅन्य,
छु क्यूपिड़ ति सिरसाय क्रूष्णा !
यि मुरली छि ससॖराय क्रूष्णा !
हसोनन चॖ दुबरायॖ, क्रूष्णा क्रूष्णा !

कृष्ण जी चॆ छुय जय, कुनुय शाह कुनुय पय,
कुनी नय, कुनी लय, यिथी विह्च यछ़ान दय,
यिमब गुन चॆ निश द्राय कृष्णा !
यि मुरली ! चॆ थॅज़ जाय कृष्णा !
चॆ जय जय, चॆ लुॅग प्राय कृष्णा कृष्णा !

10/34

मृत्युः सर्वहरश्चाहमुद्भवश्च भविष्यताम् ।
कीर्तिः श्रीर्वाक्च नारीणां स्मृतिर्मेधा धृतिः क्षमा ॥ बृहत्साम तथा साम्नां गायत्री छन्दसामहम् ।
द्यूतं छलयतामस्मि तेजस्तेजस्विनामहम् । जयोऽस्मि व्यवसायोऽस्मि सत्त्वं सत्त्ववतामहम् ।

CC-0 Agamnigam Digital Preservation Foundation Chandigarh Funding by IKS-MoE-2025-Grant

Gandhi Memorial College Of Education Bantalab Jammu

گُلَن ہُنٛد تَرنُّم، تھَرَن ہُنٛد تکلُّم
چھُ مُرلی مۆدُر میۆٹھ گُفتار گفتار
وَزُن شبنمُک، جلترنگ تارکن ہُنٛد

یہ مُرلی سَراپا چھُ سیتار سیتار

دِلَس پۆشِ نوُلے ہێنٛچ زِنٛدہ آواز
یِمَن منٛز چھِ پوٗشیدٕ اَسرار اَسرار

CC-0 Agamnigam Digital Preservation Foundation,Chandigarh.Funding by IKS-MoE-2025-Grant

Gandhi Memorial College Of Education Bantalab Jammu

मौनं चास्मि गुह्यानां ज्ञानं ज्ञानवतामहम् ॥

गुलन हुंद तरंनुम थरचन हुंद तबकलुम,
छै मुरली मुदुर म्यूठ गुफ़तार गुफ़तार।

वजुन शबनमुक, जलतरंग तारुकन हुंद,
यि मुरली सरापा छे सेतार सेतार ।

दिलुच पोश् वन्य लय मनुच जिन्द् आवाज़
यिमन मंज़् छि पूशीद् असरार असरार ।

ग्यव, दुद, त् गुरुस क्याज़ि चि अंदेश करिथ चोथ,
भगवान् ! यहुंद बागि बेंहत शेहजार लुकन वोत।
ज़ुव मंगत् जिगर मंगत्, च् रुह मंगत् दिलो जान,
मीसूम् ! लगय क्याज़ि असी चूरि मक्खन रुयोथ॥

10/37

दण्डो दमयतामस्मि नीतिरस्मि जिगीषताम् ।
मुनीनामप्यहं व्यासः कवीनामुशना कविः ॥

यच्चापि सर्वभूतानां बीजं तदहमर्जुन ।
न तदस्ति विना यत्स्यान्मया भूतं चराचरम् ॥

वृष्णीनां वासुदेवोऽस्मि पाण्डवानां धनंजयः ।

CC-0 Agamnigam Digital Preservation Foundation,Chandigarh.Funding by IKS-MoE-2025-Gran

Gandhi Memorial College Of Education Bantalab Jammu

بالہٕ کرشنن یام دٕژنم آگہی

یادِ گو ہرِ دِسِس ہیہ ذوقِ بندگی

بانسُری ہُنٛد شہ چھُ یہ پرٛیمک اُتما

بانسُری ہنٛزے چھ سازِ دِلبری

بوزِ وٕنی دۄپ نے خۄدی ہُنٛد رُوپ رنگ

اَتھ خۄدی پیٛٹھ چھِ فدا لچھ بے خۄدی

وِچھ امی مۄہ لی حٔقیقژ واش کوٚڈ

کوٚر امی ظاہر نہ اَوتار گو نبی

یکدِلی ہنز کرٕ وہیان سوٗرخ دسفید

فاضلا! موٗرلی پٔنُن رنگ قوٗدرتی

CC-0 Agamnigam Digital Preservation Foundation Chandigarh Funding by IKS-MoE-2025-Grant

Gandhi Memorial College Of Education Bantalab Jammu

यद्यद्विभूतिमत्सत्त्वं श्रीमदूर्जितमेव वा। तत्तदेवावगच्छ त्वं मम तेजोंऽशसंभवम् ॥४१॥

बाँसुरी

बालकृष्णान याम दिच़नम आगंही[1]
पांद़ गव हृदयस[2] म्य ज़ौके[3] बंदगी।

बाँसुरी हुंद शह छु प्रेमुक आत्मा
बाँसुरी हुंज़ लय छै साज़े दिलबरी।

बोज़वुन्य दो'प नय "खोंदी" हुंद रूप रंग
अथ खोंदी प्यठ छय फ़िदा लछ "बेखोंदी"

वुछ अमी मोरली हक़ीकच़ वाश कोंड
कोंर अमी ज़ाहिर ज़्रि अवतार गव नबी।

यकदिली[4] मंज़ कर व्यपान सुरखो सफ़ेद
"फ़ाज़िला" मोरली पनुन रंग क़ुदरती

नोट : 1. जाग्रती, ह्यस 2. दिलस, 3. शोक
4. हिशर

10/40

नान्तोऽस्ति मम दिव्यानां विभूतीनां परंतप। एष तूद्देशतः प्रोक्तो विभूतेर्विस्तरो मया ॥४०॥

अथवा बहुनैतेन किं ज्ञातेन तवार्जुन। विष्टभ्याहमिदं कृत्स्नमेकांशेन स्थितो जगत् ॥

CC-0 Agamnigam Digital Preservation Foundation,Chandigarh Funding by IKS-MoE-2025-Grant

Gandhi Memorial College Of Education Bantalab Jammu

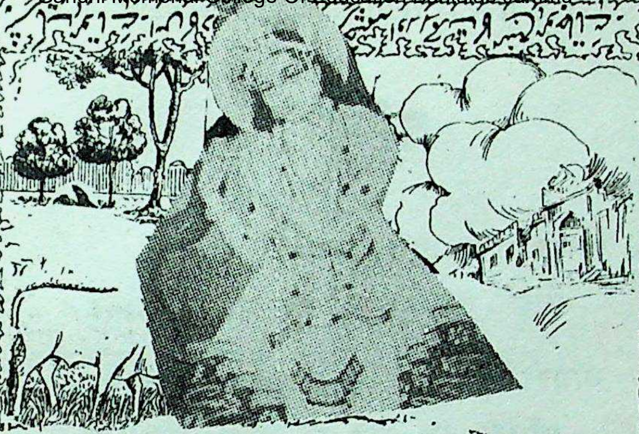

بے خبر یا ٹھی کرشنہٖ لالن گورنس

مرتبس منز ہیر ہیور ہیور کھورنس ‏ ؎درجہ

اتھ اندر میانین اتھن منز اوس کیاہ

واو ہالین منز بہ سودرس تورنس ‏ ؎ساگرس

Unconscious mind — Conscious mind

شعورس لاشعورس منز کرشن آم

وچھم زن سریہ، لیکن رنگ سیاہ فام

سہ باہتھ دارشنگی برہ وتھی چھ ترا وان

وچھان تس گوپین سیتی ایشور تام

CC-0 Agamnigam Digital Preservation Foundation,Chandigarh.Funding by IKS-MoE-2025-Gran

گیانی کو جب عرفان باری حاصل ہو جاتا ہے تو اس کے لیے ہر طرف ایک ہی پرماتما کا

Gandhi Memorial College Of Education Bantalab Jammu

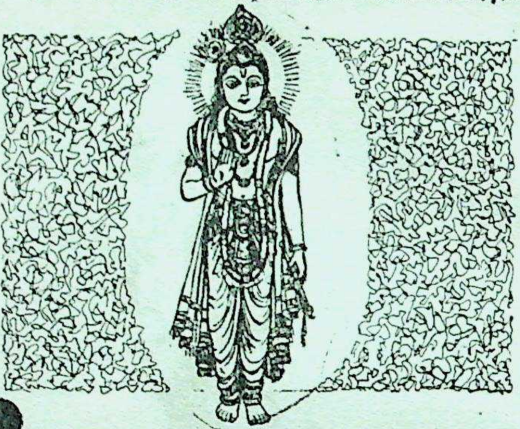

वेख़बर पा'ठ्य कृष्णु' लालन गोरनस,
मरतबस मंज़ हेरि ह्यो'र 'ह्यो'र खोरनस।
अथ अन्दर म्यान्यन अथन मंज़ ओस क्याह,
वाव् हाल्यन मंज़ ब' सो'दरस तोरनस।

शऊरस लाशऊरस मंज़ कृष्ण आम,
वुछुम जन सिरियि लेकिन रंगु सियाह फाम।
सु यामथ दर्शनुक्य बर वंथ्य छु आवान,
वुछान तस गूपियन स्'त्य ईश्वर ताम।

11|1

अर्जुन उवाच

मदनुग्रहाय परमं गुह्यमध्यात्मसंज्ञितम् ।
यत्त्वयोक्तं वचस्तेन मोहोऽयं विगतो मम ॥१॥
भवाप्ययौ हि भूतानां श्रुतौ विस्तरशो मया ।
त्वत्तः कमलपत्राक्ष माहात्म्यमपि चाव्ययम् ॥२॥
एवमेतद्यथात्थ त्वमात्मानं परमेश्वर ।
द्रष्टुमिच्छामि ते रूपमैश्वरं पुरुषोत्तम ॥३॥

CC-0 Agamnigam Digital Preservation Foundation,Chandigarh.Funding by IKS-MoE 2025-Grant

Gandhi Memorial College Of Education Bantalab Jammu

● دِلَن گوٚ دِین وٕ دَھرمُک آبروٗ کَم
چھُ اوٚگون پھانپھلاوان اِبنِ آدَم
ژٕہیکھ اَوتارٕ سَت یوٗگ پھِر وٲپس
اَوے کِنہ پیارٕنٛج کَل آشہٕ ہُشر چھَم

۱۔ اوٚگون = بدصِفت ۲۔ اِبنِ آدم = اِنسان ۳۔ اَوتارٕ یِوٚن = ییٚنہٕ زٕلوٚن۔

CC-0 Agamnigam Digital Preservation Foundation,Chandigarh Funding by IKS-MoE-2025-Grant

Gandhi Memorial College Of Education Bantalab Jammu

यदि मामप्रतीकारमशस्त्रं शस्त्रपाणयः।
धार्तराष्ट्रा रणे हन्युस्तन्मे क्षेमतरं भवेत् ॥४६॥

संजय उवाच

एवमुक्त्वार्जुनः संख्ये रथोपस्थ उपाविशत् ।
विसृज्य सशरं चापं शोकसंविग्नमानसः ॥४७॥

صحیح وتھ رٹھ! کرشن چھے ستی پانس
سُہ میلتھ سنزرکس ذرس ذراتس
جہانس سور ستھ یام تار لبنچ
نجاتچ رز کرتھ لاگس کنارس

संहो वथ रठ ! कृष्ण छुय सुत्य पानस
सुमीलिथ पज़रकिस जरस ज़ुरातस।
जहांनस सोरि सथ याम तार लबनुच,
नजातचि रज़ करिथ लाग्यस किनारस।

1/47

दिलन गव दीनु धर्मुक आबिरू कम,
छु अवगोन फांफुलावान इन्नि आदम।
चु ह्यख अवतार सतयोग फेरि वापस,
अवय किन्य प्रारनुच कल आशिहच्छम ॥

अवगोण—बदसिफत,:— काम, क्रोध, लोभ. मोह, अहंकार
याने शहवथ, चख. मालय, तमाह त गुरूर

1/46

CC-0 Agamnigam Digital Preservation Foundation Chandigarh Funding by IKS-MoE-2025-Grant

Gandhi Memorial College Of Education Bantalab Jammu

یامتھ یہ آدم دین و دھرمک پراٹھ یہ سمسار
گیتا چھ شاہد کرشنہ گوپال سپد نمودار
تس سپد بے دینن ادھرمن تے یچھن ستی جنگ
میژ خاک سپدن چھیکرس ظالم تہ خطا کار

CC-0 Agamnigam Digital Preservation Foundation,Chandigarh.Funding by IKS-MoE-2025-Grant

Gandhi Memorial College Of Education Bantalab Jammu

गाण्डीवं स्रंसते हस्तात्त्वक्चैव परिदह्यते ।

گیتا

کرشن جی ارجنس اسرار باوان
تمن ہُند آنہ گیتا گاشراوان
سلوک نابد تہ الہامی شبد قند
پرن والس چھ امرت دامہ چاوان

कृष्ण जी अर्ज़ुनस असरार बावान,
तिमन हुंदु आंनु गीता गाशरावान ।
श्लोक नाबद त इलहामी शब्द कंद,
परन वॉलिस छि अमृत दाम चावान ॥

यामत यि आदम धर्मुबुद्दीनुक प्राटि यि संसार,
गीता छि शाहिद, कृष्ण गूपाल सपदि नमूदार ।
तस सपदि बे दीनन, अधर्मन तय यछन सूत्य जंग,
मेंच़ खाक सपदन छेकरस बेदीन तु खताकार ।

न च शक्नोम्यवस्थातुं भ्रमतीव च मे मनः ॥

सीदन्ति मम गात्राणि मुखं च परिशुष्यति । वेपथुश्च शरीरे मे रोमहर्षश्च जायते ॥२९॥

दृष्ट्वेम स्वजन कृष्ण युयुत्सु समुपस्थितम् ॥२८॥

CC-0 Agamnigam Digital Preservation Foundation,Chandigarh.Funding by IKS-MoE-2025-Grant

Gandhi Memorial College Of Education Bantalab Jammu

یام دھرتی پیٹھ سُیُد ہُدی یانہٕ عام
ژٕ کرِہنٛدی پاٹھیٛ تٔرنہٕ یِگِ کورُو تمام
ستٕ نموٗدارٕ گو اَسٕت کو فوٗرٕ گو
کوٗرہِ سرِی کرٕشنَن صحیٖ سمیُک نظام

CC-0 Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh Funding by IKS MoE-2025-Grant

Gandhi Memorial College Of Education Bantalab Jammu

याम दरती प्यठ सपुद मुदियानॖ आम,
च़क्रि हिद्य पाॅठ्य नच़नि लॅग्य कोरव तमाम।
सत नमूदार गव असथ काफ़ूर गव,
कॊ॑र श्रीकृष्णन सेही समयुक निज़ाम ॥

CC-0 Agamnigam Digital Preservation Foundation,Chandigarh.Funding by IKS-MoE-2025-Gran

Gandhi Memorial College Of Education Bantalab Jammu

چھُ بھگون ناسہِ تراسن بیخ گالان ۔ دغابازن چھُ مۄتُک پیالہٕ چاوان
گٹن منز پھاٹوان جیون اُدھرمن
سُہ دین دار: حق پرستن تارٕ تاران

छु भगवान नासुं त्रासन बेख़ ज़लान ।
दग़ाबाज़न छु मोतुक प्यालुं चावान ॥
घटन मन्ज़ फाटुंवान ज़ीवन अधर्मन ।
सु दीन्दार : हक़ परसतन तारुं तारान ॥

CC-0 Agamnigam Digital Preservation Foundation Chandigarh.Funding by IKS-MoE-2025-Grant

Gandhi Memorial College Of Education Bantalab Jammu

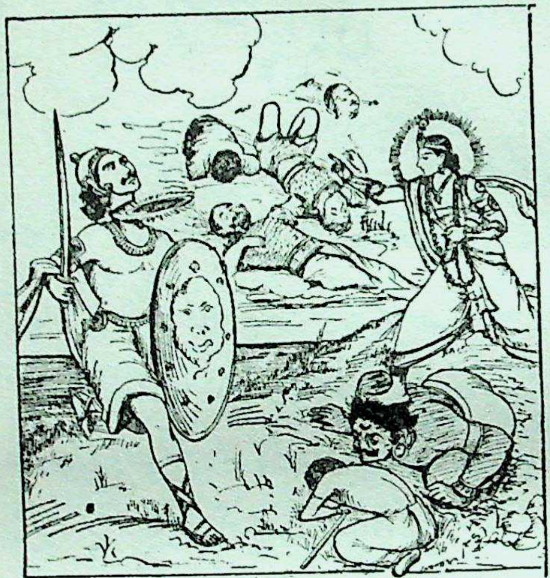

ستمگارو ستم کوٚر پانٛی پانس
مہابھارت پھِرن روٗد پرتھ زمانس
تُلِو پزرٕچ علم پوٚز روزِ قایم
سبق دِیت کرشنہٕ اوتارن جہانس

सितम गारव सितम कोर पा॑न्य पनस।
महाभारत फ़िरुन रूद प्रथ ज़मानस ॥
तुलिव पज़रुच्य अलम, पो॑ज़ रोज़ि क़ा॑इम
सबख़ द्युत कृष्ण अवतारन जहानस ॥

CC-0 Agamnigam Digital Preservation Foundation Chandigarh Funding by IKS-MoE 2025-Grant

Gandhi Memorial College Of Education Bantalab Jammu

کرشن کہانی

اُگرسین اور دیوک دو بھائی تھے۔ اُگرسین متھرا کے راجہ تھے۔ دیوکی ایک کنیا تھی۔ اُس کا بھائی کنس تھا۔ کنس بہن کے ناطے دیوکی کو بے حد پیار کرتا تھا۔ دیوکی بالغ ہوئی دیکھ کر بہمہ صفت موصوف شورسین کے بیٹے واسدیو کے ساتھ بیاہی گئی۔ کنس کو دیوکی کی شادی سے بے حد خوشی ہوئی۔ اُس نے دیوکی کو جہیز میں کافی دھن دیا۔ اور بے حد خوشی کے ساتھ بہن کو الوداع کر رہا تھا کہ آسمان سے آواز آئی کہ ہے راجہ کنس! جس بہن کو تُو اتنا پیار کرتا ہے اُس کا آٹھواں بیٹا تمہارا قاتل ہوگا۔ جب کنس نے ایسا سُنا تو حیران رہ گیا کہ یہ میں نے کیا سُنا۔ اچانک پھر یہی آواز آئی۔ کنس کو بہت غُصہ آیا اور قصد کیا کہ دیوکی کے بطن میں ہی اس کے آٹھویں بیٹے کو مار دیا جائے وہ اس طرح کہ جنم لینے سے پہلے ہی اُس کی ماں دیوکی کو موت کے گھاٹ اُتاروں اس کا بیٹا اس کے بطن میں مر جائے۔ وقت آنے پر کنس نے دیوکی کے بال پکڑ کر اس کو مارنے کے لئے تلوار

پہلا ادھیائے۔ حضرت نارد نے کہا:

CC-0 Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.Funding by IKS-MoE 2025-Grant

Gandhi Memorial College Of Education Bantalab Jammu

कृष्ण कहानी

लेखक

मानस-किंकर कौशलकिशोर दास

उग्रसेन और देवक दो भाई थे। उग्रसेन मथुरा के राजा थे। उनका पुत्र कंस था। देवकी देवक की कन्या थी। छोटी बहिन होने के नाते कंस देवकी को अत्यन्त स्नेह करता था। देवकी को विवाह योग्य हुई देखकर सर्व-गुण सम्पन्न शूरसेन के पुत्र वसुदेव के साथ देवकी का विवाह स्थापित कर दिया। कंस को देवकी के विवाह की अत्यन्त खुशी थी उसने देवकी को दहेज में बहुत धन दिया और अधिक स्नेह होने के कारण कंस देवकी को स्वयं रथ में बैठा कर विदा करने गया। जिस समय कंस देवकी को विदा कर रहा था उसी समय आकाशवाणी हुई कि हे ! राजा कंस जिस बहिन को तू इतना स्नेह करता है उसी का आठवाँ पुत्र तेरा काल होगा। जब कंस ने इस प्रकार सुना तो वह आश्चर्य में पड़ गया कि यह क्या कहा। तो फिर वही आकाशवाणी पुन: हुई सुनकर कंस को बड़ा क्रोध आया तब कंस ने सोचा कि इसके गर्भ से ही वह आठवाँ पुत्र जन्म लेगा, अत: इसी को मार दूँ जब ये ही नहीं रहेगी तो फिर पुत्र कहाँ से होगा। ऐसा सोच कर

धृतराष्ट्र उवाच

धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ।
मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत संजय ॥१॥

संजय उवाच

दृष्ट्वा तु पाण्डवानीकं व्यूढं दुर्योधनस्तदा ।

पश्यैतां पाण्डुपुत्राणामाचार्य महतीं चमूम् ।
व्यूढां द्रुपदपुत्रेण तव शिष्येण धीमता ॥३॥

CC-0 Agamnigam Digital Preservation Foundation,Chandigarh.Funding by IKS-MoE-2025-Grant

Gandhi Memorial College Of Education Bantalab Jammu

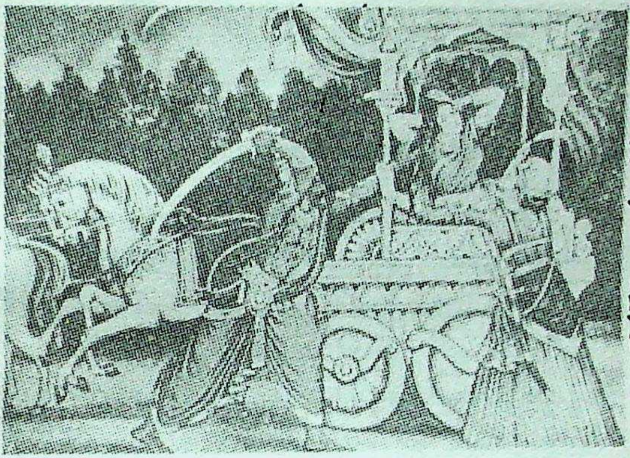

کرشن مہاراج کی ماتا جی کو
بھائی کنس قتل کرنے لگا۔

تاکہ اُس کا بیٹا اُس کے بطن میں ہی مر جائے۔ وقت آنے پر کنس نے دیوکی کے بال پکڑ کر اُس کو مارنے کے لیے تلوار میاں سے نکالی۔

جیسے ہی وہ اُسے مارنے لگا تو کنس نے اُس کا ہاتھ پکڑا اور پرارتھنا کی کہ دیوکی عورت ہے۔ صنف نازک ہے اور آپ کی بہن ہے اور شادی شُدہ ہے۔ اِس لئے آپ اِس کو نہ ماریں۔ اِس کے جو بیٹے ہوں گے ہم اُنہیں آپ کے حوالے کریں گے۔

CC-0 Agamnigam Digital Preservation Foundation,Chandigarh.Funding by IKS-MoE-2025-Grant

نہ لڑائی کو نکلے ہیں اہل خدنگ جو سب ارجن اور بھیم ہیں وقت جنگ

Gandhi Memorial College Of Education Bantalab Jammu

पुरुजित्कुन्तिभोजश्च शैब्यश्च नरपुंगवः ॥५॥

कंस ने देवकी के केश पकड़ कर उसको मारने के लिए तलवार म्यान से निकाली । जैसे ही मारने को तैयार हुआ, वसुदेव ने कंस का हाथ पकड़ कर कंस से प्रार्थना की कि यह स्त्री है, अबला है, आपकी बहिन है, फिर नवविवाहिता है अतः आप इसको न मारें। इसके जो पुत्र होंगे उन्हें हम आपको सौंप देंगे। जब देवकी के

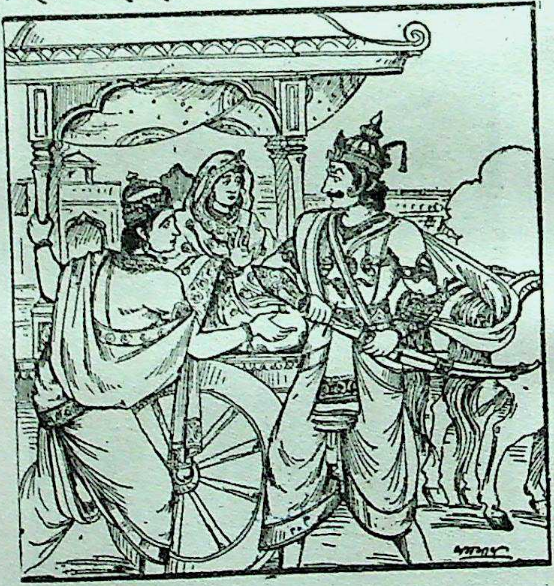

कंस बड़ा पापी था । उसकी दुष्टताकी सीमा नहीं थी । वह भोजवंशका कलङ्क ही था। आकाशवाणी सुनते ही उसने तलवार खींच ली और अपनी बहिनकी चोटी पकड़कर वह उसे मारनेके लिये तैयार हो गया।

1/5

अत्र शूरा महेष्वासा भीमार्जुनसमा युधि ।

युयुधानो विराटश्च द्रुपदश्च महारथः ॥४॥ धृष्टकेतुश्चेकितानः काशिराजश्च वीर्यवान् ।

युधामन्युश्च विक्रान्त उत्तमौजाश्च वीर्यवान् । सौभद्रो द्रौपदेयाश्च सर्व एव महारथाः ॥६॥

CC-0 Agamnigam Digital Preservation Foundation,Chandigarh Funding by IKS-MoE-2025-Gran

Gandhi Memorial College Of Education Bantalab Jammu

کرشن جی نے جنم لیا۔ بھگوان نے ان سے نند جی کے گھر گوکل پہنچانے کے لئے کہا۔ وہاں
ان کے گھر ایک لڑکی پیدا ہوئی تھی جسے یہاں لانے کے لئے کہا گیا۔ واسدیو کے ہاتھوں
سے ہتھکڑیاں کھل گئیں اور دروازوں کے تالے بھی کھل گئے اور سب پہرہ داروں
پر گہری نیند غالب آ گئی۔ واسدیو نے کرشن کو ایک چھاج میں رکھ کر وہاں سے نکالا۔

CC-0 Agamnigam Digital Preservation Foundation,Chandigarh.Funding by IKS-MoE-2025-Grant

لڑائی کو نکلے ہیں اہل خدنگ۔ جو ہیں ارجن اور بھیم ہیں وقت جنگ۔

Gandhi Memorial College Of Education Bantalab Jammu

को नींद आगई। प्रभु देवकी के सामने चतुर्भुजी रूप में प्रकट हुये। तब देवकी ने उनसे शिशु के रूप में बनने की प्रार्थना की और प्रभु छोटे बालक बन गए। भगवान ने उनसे कहा कि हमें गोकुल में नन्दजी के यहां पहुंचा दो और वहां उनके यहां कन्या उत्पन्न हुई है उसको यहां ले आओ। वसुदेव जी के हाथों में पड़ी बेड़ियां खुल गईं। समस्त द्वारों में पड़े ताले स्वयं खुल गए सब पहरेदार गहरी नींद में सो गये। जब श्रीकृष्ण को लेकर वसुदेव चले तो उस समय वर्षा बहुत जोरों से हो रही थी। इसलिये शेषनाग ने अपने फन फैलाकर भगवान के ऊपर छत्रछाया कर दी। उस समय यमुना का जल ऊपर तक बढ़ आया

CC-0 Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh. Funding by IKS-MoE-2025-Grant

Gandhi Memorial College Of Education Bantalab Jammu

واسدیوجی نے کرشن جی مہاراج کو دشمنوں کے چنگل سے پورے احتیاط کے ساتھ نکالا اور سلامتی کے ساتھ جمنا جی کے کنارے پر پہنچ گیا۔ اسی دوران میں موسلا دھار بارش ہو رہی تھی اور جمنا میں کافی پانی چڑھ گیا تھا اور دریا کو عبور کرنا ناممکن تھا۔ اتفاق سے عین موقع پر شیش ناگ نمودار ہوا اور اپنا پھن پھیلا کر بھگوان کے اوپر چھتر سایہ کر دیا۔ بھگوان نے جمنا کے بہاؤ کا مزاج بھانپ لیا اور آہستہ آہستہ چھاج سے اپنا پیر باہر نکالا اور اس طرح جمنا کو اپنے پیر کو بوسہ دینے کا موقعہ فراہم کیا۔ جمنا جی نے اُن کے پیر چوم لئے اور پرسن ہو گئے۔ تو فوراً واسدیوجی کو پار جانے دیا۔

واسدیوجی بھگوان کرشن کو لے کر گوکل پہنچ گئے۔ وہاں اُس وقت نند جی کے گھر میں سب سو رہے تھے۔ واسدیوجی نے کافی راز داری کے ساتھ کرشن جی کو ماتا جسودا جی کے پاس لٹا دیا اور کنیا کو اُٹھا لیا اور متھرا آ کر دیوکی جی کو دے دی۔ جیل خانے میں پہلے ہی کی طرح تالے پڑ گئے۔ لڑکی کا رونا سُنکر تمام پہرے دار جاگ اُٹھے۔ خبر پاتے ہی کنس وہاں آیا۔ مگر بچے کو دیکھ کر معلوم ہوا کہ یہ لڑکی ہے۔

CC-0 Agamnigam Digital Preservation Foundation Chandigarh Funding by IKS-MoE-2025-Grant

Gandhi Memorial College Of Education Bantalab Jammu

अश्वत्थामा विकर्णश्च सौमदत्तिस्तथैव च ॥८॥

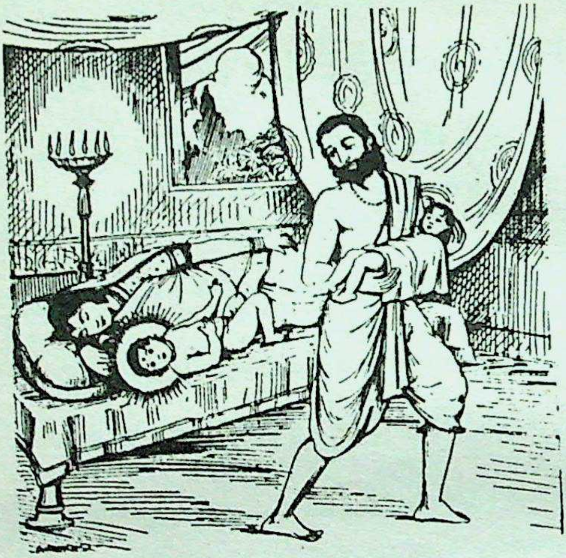

तब भगवान ने उनका भाव समझकर सूप से अपना पैर निकाल कर स्पर्श कराया। यमुना जी चरण स्पर्श कर प्रसन्न हो गई और उन्हें मार्ग देदिया। वसुदेव जब गोकुल पहुंचे तो वहां नन्द जी के घर सब सो रहे थे। अवसर पाकर वसुदेव जी ने माता यशोदा जी के पास कृष्ण जी को लिटा दिया। कन्या को उठा लिया और मथुरा जाकर देवकी को दे दिया। कारागार में पहले की भांति ताले पड़ गये। कन्या का रुदन सुनकर सब पहरेदार जाग गये। खबर पाते ही कंस वहां आया, कन्या को देखकर उसने सोचा ये तो कन्या

अस्माकं तु विशिष्टा ये तान्निबोध द्विजोत्तम।
नायका मम सैन्यस्य संज्ञार्थं तान्ब्रवीमि ते॥७॥
भवान्भीष्मश्च कर्णश्च कृपश्च समितिंजयः।

अन्ये च बहवः शूरा मदर्थे त्यक्तजीविताः। नानाशस्त्रप्रहरणाः सर्वे युद्धविशारदाः॥९॥

47

CC-0 Agamnigam Digital Preservation Foundation Chandigarh. Funding by IKS-MoE 2025-Grant

Gandhi Memorial College Of Education Bantalab Jammu

مگر کہا گیا تھا کہ یہ لڑکا ہوگا، لیکن تب ہی دیوتاؤں کی مایا کا وچار آتے ہی جونہی کنیا کو زمین پر پٹکنے کے لئے اُٹھایا وہ ہاتھوں میں سے نکل کر فضا میں اُڑ گئی اور بولی، ارے راجہ کنس! تو مجھے کیونکر مارتا تُجھے مارنے والا تو گوکل میں پیدا ہو چکا ہے۔ کنس نے دربار میں آکر منتریوں کو یہ خبر سُنائی، تو سب نے کہا کہ یہ تو ہمارے بائیں ہاتھ کا کھیل ہے۔ ہم اس بالک کا پتہ لگا کر اس کا کام تمام کر دیں گے۔ تب کنس نے بہت سے راکھشوں کو کرشن کے مارنے کے لئے گوکل بھیجا، لیکن وہ خود ہی موت کا شکار ہو گئے۔ جو بھی جاتا تھا اُس کو واپس نہ آتے دیکھ کر کنس نے پُوتنا کو بُلایا۔ اُس نے کہا کہ گوکل میں جتنے بھی بچے ہیں، میں اُن سب کو کھا جاؤں گی۔ یہ سُن کر کنس بہت خوش ہوا۔ پوتنا اپنے پستانوں میں زہر بھر کر گوکل میں آئی اور وہاں سب بچوں کو کھا کر نند بھون میں آگئی اور ایک بہت سُندر گوپی کا رُوپ بنا کر جسودا سے کہا کہ میں لالہ کی مبارکباد دینے آئی ہوں اور کرشن جی کو اپنی گود میں لے لیا۔ جسودا جی گھر میں دُوسرے کاموں میں لگ گئی۔ پُوتنا نے زہر بھرے پستان کو بھگوان کے مُنہ میں ڈالا۔ تب پربھو نے دُودھ کے ساتھ اُس کے

CC-0 Agamnigam Digital Preservation Foundation,Chandigarh.Funding by IKS-MoE-2025-Grant

Gandhi Memorial College Of Education Bantalab Jammu

है पुत्र बताया था किन्तु तभी देवताओं की माया का विचार आते ही ज्योंही कन्या को पृथ्वी पर पटकने के लिए उठाया वह हाथ में से आकाश में उड़ गई और बोली अरे ! राजा कंस तू मुझे काहे मारता है तेरे मारने वाला तो गोकुल में पैदा हो चुका है । कंस ने दरबार में आकर मन्त्रियों को यह समाचार सुनाया तो सब ने कहा यह तो हमारे बाएं हाथ का खेल है हम उस बालक का पता लगा कर अभी काम तमाम कर देते हैं । तब कंस ने बहुत से निशाचरों को कृष्ण के मारने के लिए गोकुल भेजा, लेकिन वे स्वयं ही काल का ग्रास बन गए ।जो भी जाता उसको वापिस न आते देख कंस ने पूतना को बुलाया । उसने कहा ! गोकुल में जितने बच्चे हैं मैं सब को खाजाऊंगी । इससे कंस बहुत प्रसन्न हुआ । पूतना अपने स्तनों में विष लगा कर गोकुल में आई । वहां सब बच्चों को खाती जब नन्द भवन में आई तो बहुत सुन्दर गोपी का रूप बना लिया और यशोदा से कहा मैं लाला की बधाई लेकर आई हूं तथा कृष्ण जी को अपनी गोद में ले लिया । यशोदा जी गृह में अन्य कार्य में लग गई पूतना ने विष लिये स्तनों को भगवान के मुंह में डाला तब प्रभु ने दूध के साथ उसके प्राणों को भी पी

CC-0 Agamnigam Digital Preservation Foundation,Chandigarh.Funding by IKS-MoE-2025-Grant

अपर्याप्तं तदस्माकं बलं भीष्माभिरक्षितम् ।

Gandhi Memorial College Of Education Bantalab Jammu

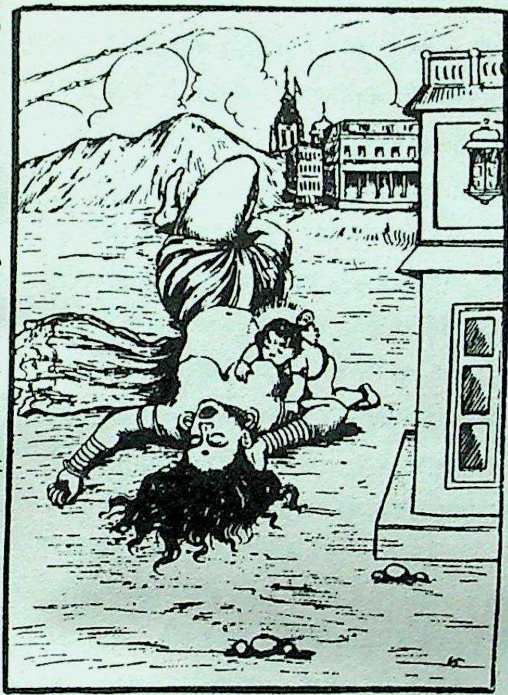

بھگوان کرشن پُوتنا کے پران چوس رہے ہیں

پرانوں کو بھی پی لیا۔ اس طرح شکٹاسُر، بکاسُر اور نرکاسُر وغیرہ بے شمار راکھشوں کا خاتمہ کر دیا۔ بھگوان کرشن پہلے ہی کنس کو بھی مار سکتے تھے، لیکن ان راکھشوں کو بھی مارتا تھا، اس لئے کہ کنس انہیں وہاں بھیجتا تھا اور پھر بھی انہیں آسانی اور کھیل کھیل میں مارتے تھے۔

بھگوان کرشن کی ماکھن لیلا میں بھی سیاست کارفرما تھی، کیونکہ برج کے علاقہ سے سب ماکھن عارتیا بھیجا جاتا تھا۔ بھگوان نے

جنگ کی شورش

۱۳۔ اک ایک اٹھا فوج سے شور و غل، جو ناقوس چلائے گھڑکے دُہل

CC-0 Agamnigam Digital Preservation Foundation,Chandigarh.Funding by IKS-MoE-2025-Grant

Gandhi Memorial College Of Education Bantalab Jammu

ततः श्वेतैर्हयैर्युक्ते महति स्यन्दने स्थितौ ।
माधवः पाण्डवश्चैव दिव्यौ शङ्खौ प्रदध्मतुः ॥
पाञ्चजन्यं हृषीकेशो देवदत्तं धनंजयः ।
पौण्ड्रं दध्मौ महाशङ्खं भीमकर्मा वृकोदरः ॥

लिया। इस प्रकार शकटासुर, बकासुर, नरकासुर इत्यादि अनेक राक्षसों का संहार किया। भगवान कंस को भी पहले ही मार सकते थे लेकिन इन राक्षसों को भी मारना था। अतः कंस उन्हें वहाँ भेजता और प्रभु खेल २ में उन्हें मार देते थे। भगवान की माखन लीला में राजनीति थी क्योंकि ब्रज से सब माखन ऋण रूप में कंस को भेजा जाता था। भगवान ने

ततः शङ्खाश्च भेर्यश्च पणवानकगोमुखाः ।
सहसैवाभ्यहन्यन्त स शब्दस्तुमुलोऽभवत् ॥

CC-0 Agamnigam Digital Preservation Foundation,Chandigarh.Funding by IKS-MoE-2025-Grant

Gandhi Memorial College Of Education Bantalab Jammu

سوچا کہ اس سے دشمن قوت ملتی۔ یہ وہاں نہیں جانا چاہیے۔ نیز گوپیوں کا اُن پر بہت ہی پیار تھا۔ جس دن کرشن جی ان کے گھر نہیں جاتے تھے وہ رو رو کر انہیں پکارتی تھیں اور ماکھن کھلاتی تھیں۔ بھگوان ہر ایک کام معجزے کے طور پر انجام دیتے تھے۔ ایک بار گھر میں ماکھن کی مٹکی توڑ دی۔ جسودا جی نے اُسے ایک اوکھلی سے باندھ دیا۔ بھگوان نے اوکھلی کو ٹیڑھا کر دیا۔ یمل آرجن کا ادھار (خلاصی) کیا۔

جب کنس کو بہت دن ہو گئے تب نارد جی نے آکر کہا کہ آپ بھگوان کرشن اور اُن کے بڑے بھائی کو دھنش یگیہ کے بہانے بلاؤ اور تین کروڑ کنول کے پھول لانے کو کہو۔ کنس نے اکرور کو ان دونوں بالکوں کو لینے کے لئے بھیجا اور حکم دیا کہ اگر اتنے پھول نہ بھجوائے تو سارے گوکل کو جمنا میں بہا دینگے اکرور جی نے سب ماجرا نند جی کو سنایا۔ ماتا جسودا نے کرشن سے کہا کہ آج دور کھیلنے مت جانا، لیکن پربھو نے سب دوستوں کو ساتھ لیکر جمنا کنارے گیند کا کھیل شروع کیا۔ جب بھگوان کے پاس گیند آئی تو اُنہوں نے اسے جمنا میں پھینک دیا اور پھر خود بھی اُس میں کود پڑے۔ وہاں کالیا ناگ کو قابو میں لاکر اُس کے پھن پر ناچنے لگے اور اسی پر

CC-0 Agamnigam Digital Preservation Foundation Chandigarh Funding by IKS-MoE-2025-Grant

Gandhi Memorial College Of Education Bantalab Jammu

बल मिलता है वहाँ नहीं जाना चाहिए। दूसरे गोपियों का उन पर बहुत स्नेह था। जिस दिन कृष्ण जी उन के घर नहीं आते तो उस दिन वे रो-रो कर पुकारती थी और आने पर माखन खिलाती। भगवान प्रत्येक कार्य लीला द्वारा करते थे। एक बार घर में माखन की मटकी फोड़ दी। यशोदा जी ने ऊखल से बाँध दिया भगवान ने ऊखल को तिरछा करके यमुलार्जुन का उद्धार किया। जब कंस को बहुत दिन हो गये तब नारद जी ने आकर कहा कि आप दोनों बालकों को धनुष यज्ञ के बहाने बुलाओ और तीन करोड़ कमल के पुष्प लाने को कहो। कंस ने अक्रूर को दोनों बालकों को लेने के लिए भेजा और आज्ञा दी कि यदि इनने पुष्प नहीं भिजवाये तो सारे गोकुल को यमुना जी में बहा देंगे। अक्रूर जी ने सब समाचार नन्द जी को सुनाया। माता यशोदा ने कृष्ण से कहा आज दूर खेलने मत जाना। लेकिन प्रभु ने सब सखाओं को साथ लेकर यमुना किनारे गेंद का खेल शुरू कर दिया। जब भगवान के पास गेंद आई तो उन्होंने यमुना में फेंक दी और फिर स्वयं भी उसमें कूद पड़े। वहां कालीनाग को नाथ उसके फन पर नृत्य किया

1/18

नकुलः सहदेवश्च सुघोषमणिपुष्पकौ ॥१६॥ काश्यश्च परमेष्वासः शिखण्डी च महारथः।

अनन्तविजयं राजा कुन्तीपुत्रो युधिष्ठिरः

CC-0 Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh. Funding by IKS-MoE-2025-Grant

Gandhi Memorial College Of Education Bantalab Jammu

تین کروڑ کنول کے پھول

منگا لیئے۔ اکرورجی جب

بلرام اور کرشن کو لے جانے

لگے تو تمام برج اُن کی جدائی

میں رو رہا تھا۔ تب بھگوان

نے اُن کو سمجھایا کہ ہم جلدی

لوٹ آئیں گے۔

متھرا پہنچ کر کولیاپیڑ نامی ہاتھی کو نجات دلائی۔ کشتی کھیلنے کے دوران

بے شمار پہلوانوں کو پچھاڑا۔ اپنی ماتا دیوکی جی کا بدلہ لینے کے لئے کنس کو

بالوں سے کھینچ کر، پکڑ کر اور مار کر اُسے مکتی بخشی۔ واسدیو اور

دیوکی کو قید سے رہائی دی۔ کنس کے والد اُگرسین کو قید سے نکال کر

تختِ شاہی پر بٹھایا۔ جراسندھ اپنے داماد کا بدلہ لینے کے لئے

سترہ بار فوج لے کر آیا۔ بھگوان نے اُن تمام کا خاتمہ کیا، پھر جب

اٹھارہویں بار اُس نے حملہ کیا تو بھگوان دوارکا چلے گئے اور رات بھر میں

تمام لوگوں کو دوارکا پہنچا دیا اور خود ایک پہاڑی کے پیچھے سے نکل کر

CC-0 Agamnigam Digital Preservation Foundation Chandigarh Funding by IKS-MoE-2025-Grant

Gandhi Memorial College Of Education Bantalab Jammu

प्रवृत्ते शस्त्रसंपाते धनुरुद्यम्य पाण्डवः ॥२०॥

अथ व्यवस्थितान्दृष्ट्वा धार्तराष्ट्रान्कपिध्वजः।

वहाँ कालीनाग को नाथ उसके फन पर नृत्य किया और उसी पर तीन करोड़ कमल के पुष्प मंगवाये। अक्रूर जी बलराम, कृष्ण को ले जाने लगे, तो समस्त ब्रज विरह में रो रहा था तब भगवान ने उनको समझाया कि हम जल्दी आयेंगे। मथुरा पहुँच कुवलयापीड़ हाथी का उद्धार किया। मल्ल युद्ध में अनेक मल्लों को धराशायी किया। अपनी माता देवकी का बदला लेने के लिए ऊपर बैठे कंस को केश पकड़ कर मार कर उसका उद्धार किया। वसुदेव और देवकी को मुक्त किया। कंस के पिता राजा उग्रसेन को कारागार से निकाल कर उन्हें राज सिंहासन पर बिठाया। जरासन्ध अपने दामाद का बदला लेने के लिए सत्रह बार सेना लेकर आया। भगवान ने सबका ही संहार किया। जब अठारहवीं बार उसने युद्ध किया तो भगवान द्वारिका चले गए और रात भर में सब लोगों को द्वारिका पहुँचा दिया और स्वयं एक पहाड़ी के पीछे से निकल कर कूद पड़े। जरासन्ध ने सोचा इतने

संजय उवाच

हृषीकेशं तदा वाक्यमिदमाह महीपते। सेनयोरुभयोर्मध्ये रथं स्थापय मेऽच्युत ॥२१॥

स घोषो धार्तराष्ट्राणां हृदयानि व्यदारयत्।

नभश्च पृथिवीं चैव तुमुलो व्यनुनादयन् ॥१९॥

1/19

CC-0 Agamnigam Digital Preservation Foundation,Chandigarh. Funding by IKS-MoE-2025-Grant

Gandhi Memorial College Of Education Bantalab Jammu

کود پڑے۔ جراسندھ نے خیال کیا کہ اتنی اونچائی سے کود کر بچے نہیں ہونگے تاہم پہاڑوں کے اِرد گرد آگ لگوا دی۔ پھر خوش دلی سے بسرِ اوقات کرنے لگے۔

اِدھر بھوماسُر نے راجاؤں کی سولہ ہزار کنیاؤں کو اغوا کر کے انہیں حراست میں رکھا ہوا تھا۔ انہوں نے بھگوان سے اِلتجا کی، اس پر بھگوان نے بھوماسُر کو قتل کر کے مکتی دلائی۔ پھر ان کے پرارتھنا کرنے پر پتنی روپ میں تسلیم کیا۔

کوروؤں پانڈوؤں کی آپس میں دشمنی تھی۔ پانڈو بھگوان کرشن کے معتقد تھے۔ کوروؤں نے جوئے کی چال چل کر پانڈوؤں کو ہرا دیا اور سب کچھ داؤ پر لگوا دیا۔ بھری سبھا میں دروپدی کو ننگا کرنا چاہا۔ لیکن بھگوان نے ساڑھی کو اتنا دراز کیا کہ خود دُشاسن کھینچتے کھینچتے ہار گیا۔ اُن کو جنگل بھیج دیا گیا۔ کبھی لاکھ کے محل میں آگ لگوائی کبھی زہر دیا۔ لیکن پربھو سب طرح سے اُن کی حفاظت کرتے رہے۔ مہابھارت کے جنگ میں ارجن کے رتھبان بنے۔ جنگ میں جب ارجن کو موہ آیا تو اُسے گیتا کا اُپدیش دیا۔ جراسن کو بھیم کے ہاتھوں مروا دیا۔ آخر

CC-0 Agamnigam Digital Preservation Foundation Chandigarh Funding by IKS-MoE-2025-Grant

Gandhi Memorial College Of Education Bantalab Jammu

एवमुक्तो हृषीकेशो गुडाकेशेन भारत। सेनयोरुभयोर्मध्ये स्थापयित्वा रथोत्तमम्॥

ऊँचे से बचे नहीं होगे और फिर पहाड़ी के चारों ओर आग लगवा दी, फिर प्रसन्न मन से रहने लगा। उधर भौमासुर ने राजाओं की सोलह हजार कन्याओं का अपहरण करके उन्हें बन्दी बनाया हुआ था उन्होंने भगवान से प्रार्थना की तब प्रभु ने भौमासुर का वध करके उन्हें मुक्त किया। फिर उनके प्रार्थना करने पर उन्हें पत्नी रूप में स्वीकार किया। कौरव और पांडवों की आपस में शत्रुता थी। पांडव भगवान कृष्ण के भक्त थे। कौरवों ने जुए का प्रपंच रचकर इनको हरा दिया। तथा सब कुछ दांव पर लगवा दिया। भरी सभा में द्रोपदी को नग्न करना चाहा लेकिन भगवान ने साड़ी को इतना बढाया कि स्वयं दु:शासन खींचते-२ हार गया। बन में भेज दिया, कभी लाक्षागृह में आग लगवाई, विष दिया। किन्तु प्रभु सब तरह से उनकी रक्षा करते रहे। महाभारत के युद्ध में अर्जुन के सारथी बने। युद्ध में जब अर्जुन का मोह होगया तब उसे गीता का उपदेश दिया। जरासन्ध को भीम के द्वारा मरवा दिया। अन्त में

यावदेतान्निरीक्षेऽहं योद्धुकामानवस्थितान्।

कैर्मया सह योद्धव्यमस्मिन्रणसमुद्यमे ॥२२॥ योत्स्यमानानवेक्षेऽहं य एतेऽत्र समागताः।

CC-0 Agamnigam Digital Preservation Foundation,Chandigarh.Funding by IKS-MoE-2025-Grant

Gandhi Memorial College Of Education Bantalab Jammu

अन्त में विजय पांडवों की हुई क्योंकि वे धर्म की लड़ाई लड़ रहे थे। हमेशा धर्म की विजय होती है। पांडवों को राज्य दिला कर प्रभु द्वारिका आगये। भगवान कृष्ण की लीला का वर्णन कहां तक किया जाए। यह लेखनी विषय नहीं है विस्तार से वर्णन श्री भागवत में है।

मानस-किंकर कौशलकिशोर दास

فتح پانڈووٗں ہوئی کیونکہ وہ دھرم کی لڑائی لڑ رہے تھے۔
فتح ہمیشہ دھرم کی ہُوا کرتی ہے۔ پانڈووٗں کو راج دلاکر
پربھُو دوارکا گئے۔

مانس کنکر کوشل کشور داس

۲۵۔ درون اور بھیشم ڈٹے تھے وہاں جمے تھے وہیں راجگان جہاں۔
کہا دیکھو ارجن کھڑے صف بہ صف۔ لڑائی کی خاطر کرو سر بکف
۲۶۔ تب ارجن نے دیکھا کھڑے ہیں تمام۔ چچے۔ دادے۔ استاد ذی احترام
کہیں بیٹے پوتے کہیں یار ہیں۔ برادر ہیں۔ ماموں ہیں غمخوار ہیں
۲۷۔ خسر ہے کوئی کوئی دلبند ہے۔ کہ اک سے لگا اک پیوند ہے۔
جگر سے جگر کی لڑائی ہے آج۔ کہ لڑنے کو بھائی سے بھائی ہے آج۔

सेनयोरुभयोरपि । तान्समीक्ष्य स कौन्तेयः सर्वान्बन्धूनवस्थितान् कृपया परयाविष्टो

उवाच पार्थ पश्यैतान्समवेतान्कुरूनिति ॥२५॥ तत्रापश्यत्स्थितान्पार्थः पितृनथ पितामहान्

विषीदन्निदमब्रवीत् । भीष्मद्रोणप्रमुखतः सर्वेषां च महीक्षिताम्

CC-0 Agamnigam Digital Preservation Foundation,Chandigarh.Funding by IKS-MoE-2025-Grant

Gandhi Memorial College Of Education Bantalab Jammu

ہَرے کرِشنا !

کرِشنہِ ہیتو! ہیتو! ییکلین پوشہِ زار کر!
بانسرِ شہ دتو دِتو
دُدونَن شالمار کر
باغ نِشاط گُل پھولَن۔ گوپِیَن دِل تہِ شُل بُرہن
کرِشنہِ! دہانہِ از ہزرَ
شبنمس موخِتہ ہار کر
چانہِ گیشیامہِ زُھایہ لنش صُبحِ نگین تہِ شُرہیہ و
سِریہ ہوکھس ننبر گرتھ
حارِتین کرُدِگار کر
باغ نُسیمہ عطر زھٹھ۔ آیہ ہوایہ وَرِ کراں
پوشہِ پدین زُریہ گتھ کری
توتہِ ہمس اُمار کر

CC-0 Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh. Funding by IKS-MoE-2025-Grant

Gandhi Memorial College Of Education Bantalab Jammu

پیارٕ وٕنِن یمبرزٕلَن چانٕہ دَیایہ کُن نظر !

کرشُنہٕ دَیالہِ یوٚد نہٕ یکھ

سَونتہٕ بلَن بہمارٕ کرٕ

یٚیمِ نہٕ کرٕ دِلبرِی گلَن۔ لیَس نہٕ کرُ دِلبرِی گمٕو !

دٕرشنکی بٕرٕمٕژرٕ تمَن

پٕرِیمٕہ ہتی دِل تیارٕ کرٕ

اَزٕ تہٕ گنٕگایہٕ بھُجی بٕہٕ زٕھن۔ چانٕہ دٕوٕ میدِ تارِ کرُ

کَل مٕہٕ رُمسَ رٕمسَ گنَن

کیٚاہ یمٕے رُم مٕہٕ تارٕ کرٕ

تارٕتسکارِ سعٕول بہٕ سعٕول۔ ہٲنٕز کھیٚلس نہٕ گرٕندیوٚن

ووٕنی اگرِ لانکہِ پیٹھ ترٕکھ

میون دِل شرمِسار کرٕ

چانہِ خیالہِ کنیٚ وٕنم۔ سایہٕ بُدیٖ دِل پسَند سوخَن

فاضلَن تازٕ ترٕ غزل

اَزٕ بنٕن اشتہارٕ کرٕ

CC-0 Agamnigam Digital Preservation Foundation,Chandigarh.Funding by IKS-MoE 2025-Grant

Gandhi Memorial College Of Education Bantalab Jammu

हरे कृष्णा !

कृष्ण' यितो यितो यितो ! स्यकिल्यन पोशिजार कर
बांसुरी शाह दितो दितो ! द'दवनन शालमार कर

बागि निशा'त गुल फोलन, गूपियन दिल त शिल ब्रमन
मेठि, दहान' कर सोखन, शब्रममस म्वख्त'हार कर

चानि ग्येशामि छायि तल सुबहि निगीन ति शामि प्यव
सिर्यि मोखस नन्यर क'रिथ हा'रतन किरदगार कर

वागि नसीम' अ'तरि छठ, आयि बेवायि वर करान
पोशि पद्यन च्य गथ करिय, तोति हम्यस अमार कर

प्यारवन्यन य'म्बर ज्वलन, चानि पोत छाई कुन नजर
कृष्णा' दयाल ' यो'द न यिख, सोन्त' बलन ब्यमार कर

यम्य न कर दिलबरी गुलन, यस न' क'र दिलबरी गुलव
दर्शनक्य बर मुचर तिमन, प्रेम' रस वागुजार कर

अज ति गंगायि ब'ठ्य ब्रछुन चानि' वो'मेजि तारिक्र'य
कल मे' रुमस रुमस गनन, क्याह यिमय रुम मे' तार कर

तार' शिकारि स्वल ब स्वल हां'ज' स्यलिस न ग्रंद यिवन
वोन्य अगर लांकि प्यठ तरख म्योन दिल शर्मसार कर

चानि खयाल किन्य वनिम, सासबद्य शार दिलपसन्द
फाजिलुन ताजतर गजल, क्याह पनुन इश्तिहार कर

CC-0 Agamnigam Digital Preservation Foundation,Chandigarh.Funding by IKS-MoE-2025-Grant

Gandhi Memorial College Of Education Bantalab Jammu

کرشنہ اچھو کنھہ رنگ تہٕ بے رنگ پان گوم
بے رنگی منز چھانٕ پیٹھ یمک رنگ سنیوم
پریمہ رنگ پیٹھ آوتھ گنے رنگ نظر آم
اتھی رنگس منز سریہ پیٹھ اگاش دِل بنیوم

CC-0. Agamnigam Digital Preservation Foundation,Chandigarh.Funding by IKS-MoE-2025-Grant

Gandhi Memorial College Of Education Bantalab Jammu

Krishn Leela

کرشن لیلا

कृष्ण लीला

از :-
ڈاکٹر نظام الدین۔ پروفیسر آف ہندی، اسلامیہ کالج۔ سرینگر

کشمیر کے رسکھان

فاضل کاشمیری نے "بالک اوستھا" اور "کرشن لیلا" نامی کرشن کاویہ کی تخلیق کر کے سورداس، رسکھان، پرمانند، نروتم داس، رتنا کر، سبھی ہمیں بھارتی کی روایت کو قائم رکھا ہے۔ اس کے ساتھ قومی یکجہتی کو بڑھاوا دینے میں ہم انہیں امیر خسرو، نظیر اکبر آبادی، ساغر نظامی، بیکل اتساہی

CC-0.Jammmu Digital Preservation Foundation,Chandigarh.Funding by IKS-MoE 2025-Grant

Gandhi Memorial College Of Education Bantalab Jammu

اور نفیر بنارسی وغیرہ کی روایت میں نمایاں پاتے ہیں۔ انہوں نے ستگورو سری بابا گورونانک کی بانی کا ترجمہ کر کے ایک عظیم کارنامہ انجام دیا ہے۔ جس کی سراہنا سکھ قوم نے کی ہے۔

فاضل کاشمیری ایسے وسیع القلب شاعر ہیں جو تخیل کی ہم آہنگی کے تاروں کو جھنکار عطا کرتے ہیں۔ وہ پُرخلوص ماحول کے تخلیقی کام میں جٹے ہوئے ہیں۔ اُن کے اشعار میں بانسری کے میٹھے سُر تخیلی ہم آہنگی کا پیغام دیتے ہیں۔ جو کوئی اس سُر کو سُنتا ہے "جے جے ہری" پکارتا ہے۔ اس کا دل پاک ہو جاتا ہے، وہ بادشاہ ہو جاتا ہے۔ پھر اس میں ہندو مُسلمان کی تمیز نہیں رہتی۔ فاضل صاحب کرشن جی کو گنگا کا ایسا پاون جل (پوتر پانی) تصوّر کرتے ہیں جو ہندو اور مُسلمان کے دلوں کے میل کو دھو ڈالتا ہے۔ کرشن گو پوشہ وُن گنگا یہ ہند جل

چھلان ہیندن مسلمانن ڈلک مل

فاضل صاحب کرشن کی بانسری پر موہت ہیں، کیونکہ اس کا سُر پریم آتما ہے۔ جلوۂ روشنی حیات ہے اور سازِ دلبری ہے

CC-0 Agamnigam Digital Preservation Foundation,Chandigarh.Funding by IKS-MoE-2025-Grant

Gandhi Memorial College Of Education Bantalab Jammu

مرلی دھر کرشن اس میں پھونک مار کر گیان و عرفان کے ظاہری و باطنی راز عیاں کرتا ہے، جس سے اطرافِ عالم میں کیف و سرور چھا جاتا ہے جس سے نبی اور اوتار البشور اللہ کے بھیجے ہوئے تسلیم کئے جاتے ہیں۔ اور رحمان و بھگوان ایک ہی ذات باری کے دو نام ہیں۔

فاضل صاحب کرشن کے رنگ و روپ پر مہوت ہیں انہیں ایسا معلوم ہوتا ہے کہ پھولوں میں رنگ و بو کرشن کی بدولت ہے اور انہیں کے دم قدم سے یہ سنسار ایک حسین گلزار بنا ہوا ہے۔

فاضل صاحب کی یہ کتاب "کرشن لیلا" بھارتیہ کرشن کاویہ میں ایک گرانقدر اضافہ ہے اس سے قومی ایکتا پر اعتقاد رکھنے والوں کے دل و دماغ اور زیادہ روشن ہو جائیں گے۔

نظام الدین

(DR. NIZAM-UD-DIN)
Prof. of Hindi
Islamia College, Srinagar
(Kashmir)

ترجمہ:- پرتھوی ناتھ کول "سائل" کشمیری

CC-0 Agamnigam Digital Preservation Foundation,Chandigarh.Funding by IKS-MoE-2025-Gran

Gandhi Memorial College Of Education Bantalab Jammu

Dr. Jagat Mohani

M. B., B. S.

King Edward Medical College, Lahore (Punjab Old)

MEDICAL SUPERINTENDENT

RATTAN RANI HOSPITAL 10 A. M.-4 P. M.

GYNAECOLOGIST & OBSTETRICIAN

بھگوان کرشن نے

گیتا جی میں ارشاد فرمایا ہے :-

خاک، پانی، آگ، ہوا، خلاء، من، ذہانت اور خودی۔
اِن آٹھ متضاد اقسام سے میری پرکرتی بنی ہے۔ یہ میری
آدتیہ اوستھا ہے۔ اوستھا کو بھی سمجھنے کی کوشش
کرو۔ اس کے علاوہ میری اُتّم اوستھا سویم ہی میں ہے۔
جس پر ساری کائنات کا دارومدار ہے۔ تم اس بات کو
سمجھ لو، کہ تمام جاندار اور بے جان اِنہیں دو سے بنے ہیں۔
میں اس بدلتے سنسار کی ابتداء ہوں اور اختتام بھی۔

CC-0 Agamnigam Digital Preservation Foundation,Chandigarh.Funding by IKS-MoE-2025-Grant

Gandhi Memorial College Of Education Bantalab Jammu

دکھشنایَن بہنے کے درمیان جو کہ آٹھویں کرشن پکھش کے کالے پندرہ واڑے میں آتا ہے، جیل کی ایک کالی کوٹھری میں، جہاں موت کے کالے سائے منڈلا رہے تھے، آدھی رات کے عالم میں مُتبرک ساعت پر ایک سیاہ فام بچے، کرشن، نے جنم لیا۔

گیتاجی کی بھاشا کی روشنی میں کرشن کے معنی "کالے" کے ہیں جس کی مناسبت کرشن پکھش کے تاریک پندرہ واڑے کے ساتھ ہے۔ یہ وہ سمے تھا جب جگت کے تمام رہنے والے لوگوں میں ناسمجھی، جہالت اور پاپ کا دور دورہ تھا... اندھکار کے اس دور میں کرشن جیسے روشن ضمیر رہنما کے وجود کی اشد ضرورت تھی جو اس رات میں ظہور میں آیا۔ اسی ذات نے کالے کرتوت والے منشوں کو روشنی بخش کر مکتی کا راستہ دکھایا۔ انہیں گیتاجی کے درس سے برہمانڈ کی اصلیت اور مایا کی ماہیت سے واقف کیا۔

بھگوان ہری جو کرشن کے روپ میں اپنی بال اوستھا کے کھیل کود جیسے مکھن چوری، گائے پالک، مُرلی منوہر کھیلتا رہا۔ ان میں سے ہمارے

CC-0 Agamnigam Digital Preservation Foundation Chandigarh Funding by IKS-MoE-2025-Grant

Gandhi Memorial College Of Education Bantalab Jammu

کرشن کے مرلی منوہر ہونے کو بڑی اہمیت حاصل ہے کیونکہ جب پیارے

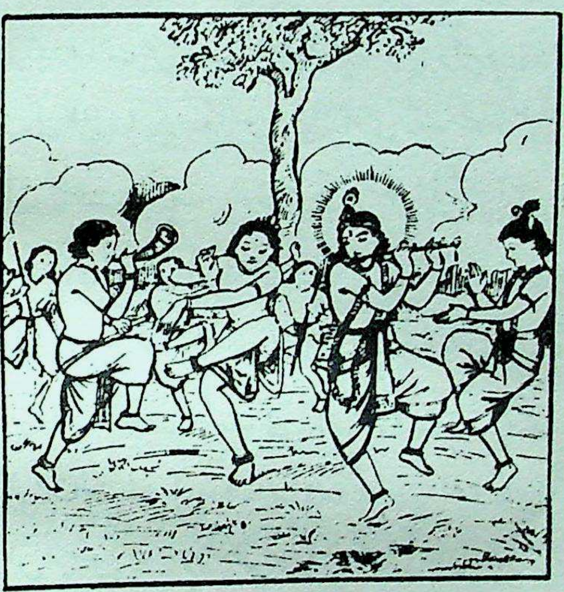

بھگوان کرشن جی مرلی بجاتے تھے تو اس میں سے شانتی اور سکون کے
لہرے پیدا ہوتے تھے جن سے سننے والوں پر محویت کا عالم چھا جاتا تھا۔
کرشن جی سیکیولرازم کے اولین پرچارک تھے۔ انہوں نے لوگوں کو
بھائی چارہ اور یکسانیت کا درس دیا اور سماج کے زہریلے سانپوں اور

CC-0 Agamnigam Digital Preservation Foundation,Chandigarh.Funding by IKS-MoE-2025-Grant

Gandhi Memorial College Of Education Bantalab Jammu

رہزنوں کو بھی قابو کر لیا اور ان کا سدھار کیا ۔

کرشن جی دھرم کے محافظ، سیاست دان اور ایک عظیم رتھ بان تھے ۔
انھوں نے انسان کو دنیاوی جھنجھٹوں سے آزاد کر دیا ۔ وہ ہمہ دان اور
حق پرست تھے ۔ وہ پانڈووں کے دوست اور پشت پناہ تھے ۔ انہوں نے
ظلم و تشدد، جعلسازی اور دغابازی جیسے شریر عناصر کو جڑ سے
اکھاڑا ۔ ان حقائق کا ذکر مشہور رزمیہ مہابھارت میں ملتا ہے ۔

CC-0 Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh Funding by IKS-MoE-2025-Grant

Gandhi Memorial College Of Education Bantalab Jammu

ہمارے فاضل صاحب ایک کرشن بھگت ہیں۔ رسالہ "دھرم یگ" کے تنظیمی ادارہ نے انہیں "کشمیر کا رسکھان" کا خطاب دیا ہے۔ کیونکہ انہوں نے رسکھان کی طرح کرشن بھگتی کا بھرپور اظہار اپنے شبدوں میں ہمارے سامنے پیش کیا ہے۔ انہوں نے کرشن کے بچپن، جوانی اور دیرینہ سالی کے سندر مرقعے سجائے ہیں۔ اُن کی کتاب "کرشن لیلا" کی لیلاؤں میں ترنم، تاثیر اور گداز ہے۔ اُن کے اس عظیم کام سے سوشل ازم اور قومی یکتا کے میدان میں اچھے نتائج برآمد ہوں گے۔

میری دُعا ہے کہ یشودھا کا بالک کرشن جو دائیں ہاتھ میں حلوا، بائیں ہاتھ میں مکھن کا پیڑا گلے میں زرق برق جواہرات کا ہار، شیر کے ناخنوں سے آراستہ بدن ہمارے فاضل صاحب کو ابدی مسرت عطا کرے!

30-8-83

(ڈاکٹر جگت موہنی)

CC-0 Agamnigam Digital Preservation Foundation,Chandigarh.Funding by IKS-MoE-2025-Grant

Gandhi Memorial College Of Education Bantalab Jammu

کشمیری علم و ادب اور قومی یکتا کے کاز کو بڑھاوا دینے کے سلسلہ میں فاضل کاشمیری نے "شری جپ جی صاحب" اور "سلوک مہلہ نواں" اور "ستھ رنگ" کے بعد اس بار اپنی "کرشن لیلائیوں کا یہ حسین گلدستہ" "بالک اوستھا" عوام کے بہبود کے لئے منظرِ عام پر لانے کی بارآور کوشش کی ہے، جو واقعی ایک اہم کارنامہ ہے۔ مجھے اُمید ہے کہ اس دلکش کتاب کی اشاعت سے قومی بھائی چارہ کی وسعت میں دُور رس نتائج برآمد ہونگے۔

علی محمد لنگر

سرینگر کشمیر
۱۹ نومبر ۱۹۸۳ء

CC-0 Agamnigam Digital Preservation Foundation,Chandigarh Funding by IKS-MoE-2025-Grant

Gandar Memorial College Of Education Bantalab Jammu

PROF. CHAMANLAL SAPRU

180-Lalnagar, P. O. Natipur
Srinagar (Kashmir) 190 015

از : پروفیسر چمن لال سپرو

بھگوان شری کرشن نے اپنی لیلاؤں سے سب کو یکساں طور پر اپنی طرف کشش کی ہے۔ اُن کا بالک رُوپ سُور داس اور رس خان جیسے عظیم شاعروں کے لیئے پرستش کا موجب بن گیا ہے۔ اِن دو شاعروں نے اپنے محبُوب بھگوان کرشن سے متعلق واتسلیہ رس یعنی شفقتِ مادری کا جذبہ) سے مملو نظموں کو تخلیق کر کے ہندی ادب کو امر بنا دیا ہے۔

کشمیری زبان کے رس خان الحاج فاضل کاشمیری ایک ایسی شخصیت ہیں جو حقیقی معنوں میں اُن تنگ حدود سے بالاتر ہیں جو آج کے انسان کو مذہب اور رنگ و نسل کے فرق میں جکڑے ہوئے ہیں۔ فاضل صاحب موجودہ دور میں تمام مذاہب کی بنیادی وحدت کو سمجھ

CC-0 Agamnigam Digital Preservation Foundation Chandigarh Funding by IKS-MoE 2025-Grant

Gandhi Memorial College Of Education Bantalab Jammu

اپنی سُریلی زبان اور مخصوص پیرائے میں اس کا پرچار کرتے ہیں۔ وہ پرم ہنس رام کرشن مہاراج کے سروِ دھرم سمنوئے (Harmony of religions) کو آج کے دور کے مسائل کا واحد حل تصوّر کرتے ہیں۔ وہ گیتا جی، مقدّس انجیل، قرآن شریف اور سری گورو گرنتھ صاحب میں ایک ہی پیغام کی مختلف صورتیں دیکھتے ہیں۔

فاضل صاحب کو میں نے دھارمک محفلوں اپنی کرشن لیلائیں سُناتے دیکھا ہے۔ وہ ایسی محفلوں میں اپنی شاعرانہ صلاحیتوں سے ایک پُرکیف سماں باندھ دیتے ہیں۔ اُن کی زبان میں سلاست، روانی اور تاثیر ہے۔ اُن کی شعری زبان ایسی سہل اور جاذبِ توجّہ ہے جسے پڑھنے والے اور سُننے والے بغیر کسی کدو کاوش کے آسانی سے سمجھ کر بھرپور حظ اُٹھاتے ہیں۔

اِس بار فاضل صاحب نے بالک او سمتھا کی کتابت و تزئین اپنے من چاہے انداز میں خود کی ہے، جو اُن کا ہی حصّہ ہے۔

چمن لال سپرو
25.1.84

25-1-1984

CC-0 Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh. Funding by IKS-MoE-2025-Grant

Gandhi Memorial College Of Education Bantalab Jammu

Fazil Kashmiri is, I have understood, unparalled devotee of Lord Krishna. Although he is born muslim, but he is no longer now muslim in a strict theological sense, or Pandit. He is actually established in that state of divine devotion of Lord that has risen in that state where he has gone above limitation of caste creed and colour. He is just devotee of Lord Krishna. I hope this

CC-0 Agamnigam-Digital Preservation Foundation,Chandigarh Funding by IKS-MoE-2025-Grant

श्रीभगवानुवाच अभयं सत्त्वसंशुद्धिर्ज्ञानयोगव्यवस्थितिः ।

दानं दमश्च यज्ञश्च स्वाध्यायस्तप आर्जवम् ॥१॥ अहिंसा सत्यमक्रोधस्त्यागः शान्तिरपैशुनम् ।

भवन्ति संपदं दैवीमभिजातस्य भारत ॥३॥ दैवी सम्पद्विमोक्षाय निबन्धायासुरी मता ।

Gandhi Memorial College Of Education Bantalab Jammu

book 'Krishen Leela' will illumine the whole world.

I hope that each & every human being should and must own this valuable book, so that they also rise to that state of Divine oneness where limitation of caste and creed are not recognised.

6-11-83. Lakshmanjoo
Guptaganga

(شیو آچاریہ سوامی لکشمن جو مہاراج - گپت گنگا سرینگر)

शैवाचार्या स्वामी लक्ष्मण जो महाराज

CC-0 Agamnigam Digital Preservation Foundation Chandigarh.Funding by IKS-MoE-2025-Grant

दम्भो दर्पोऽभिमानश्च क्रोधः पारुष्यमेव च ।

Gandhi Memorial College Of Education Bantalab Jammu

فاضل کاشمیری ایک مذہب زدہ ذات نہیں ہیں۔ وہ اپنے مذہبی عقائد کے دوش بدوش دوسرے دین و دھرم کے بانیوں اور پرستاروں کی اقدار کا احترام کرتے ہیں جس کے آئینہ میں اُن کی "انوارِ محمدی" "شری جپ جی صاحب" اور "کرشن لیلا" جیسی گرانقدر تصانیف پیش کی جاسکتی ہیں۔

زیر نظر اُن کی تصنیف "کرشن لیلا" اُن کی کرشن بھگتی کی تصویر ہے۔ فاضل مصنّف نے اس میں سری کرشن جی مہاراج پر سندر نظمیں لکھی ہیں۔ انہیں سُنکر اور پڑھ کر سامعین اور قارئین روحانی کیف و گداز حاصل کرتے ہیں۔ میلادوں، خالصہ درباروں اور دہا التسوؤں میں حاضرین انہیں اپنا کلام سنانے کی فرمائشیں کرتے ہیں اور ان کی قدردانی کرتے ہیں۔ فاضل صاحب کے ادبی مطبوعہ شہپاروں سے ہمارے دیس میں قومی یکتا اور بھائی چارہ کو قوت ملتی ہے۔

۲۶ فروری سنہ ۱۹۸۲ء

رمیلا رام نجوتن

گگو باغ

CC-0 Agamnigam Digital Preservation Foundation,Chandigarh.Funding by IKS-MoE-2025 Grant

Gandhi Memorial College Of Education Bantalab Jammu

Symbol of Better Tomorrow

Save a little for your

FUTURE

in Various Deposit Schemes

of

Jammu & Kashmir Bank

Tailormade to Suit everybody's requirements

For details please step into at any nearest Branch/Office

of

Jammu & Kashmir Bank.

CC-0 Agamnigam Digital Preservation Foundation,Chandigarh.Funding by IKS-MoE-2025-Gran

Gandhi Memorial College Of Education Bantalab Jammu

IV/6 (92)

कृष्ण-लीला

Krishna Leela

This Beautiful Book

of the Personality of

Kṛishṇa

provides the key to how humanity can become united in peace, prosperity and friendship around a common cause.

G.M. College of Education
Raipur, Bantalab
Jammu. —D
Acc. No......112..........
Dated......6.10.03......

Printed at Hind Samachar Printing Press,
Pacca Bagh, Jalandhar City.

Sangamgam Digital Preservation Foundation,Chandigarh Funding by IKS-MoE-2025

Gandhi Memorial College Of Education Bantalab Jammu

CC-0 Agamnigam Digital Preservation Foundation,Chandigarh.Funding by IKS-MoE-2025-Gran

③

Gandhi Memorial College Of Education Bantalab Jammu

Krishna Leela

This Beautiful Book of the Personality of

Krishna

provides the key to how humanity can become united in peace prosperity and friendship around a common cause

By

Alhaj Fazil Kashmiri

R/o Gulshan Nagar, Chanpora, Srinagar
KASHMIR-190015

CC-0 Agamnigam Digital Preservation Foundation,Chandigarh.Funding by IKS-MoE-2025-Grant